वर्ष 69 ▸ अंक 213 ▸ पृष्ठ 12+8 = 20
भोपाल, शनिवार 02 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 01, विक्रम संवत् 2083
महानगर ▸ मूल्य 7 रुपए
आज के अंक के साथ सत्यकथा (ऐच्छिक)

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

मनुष्यता का अर्थ केवल अपने लिए जीना नहीं है, बल्कि प्रकृति के प्रत्येक जीव के लिए जीवन संभव बनाना है।
- अज्ञात

बरगी क्रूज हादसा: पायलट समेत 3 बर्खास्त, 1 सस्पेंड, अब तक 9 शव मिले, जांच समिति का गठन

अब प्रदेश के जलाशयों में नहीं चलेंगे क्रूज

विशेष प्रतिनिधि, जबलपुर। नर्मदा के बरगी बांध में जिम्मेदारों की लापरवाही से क्रूज डूबने से मृत पर्यटकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। तीन बच्चों सहित चार की तलाश 24 घंटे बाद भी जारी है। डैम के अंदर-बाहर चप्पा-चप्पा छान लेने के बाद भी चार लोगों को पता नहीं चल सका है। मृतकों में एक बच्चा है। तीन बच्चे अभी लापता हैं। इन तीन बच्चों में 5 वर्षीय तमिल और उसके पिता कामराज निवासी खमरिया जबलपुर का भी अब तक कोई नहीं चल सका है। जबकि 28 लोगों को घटना के बाद से सुबह तक सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है।

इस बीच, राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश के किसी भी जलाशय में क्रूज संचालन पर रोक लगा दी है। एडवेंचर टूरिज्म के लिए जल्द ही एसओपी बनाई जाएगी। सरकार ने घटना की जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति बनाई गई है, जिसमें होमगार्ड एवं नागारिक सुरक्षा के महानिदेशक, सचिव मध्यप्रदेश शासन और जबलपुर संभाग के आयुक्त शामिल होंगे। शासन-प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए क्रूज पायलट महेश पटेल, हेल्पर छोटेलाल गोंड और टिकट काउंटर प्रभारी बृजेंद्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। इनके अलावा होटल मैकल रिसॉर्ट और बोट क्लब बरगी के मैनेजर सुनील मरावी को कार्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। पर्यटन विभाग के रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा को मुख्यालय अटैच कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने घटना स्थल का जायजा लेने के बाद पूरे मामले की जांच समिति को सौंपते हुए जल्द रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को दोपहर बाद जबलपुर के बरगी बांध पहुंचे थे, जहां उन्होंने ■ शेष पृष्ठ 9 पर

मौत भी मां के आंचल से नहीं छुड़ा सकी उसका लाल

इस क्रूज हादसे का क्रूरतम चेहरा शुक्रवार को सामने आया, जब एक मां-बेटे के शव ऊपर उतरने दिखे। लाइफ जैकेट पहने मां अंतिम सांस तक अपने लाल को मौत से बचाती रही। छाती से चिपकाकर उसे दोनों हाथों से जमकर जकड़ी रही और फिर ऐसे ही दोनों दुनिया से विदा हो गए। ममता की इस तस्वीर को देख घाट पर मौजूद हर आंख छलक उठी। यह मां-बेटा परिवार सहित दिल्ली से आए थे। महिला मरीन मैसी के पति प्रदीप, बेटी सिया और महिला के पिता तो किसी तरह बचकर गुरुवार शाम किनारे पर आ गए थे। बेटी सिया को उम्मीद थी कि मां लाइफ जैकेट पहने हैं और 4 वर्षीय भाई त्रिशान को हाथों से जकड़े थी। दोनों सकुशल बाहर आ जाएंगे, लेकिन शुक्रवार सुबह उसकी आधी बात ही सही निकलीं।

तीन बिंदुओं पर होगी जांच

- दुर्घटना के कारणों की शुरुआत से जांच करना
- परिस्थितियों की जांच करना
- घटना के समय प्रोटोकॉल के पालन की जांच करना।

मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों के लिए की 4 लाख रुपए की सहायता की घोषणा

विशेष संवाददाता, भोपाल। घटनास्थल का दौरा करने के बाद सीएम ने पीड़ित परिजनों और रेस्क्यू टीम के सदस्यों से भी मुलाकात की। सीएम ने कहा कि दुर्घटना में रेस्क्यू टीम के जिन सदस्यों ने लोगों को पानी से बाहर निकाला, उनका 15 अगस्त को सम्मान किया जाएगा। रेस्क्यू टीम के सदस्यों को 51-51 हजार रुपए दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने क्रूज दुर्घटना के मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकार नौका पर्यटन, क्रूज पर्यटन, एडवेंचर स्पोर्ट्स (पर्यटन) सहित सभी तरह की गतिविधियों के लिए एसओपी तैयार करेंगी, जिससे भविष्य में ऐसी दुर्घटना ने हो। जांच रिपोर्ट में जो भी दोषी होगा,उसे बख्शा नहीं जाएगा। हम सभी को मौसम विभाग की सूचनाओं को गंभीरता से लेना चाहिए।

पीएम ने व्यक्त की शोक संवेदना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुर्घटना पर संवेदना जताते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख देने का ऐलान किया। पीएम ने एक्स पर शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए लिखा कि सरकार और प्रशासन प्रभावितों की हर संभव सहायता में जुटा हुआ है।

ऑफ बीट

चर्चित चेहरों वाले रोबोट डॉग्स हुए वायरल

जर्मनी के एक म्यूजियम में इन दिनों एक अनोखा और चौंकाने वाला आर्ट इंस्टॉलेशन लोगों का ध्यान खींच रहा है। यहां ऐसे रोबोट डॉग्स प्रदर्शित किए गए हैं, जिनके चेहरे दुनिया के चर्चित उद्योगपतियों, टेक हस्तियों और राजनेताओं जैसे एलन मस्क, मार्क जुकरबर्ग, जेफ बेजोस और किम जोंग उन से मिलते-जुलते नजर आते हैं। इस अनोखे प्रयोग के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इस इंस्टॉलेशन का नाम 'रेगुलर एनिमल्स' है, जिसे प्रसिद्ध अमेरिकी डिजिटल आर्टिस्ट बीपल (माइक विंकलमैन) ने तैयार किया है। यह रोबोट डॉग्स म्यूजियम के अंदर घूमते रहते हैं और दर्शकों के साथ इंटरैक्ट भी करते हैं। इनका डिजाइन ऐसा रखा गया है कि मशीन और इंसान के बीच की सीमा धुंधली नजर आती है।

आईपीएल में आज

चैन्नई बनाम मुंबई
समय : रात 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर
परिणाम: दिल्ली ने राजस्थान को 7 विकेट से हराया।

संक्षिप्त खबरें

भोपाल व इंदौर में शुरू नहीं हो सकी जनगणना

मुख्य संवाददाता, भोपाल। जनगणना के पहले चरण में प्रदेश में मकानों की गिनती का काम शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार, प्रदेश के लगभग 40 जिलों में मकानों के सारणीयन के लिए प्रगणक और सुपरवाइजर गांवों और शहरों की बस्तियों में पहुंचे। हालांकि, भोपाल-इंदौर समेत प्रदेश के कुछ जिलों में शुक्रवार से मकानों की गिनती शुरू नहीं हो सकी। इसकी वजह सरकारी कर्मचारियों (प्रगणक और सुपरवाइजर) की ट्रेनिंग खत्म न होना है। भोपाल में 3 मई से मकानों की गिनती के लिए सरकारी अमला घर-घर दस्तक देगा। जनगणना के पहले चरण के दौरान 1 से 30 मई तक सभी 55 जिलों में मकानों के सारणीयन का काम होना है।

(विस्तृत खबर पेज-2 पर)

मानहानि केस में मान के खिलाफ 20 को सुनवाई

चंडीगढ़, जेएनएन। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पूर्व विधायक नाजर सिंह मानशाहिया से जुड़े मानहानि मामले में बड़ी राहत मिली है। मानसा अदालत ने मुख्यमंत्री की अपील स्वीकार करते हुए सुनवाई को 20 मई तक स्थगित कर दिया है। दरअसल, इस मामले में अदालत ने 1 मई को भगवंत मान को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के निर्देश दिए थे। साथ ही यह भी कहा गया था कि अनुपस्थित रहने पर उनकी जमानत रद्द करने की कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, मुख्यमंत्री विशेष विधानसभा सत्र में व्यस्त होने के कारण अदालत में पेश नहीं हो सके। मान के वकील ने अदालत में अर्जी देकर बताया कि विधानसभा का विशेष सत्र होने के चलते मुख्यमंत्री का उपस्थित होना संभव नहीं है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 994 रुपए बढ़े

3 हजार रुपए के पार पहुंची कीमत सभी बड़े शहरों में

दो माह में कुल 1248 रुपए की बढ़ोत्तरी

प्रदेश में पिछले दो महीनों में ही कुल 1248 रुपए तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। स्थिति इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि बाजार में गैस सप्लाई केवल 50% तक सीमित बताई जा रही है।

नई दिल्ली, जेएनएन। मई महीने की शुरुआत आम लोगों और कारोबारियों के लिए महंगाई का नया झटका लेकर आई है। देशभर में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों में एकमुश्त 994 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। राजधानी दिल्ली में अब 19 किलो का कमर्शियल सिलेंडर 3071.50 रुपए में मिलेगा, जो पहले 2078.50 रुपए का था। इसी तरह कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में भी कीमतों में लगभग समान बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

तेल कंपनियों द्वारा की गई इस वृद्धि का सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और कैटरिंग व्यवसाय पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका असर जल्द ही आम उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा, क्योंकि खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ना लगभग तय है। जुलाई तक मध्य प्रदेश में 20 हजार से अधिक शादियां प्रस्तावित हैं। ऐसे में कीमतों में भारी उछाल ने कैटरिंग और होटल व्यवसाय को मुश्किल में डाल दिया है।

500	50	10%
लोगों के भोजन पर पहले 5 लाख रु. खर्च आता था	हजार तक का अतिरिक्त खर्च बढ़ जाएगा।	तक वृद्धि हो रही है गैस महंगी होने से खाने की लागत में

छोटू सिलेंडर भी हुआ महंगा

कमर्शियल सिलेंडर के साथ 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर की कीमत में 261 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। अब इसकी कीमत 813.50 हो गई है, जो पहले 552.50 थी। यह छोटा सिलेंडर, जिसे आमतौर पर 'छोटू' कहा जाता है, बिना एड्रेस प्रूफ के भी खरीदा जा सकता है और इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से प्रवासी मजदूर, छात्र और छोटे दुकानदार करते हैं। ऐसे में इस वर्ग पर महंगाई का अतिरिक्त दबाव बढ़ेगा।

मध्य प्रदेश में असर और ज्यादा गहरा

मध्य प्रदेश में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 993 रुपए तक की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रमुख शहरों में नए दाम इस प्रकार हैं।

भोपाल: 3074 रुपए
इंदौर: 3179 रुपए
जबलपुर: 3290 रुपए
ग्वालियर: 3296 रुपए
उज्जैन: 3241 रुपए

पेट्रोल-डीजल महंगा होने के संकेत, सरकार बोली- जरूरत पड़ी तो लेंगे फैसला

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, आने वाले समय में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार नहीं किया जा सकता। बढ़ते घाटे और वैश्विक ऊर्जा बाजार की स्थिति को देखते हुए सरकार इस पर विचार कर सकती है। हालांकि, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि सरकार देश को वैश्विक झटकों से बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि पिछले चार वर्षों से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं की गई है और यदि जरूरत पड़ी तो ही निर्णय लिया जाएगा। सरकारी तेल कंपनियां पेट्रोल पर करीब 20 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर तक नुकसान उठा रही हैं। विशेषज्ञों ने पहले ही संकेत दिए थे कि चुनाव प्रक्रिया खत्म होने के बाद कीमतों में 25 से 28 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी हो सकती है।

राहुल पर एफआईआर संबंधी याचिका खारिज

नई दिल्ली/प्रयागराज, जेएनएन। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका उनके कथित 'इंडियन स्टेट से लड़ने' वाले बयान को लेकर दायर की गई थी।

न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की पीठ ने यह फैसला सुनाया। अदालत में यह याचिका सिमरन गुप्ता द्वारा दायर की गई थी, जिसमें संभल की एक निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया गया था। याचिकाकर्ता का आरोप था कि राहुल गांधी ने 2025 में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय के उद्घाटन के दौरान कहा था कि 'हम अब भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज्य से लड़ रहे हैं।' याचिका में इस बयान को आपत्तिजनक बताते हुए कहा गया कि इससे जनभावनाएं आहत हुई हैं और यह देशविरोधी तथा राजद्रोह जैसी श्रेणी में आता है।

ट्रंप बोले- वार्ता जारी पर ईरान का प्रस्ताव संतोषजनक नहीं

दावा: अमेरिका ने ईरान की सैन्य क्षमता को कर दिया है कमजोर

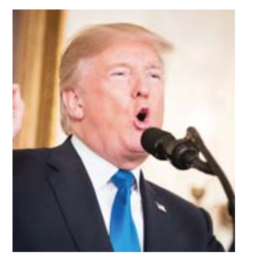

वॉशिंगटन/तेहरान, जेएनएन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी वार्ता पर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि युद्ध खत्म करने के लिए ईरान का ताजा प्रस्ताव उन्हें संतोषजनक नहीं लगा। उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, 'वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन मैं इससे संतुष्ट नहीं हूं। अब देखना होगा आगे क्या होता है।'

ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि बातचीत अभी जारी है, हालांकि उन्होंने प्रस्ताव की कमियों पर विस्तार से कुछ नहीं कहा। उन्होंने ईरान के नेतृत्व को 'बिखरा हुआ' बताते हुए कहा कि वहां सभी समझौता करना चाहते हैं, लेकिन एकमत नहीं हैं। अमेरिका और ईरान के बीच करीब तीन सप्ताह पहले हुआ संघर्ष विराम अभी तक बना हुआ है, हालांकि दोनों देशों ने एक-दूसरे पर उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। वहीं ईरान की ओर से जलडमरूमध्य पर नियंत्रण बनाए रखने से वैश्विक बाजार पर भी दबाव बना हुआ है। ट्रंप ने इस मार्ग को फिर से खोलने के लिए नई योजना का भी संकेत दिया है, जबकि इससे पहले उन्होंने ईरान के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था, जिसमें स्ट्रेट खोलने के बदले अमेरिकी नाकेबंदी हटाने की बात कही गई थी।

ईरान को किसी हालत में नहीं बनाने देंगे परमाणु बम

ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ कहा कि 'ईरान को परमाणु हथियार बनाने नहीं दिया जाएगा' और दावा किया कि अमेरिका की कार्रवाई पूरी तरह सफल रही है। ट्रंप के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान की सैन्य क्षमता को काफी हद तक कमजोर कर दिया है। ट्रंप ने ईरानी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उसने विरोध प्रदर्शनों के दौरान 42,000 निर्दोष और निहत्थे लोगों की हत्या की है। उन्होंने ईरान को 'उग्रवादी शासन' बताते हुए कहा कि उसकी अर्थव्यवस्था भी अब बुरी तरह प्रभावित हो चुकी है। इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया पर चेतावनी देते हुए कहा था कि 'तूफान आगे बढ़ रहा है, इसे कोई नहीं रोक सकता।'

पश्चिम बंगाल में मतदान के बाद भड़की हिंसा, तीन जिलों में झड़पें

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के बाद राज्य के कई हिस्सों में हिंसा भड़क गई है। पुलिस के अनुसार, मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर 24 परगना जिलों में कम से कम तीन बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं में कई राजनीतिक कार्यकर्ता घायल हुए हैं, जबकि पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। स्थिति को देखते हुए पूरे राज्य में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। चार मई तक बंगाल को छावनी में तब्दील कर दिया गया है, जहां बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय बलों की तैनाती की गई है।

सुवेंदु भी पहुंचे स्ट्रांग रूम: इस बीच भवानीपुर सीट से भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी शुक्रवार को अपने एजेंट के साथ कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल स्थित स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचे। इसी स्ट्रॉन्ग रूम में एक दिन पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी करीब 4 घंटे तक मौजूद रहीं थीं, जिससे विवाद और गहरा गया है।

15 बूथों पर दोबारा मतदान का फैसला: चुनाव आयोग ने राज्य के 15 बूथों पर पुनर्मतदान कराने का निर्णय लिया है। ये बूथ डायमंड हार्बर (4) और मगराहट पश्चिम (11) क्षेत्रों में हैं, जहां 29 अप्रैल को मतदान के दौरान हिंसा, ईवीएम से छेड़छाड़ और झड़प की शिकायतें सामने आई थीं।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची टीएमसी

मतगणना से ठीक पहले टीएमसी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने विशेष पीठ गठित की है। यह पीठ शनिवार को सुबह सुनवाई करेगी। सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मामले पर सुनवाई करेगी। यह याचिका कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ दायर की गई है, जिसमें मतगणना प्रक्रिया के दौरान केवल केंद्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के कर्मचारियों को ही काउंटिंग सुपरवाइजर और असिस्टेंट के रूप में तैनात करने के फैसले को चुनौती देने वाली टीएमसी की अपील खारिज कर दी गई थी।

तमिलनाडु: त्रिची में टीवीके के दफ्तर में आगजनी

त्रिची, जेएनएन। तमिलनाडु के त्रिची जिले में टीवीके (तमिलगा वेत्री कझगम) के एक पार्टी कार्यालय में देर रात अज्ञात बदमाशों ने आग लगा दी। यह घटना त्रिची ईस्ट क्षेत्र में हुई, जहां पार्टी चुनाव मैदान में है। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, दो युवक दोपहिया वाहन पर सवार होकर मौके पर पहुंचे, अस्थायी कार्यालय में आग लगाई और तुरंत वहां से फरार हो गए। घटना के समय कार्यालय खाली था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पार्टी ने इस घटना को राजनीतिक साजिश करार दिया है। हाल ही में जारी एग्जिट पोल में टीवीके के पक्ष में परिणाम आने की संभावना जताई गई थी, जिसके बाद यह घटना हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

टोल सिस्टम — अब बिना रुके कटेगा टोल, गाड़ियां 60 से 80 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से सीधे गुजरेंगी

एनएच-48 पर देश का पहला बैरियर-फ्री टोल प्लाजा शुरू

नई दिल्ली/सूरत, जेएनएन। देश में हाईवे नेटवर्क के तेज विस्तार के साथ टोल कलेक्शन सिस्टम भी अब आधुनिक हो गया है। इसी दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुंबई-दिल्ली नेशनल हाईवे (एनएच-48) पर देश का पहला बैरियर-फ्री टोल प्लाजा शुरू किया गया है। गुजरात के सूरत के पास चोरयासी में बना यह टोल प्लाजा मल्टी-लेन फ्री-फ्लो तकनीक पर आधारित है। इसकी खासियत यह है कि अब वाहन चालकों को टोल देने के लिए रुकना नहीं पड़ेगा गाड़ियां 60 से 80 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से सीधे गुजर सकेंगी और टोल अपने आप कट जाएगा।

वाहन के टोल पार करते ही ड्राइवर को एसएमएस या ऐप नोटिफिकेशन के जरिए भुगतान की पुष्टि मिल जाती है।

सरकार का दावा है कि देशभर में यह सिस्टम लागू होने पर हर साल करीब 1500 करोड़ रुपए के ईंधन की बचत होगी। साथ ही टोल चोरी पर रोक लगने से राजस्व में भी हजारों करोड़ की बढ़ोतरी हो सकती है।

बिना भुगतान भागना मुश्किल: कई लोगों के मन में सवाल है कि अगर फास्टैग नहीं होगा या उसमें बैलेंस नहीं होगा तो क्या होगा? इसके लिए भी सिस्टम में सख्त प्रावधान किए गए हैं।

कैमरे नंबर प्लेट से वाहन मालिक की पहचान कर लेते हैं और टोल बकाया होने पर ई-नोटिस भेजा जाता है। इसके 72 घंटे में भुगतान नहीं करने पर जुर्माना दोगुना हो सकता है। साथ ही बार-बार नियम तोड़ने पर वाहन की रजिस्ट्रेशन, फिटनेस या अन्य सेवाएं रोकी जा सकती हैं। यानी इस सिस्टम में टोल चोरी करना लगभग नामुमकिन होगा।

देशभर में होगा विस्तार: केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार, दिसंबर 2026 तक देश के 1000 से ज्यादा टोल प्लाजा को इसी बैरियर-फ्री सिस्टम में बदला जाएगा। सूरत का यह प्लाजा इस तकनीक का पायलट प्रोजेक्ट है

दिल्ली में भी इस दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। मुंडका टोल प्लाजा पर इस सिस्टम की टेस्टिंग चल रही है, जिसे जल्द ही पूरी तरह लागू किया जाएगा। इसी बीच उत्तर प्रदेश में हाल ही में शुरू हुए गंगा एक्सप्रेसवे पर पहले 15 दिनों तक टोल-फ्री रखने का फैसला किया गया है।

इस तरह काम करता है नया सिस्टम

इस टोलिंग सिस्टम में पारंपरिक बैरियर नहीं होते। इसके बजाय सड़क के ऊपर ओवरहेड गैंट्री लगाए गए हैं, जिनमें हाई-रेजोल्यूशन कैमरे, सेंसर और स्कैनिंग डिवाइस लगे होते हैं।

- ये कैमरे एनएनपीआर (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन) तकनीक से नंबर प्लेट पढ़ते हैं।
- साथ ही आरएफआईडी सेंसर फास्टैग को स्कैन करते हैं।
- इसके बाद टोल की राशि सीधे वाहन मालिक के बैंक खाते या वॉलेट से कट जाती है।
- पूरी प्रक्रिया कुद सेकंड में और पूरी तरह ऑटोमैटिक तरीके से होती है।

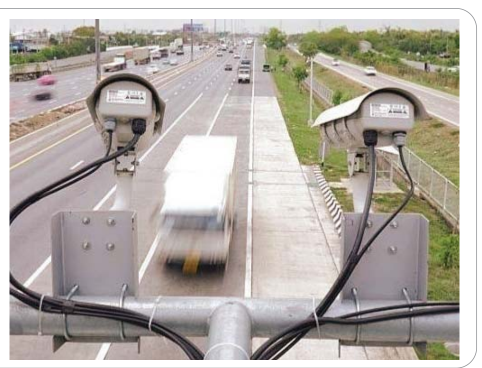

नए सिस्टम की खूबियां

- टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं
- लंबी कतारों और ट्रैफिक जाम से छुटकारा
- ईंधन और समय की बचत
- टोल कलेक्शन में पारदर्शिता
- अतिरिक्त लेन बनाने की जरूरत नहीं

सरकार के सर्कुलर हाईकोर्ट ने किए निरस्त

जूनियर को भी प्राचार्य बना सकेंगी अल्पसंख्यक संस्थाएं

जागरण, ग्वालियर। प्रवेश और फीस से लेकर फीस स्टॉफ की नियुक्ति तक के अधिकारों पर राज्य शासन का कब्जा होने से दुखी अल्प संख्यक संस्थाओं के लिए हाईकोर्ट से राहत भरी खबर आई है। ग्वालियर खंडपीठ की डबल बैंच ने अल्प संख्यक संस्थाओं के हित में बड़ा फैसला सुनाते हुए राज्य शासन के नियमों को दरकिनार कर दिया है। सरकारी सर्कुलर्स को निरस्त करते हुए अदालत ने कहा है कि प्राचार्य की नियुक्ति के लिए अल्प संख्यक पूरी तरह से स्वतंत्र हैं, वे चाहें तो किसी जूनियर टीचर को भी प्राचार्य बना सकते हैं। वरिष्ठता का नियम लगातार राज्य शासन द्वारा संस्थाओं के संवैधानिक अधिकार का हनन नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ की युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान सिंगल बैंच का आदेश पलटते हुए अल्प संख्यक संस्थाओं के पक्ष में राहत भरा फैसला सुनाया है। प्राचार्य की नियुक्ति को अल्प संख्यक संस्थाओं का पूर्ण संवैधानिक अधिकार बताते हुए अदालत ने स्पष्ट किया है कि इन संस्थानों को वरिष्ठता का नियम लागू करने के लिए राज्य शासन बाध्य नहीं कर सकती। यह टिप्पणी अदालत ने गुरुवार को विदिशा के एसएसएल जैन पीजी कॉलेज की याचिका की सुनवाई के दौरान की। सुनवाई के दौरान ■ शेष पृष्ठ 9 पर

हाईकोर्ट बोला- संस्थाओं की स्वतंत्रता में दखल नहीं दे सकता शासन

संक्षिप्त खबरें

प्रशासनिक लापरवाही से हुई बरगी दुर्घटना:सिंघार

विशेष संवाददाता, भोपाल। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि प्रशासनिक लापरवाही के चलते बरगी डैम में दुर्घटना हुई है। प्राकृतिक आपदा अपनी जगह है,लेकिन इस घटना के पीछे पूरी तरह से प्रशासनिक खामी है। सिंघार शुक्रवार को बरगी के दुर्घटना स्थल पहुंचे और उन्होंने वहां मौजूद मृतको के परिजनों व अन्य लोगों से मुलाकात की।

उन्होंने मौके पर चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की भी विस्तृत जानकारी लेकर अधिकारियों से चर्चा की। इस मौके पर सिंघार ने पत्रकारों से कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार पूरी तरह से असंवेदनशील हो चुकी है। हर बड़े हादसे के बाद केवल जांच की औपचारिकता निभाई जाती है। उन्होंने कहा कि घटना स्थल पर आंधी -तूफान मापक यंत्र का अभाव था,ऐसे में मौसम में क्रूज को अनुमति कैसे दे दी गई। साथ ही पर्यटकों को लाइफ जैकेट उपलब्ध भी नहीं कराई गई थी। इनके अलावा दूसरी कई बड़ी खामियां भी सामने देखने में आई है। सिंघार ने कहा कि इस पूरे मामले पर तत्काल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए,अन्यथा भविष्य में भी ऐसे हादसे होते रहेंगे और कोई जिम्मेदारी तय नहीं होगी। उन्होने कहा कि जनता केवल जांच नहीं,ठोस कार्रवाई चाहती है।

सत्येन्द्र भूषण बने लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को भी दो राजनीतिक नियुक्तियां कर दी।

प्रदेश भाजपा के पूर्व कार्यालय मंत्री सत्येन्द्र भूषण सिंह को मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम के संचालक मंडल का अध्यक्ष बनाया गया है। उनकी नियुक्ति दो वर्षो के लिए की गई है। इस संबंध में शुक्रवार को सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विभाग ने आदेश जारी किया है। इसी तरह श्रीमती गुड्डी आदिवासी को मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय सहरिया विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया गया है। उनका कार्यकाल तीन वर्ष का रहेगा। इस संबंध में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया। जिसमें कहा गया है कि श्रीमती गुड्डी आदिवासी को मध्यप्रदेश शासन आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति सहरिया के उत्थान, सामाजिक भागीदारी व योजनाओं, कार्यक्रमों के अभिसरण के लिये प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

दिग्विजय सिंह का जीतू पर कटाक्ष... गुरु गुड़ हो गए, चेला शक्कर

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की बैठक का राज्यसभा सांसद का वीडियो हुआ वायरल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस में एक बार फिर से वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा और उनके बीच की दूरियां होने की बात सामने आई है। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर कटाक्ष ने यह जता दिया है कि पार्टी में अब भी सबकुछ ठीक नहीं है।

दरअसल शुक्रवार को सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुआ है, जो पीसीसी में गुरुवार को कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की बैठक का बताया जा रहा है। इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा सहित दूसरे बड़े नेता मौजूद थे। बैठक में अपने संबोधन के दौरान दिग्विजय सिंह ने संगठन में नियुक्तियों और सामाजिक प्रतिनिधित्व को लेकर सवाल खड़े किए।

उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी से कहा कि संगठन में वाल्मीकी और बसोड़ समाज का प्रतिनिधित्व नहीं है, आप इन समाज के सदस्यों की नियुक्तियां कर दीजिए। केसी वेणुगोपाल (एआईसीसी संगठन महामंत्री) से तो आप जो चाहे लिखवाकर ले आओगे। जितने आप उन्हें प्रिय हैं, उतना किसी दूसरे प्रदेश का पार्टी अध्यक्ष नहीं है। आपका कहा कोई टालता है क्या? यहां राजेन्द्र पाल गौतम (राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जाति विभाग) बैठे हैं, उन्होंने आपकी बात कभी टाली है क्या। दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि एआईसीसी में जो पकड़ आपकी है, उतनी हम लोगों की नहीं है। इसलिए इन लोगों को जोड़ दो। इस पर जीतू पटवारी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि मैं आपका ही चेला हूं। इसके प्रत्युत्तर में दिग्विजय सिंह ने व्यंग्य करते हुए कहा कि मेरे चेले हो, लेकिन गुरु रह गया गुड़ और चेला बन गया शक्कर। इसके बाद बैठक में थोड़ी देर तक खामोशी छा गई और दिग्विजय सिंह भी अपनी बात समाप्त कर बैठ गए। इस वायरल वीडियो पर राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस के एक नेता ने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा कि हम भले ही दावा करते रहें कि सभी नेता एक हैं, लेकिन पार्टी के भीतर संगठनात्मक असहमति और पक्षपात की स्थिति दल को नुकसान पहुंचा रही है। दिग्विजय सिंह ने मंच से स्पष्ट रूप से सही कार्यकर्ताओं को प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाने पर सवाल खड़े कर पार्टी में सुधार की आवश्यकता की ओर इशारा किया है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी से कांग्रेस का कभी भी भला नहीं हो सकता।

कांग्रेस के बीच अंतर्द्वंद्व चल रहा हैः रामेश्वर

दिग्विजय सिंह द्वारा जीतू पटवारी पर किए गए कटाक्ष को लेकर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने चुटकी ली है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अंदर अंतर्द्वंद चल रहा है और आपसी खींचतान मची हुई है। दिग्विजय सिंह के अंदर तो दर्द है कि प्रदेश में संगठन का पद पाने वाला उनका बेटा जिला अध्यक्ष बना दिया गया। उन्होंने कहा कि जिन समाज की दिग्विजय सिंह बात कर रहे हैं, उनको समझ लेना चाहिए कि आपको अंधेरे में रख कर कांग्रेस नेता अपने बेटा बेटियों के लिए राजनीति करते हैं।

भाजपा हम पर सवाल न उठाए उनके घर खुद शीशे के हैंः शर्मा

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने विधायक रामेश्वर शर्मा के बयान पर पलटवार किया है।

उन्होंने कहा कि एससी विभाग की बैठक में जो हुआ, वह दिग्विजय सिंह और जीतू पटवारी के बीच की कैमिस्ट्री है। जयवर्धन सिंह के लिए अभी बहुत समय है। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह के बयान का मतलब यह है कि जितना पावरफुल पीसीसी चीफ को होना चाहिए, उतने जीतू पटवारी हैं। भाजपा हम पर सवाल न उठाए उनके घर खुद शीशे के हैं।

2014 के बाद की अधिग्रहित जमीनों पर मिले 4 गुना मुआवजा

विसं, भोपाल। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने राज्य सरकार से मांग की है कि 1 जनवरी 2014 के बाद अधिग्रहित की गई जमीनों के बदले किसानों को चार गुना मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सरकार ने भूअर्जन अधिनियम 2013 में प्रभावित किसानों को चार गुना मुआवजा दिए जाने का निर्णय लिया था। इस संबंध में दिग्विजय सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि कांग्रेस पार्टी पिछले 12 सालों से लगातार मांग करती आ रही है कि किसानों को जमीनों के बदले कानूनी तौर पर उचित मुआवजा मिलना चाहिए। पिछले एक दशक से अनेक सड़क और सिंचाई परियोजनाओं सहित अनेक जनहितेषी कार्यों के लिए राज्य सरकार ने किसानों की जमीनें उपयोग में ली है। केन्द्र सरकार के अधिनियम के पालन की जगह राज्य सरकार किसानों को दो गुना मुआवजा देकर उनके साथ अन्याय कर रही थी।

सीएम से मिलने पहुंचे दिग्विजय

सीएम डॉ. मोहन यादव से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में भेंट कर प्रदेश में जारी गेहूं उपार्जन के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें बताया कि अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुक हो चुके हैं, स्लॉट बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के किसानों से गेहूं उपार्जन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की सुविधा के लिए सभी संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे स्वयं भी उपार्जन प्रक्रिया पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

केंद्र सरकार आज देशभर में अलर्ट सिस्टम की करेगी टेस्टिंग

मोबाइल में तेज सायरन के बाद अचानक आए मैसेज तो घबराएं नहीं

जागरण संवाददाता, भोपाल। आज अचानक आपके मोबाइल पर सायरन की तेज आवाज के साथ अचानक ही कोई मैसेज आए तो घबराएं बिल्कुल भी नहीं, क्योंकि भारत सरकार द्वारा प्राकृतिक आपदाओं व आपातकालीन स्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम की टेस्टिंग करने की तैयारी है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और दूरसंचार विभाग मिलकर भोपाल के साथ ही देशभर में इस अलर्ट सिस्टम की टेस्टिंग करने जा रहे हैं। ऐसे में यदि मोबाइल फोन पर तेज बीप के साथ इमरजेंसी अलट का फ्लैश मैसेज आए, तो चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। यह सरकार द्वारा किए जा रहे सिस्टम टेस्टिंग का हिस्सा है। यह अलर्ट आपात स्थिति में शासकीय संदेश बिना किसी देरी के सीधे रियल-टाइम में भारतीय नागरिकों तक पहुंचाएगा। दो मई को इसी की टेस्टिंग की जा रही है। स्वदेशी रूप से विकसित सचेत पोर्टल को सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स ने तैयार किया है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर के कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल पर आधारित है।

यह खासियत है सचेत पोर्टल की : यह सिस्टम 19 से अधिक भारतीय भाषाओं में संदेश भेजने में सक्षम है। यह प्लेटफॉर्म 134 अरब से अधिक एसएमएस अलर्ट भेज चुका है। यह सिस्टम प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, सुनामी, बिजली गिरना और चक्रवात के समय पूर्व में अलर्ट जारी कर देगा। साथ ही मानव जनित खतरे, गैस रिसाव या रासायनिक दुर्घटनाओं की भी चेतावनी देगा। आपदा के समय क्या करें और क्या न करें, इसकी सटीक जानकारी और सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश भी दिए जाएंगे।

मध्यप्रदेश मंत्रालय में जल्द होगा प्रशासनिक फेरबदल

मुख्यमंत्री ने की मुख्य सचिव से चर्चा, अफसरों का बोझ होगा कम

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य सरकार मंत्रालय स्तर पर जल्द ही बड़ा प्रशासनिक फेरबदल कर सकती है। जिसे लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन के बीच मंत्रणा हो चुकी है। इस फेरबदल में बड़े विभागों को स्थाई अधिकारी मिलेंगे, तो कुछ विभागों में वर्षो से पदस्थ अधिकारियों को दूसरी जवाबदारी सौंपी जा सकती है। प्रशासनिक लॉबी से जुड़े सूत्रों की माने तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को जबलपुर के बरगी जाने के पहले मंत्रालय स्तर पर बड़े फेरबदल को लेकर मुख्य सचिव अनुराग जैन से चर्चा की है। इसमें ऐसे विभागों में स्थायी अधिकारियों की पदस्थापना करने पर विचार विमर्श किया गया है,जहां पर पदस्थ अधिकारियों के पास दो से तीन विभागों का अतिरिक्त प्रभार है। इनमें गृह विभाग भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला के पास गृह विभाग के अलावा पर्यटन,संस्कृति विभाग का भी

अतिरिक्त प्रभार है। सरकार यहां पर ऐसे अधिकारी को पदस्थ करना चाहती है,जिनके रिटायर होने में अभी एक से डेढ़ वर्ष का समय बचा है। इसी तरह सरकार उन विभागों के अधिकारियों को भी बदल सकती है,जो दो से तीन वर्ष से ज्यादा एक ही विभाग में पदस्थ है। इनमें खाद्य ,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी का नाम सामने आ रहा है। इसी तरह अलावा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण की प्रमुख सचिव सोनाली पोंक्षे वायंगणकर तकरीबन डेढ़ साल से पदस्थ है। उनके पास आयुक्त निःशक्तजन का भी अतिरिक्त प्रभार है। इनके अलावा दूसरे वरिष्ठ अधिकारी भी है,जिनके पास अपने मूल विभाग के बाद भी दो से तीन विभागों का अतिरिक्त प्रभार भी है।

आईपीएस अधिकारियों की भी सूची तैयार

बताया गया है कि सीएम ने भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के व्यापक स्तर पर तबादलों के लेकर मुख्य सचिव अनुराग जैन और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के साथ विचार विमर्श करने के उपरांत सूची पर अंतिम सहमति प्रदान कर दी है। ऐसा माना जा रहा है कि जल्द ही आईपीएस अधिकारियों के तबादलों की सूची जारी कर दी जाएगी, जिसमें विशेष पुलिस महानिदेशक, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक और उपपुलिस महानिरीक्षक के साथ-साथ कई जिलों के पुलिस कप्तान भी बदले जाएंगे। विशेष कर उन जिलों को नए पुलिस अधीक्षक मिलना तय है, जिनकी कमान डीआइजी पद पर पदोन्नत हो चुके आईपीएस अधिकारी संभाल रहे हैं।

राजनीतिक नियुक्तियों पर भी मुहर खबर है कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों को भी हरी झंडी दे दी है। इसमें मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग और बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों के नामों पर फंसा पेंच भी सुलझा लिया गया है। एक दो दिन में इन आयोगों की नियुक्तियों का काम पूरा कर दिया जाएगा।

हड़ताल करने वाले डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द

10 मई से प्रस्तावित है चिकित्सकों का आंदोलन

नगर संवाददाता, भोपाल। गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में हड़ताल को लेकर भ्रम की स्थिति बन गई है। डीन कार्यालय ने 10 मई से हड़ताल पर जाने वाले डॉक्टरों का समर वैकेशन निरस्त करने का आदेश जारी किया है, जबकि मध्यप्रदेश मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन (एमटीए) ने साफ कहा है कि फिलहाल किसी हड़ताल की घोषणा नहीं की गई है। इसी बीच करीब 130 डॉक्टर शुक्रवार से एक माह के समर वैकेशन पर जा चुके हैं। ऐसे में प्रशासन और डॉक्टरों के बीच स्थिति को लेकर असमंजस बना हुआ है। अस्पताल प्रबंधन ने सेवाएं प्रभावित न हों, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। दरअसल, गांधी मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता कार्यलय से 28 अप्रैल को जारी आदेश में कहा है कि 10 मई 2026 को प्रस्तावित हड़ताल के मद्देनजर यदि कोई डॉक्टर ड्यूटी से अनुपस्थित रहता है, तो उसका समर वैकेशन निरस्त माना जाएगा। सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। मामले में मध्यप्रदेश मेडिकल टीचर्स एसो. के अध्यक्ष डॉ. राकेश मालवीय ने प्रशासन के इस आदेश पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि 9 अप्रैल को अपर मुख्य सचिव (एसीएस) के साथ हुई बैठक में मिले आश्वासन के बाद प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित कर दिया था। फिलहाल संगठन ने किसी भी तरह की हड़ताल या आंदोलन की तारीख तय नहीं की है। आगे एसीएस के साथ होने वाली वार्ता के बाद ही प्रदेश स्तर पर निर्णय लिया जाएगा। यह आदेश भ्रामक और अनावश्यक है।

130 डॉक्टर समर वेकेशन पर

घटनाक्रम के बीच बड़ी संख्या में डॉक्टर पहले ही अवकाश पर जा चुके हैं।जानकारी के मुताबिक, करीब 130 डॉक्टर शुक्रवार से एक माह के समर वैकेशन पर हैं। ऐसे में 10 मई को संभावित स्थिति को लेकर अस्पताल प्रबंधन के सामने चुनौती और बढ़ गई है। कॉलेज प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्थिति में मरीजों की सेवाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए। विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि वे अपने स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि अस्पताल की ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं सुचारु रूप से चलती रहें।

पेंशन से रिकवरी पर अंतरिम रोक लगाई

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने गलत वेतन निर्धारण के आधार पर निकाली गई पेंशन से रिकवरी करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने आयुक्त लोक शिक्षण, पेंशन कार्यालय भोपाल और डीईओ बालाघाट को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता बालाघाट निवासी विमला चौधरी की ओर से अधिवक्ता मोहन लाल शर्मा, प्रतीक दुबे व शिवम शर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता के पति की मृत्यु के बाद 2014 में पीपीओ जारी किया गया। इसके बाद 2019 में नया पीपीओ जारी किया गया, लेकिन पुराने पीपीओ के आधार पर ही पेंशन जारी रखी गई। बाद में विभाग ने 2019 से 2026 तक की रिकवरी निकाल दी और बैंक खाता भी फ्रीज कर दिया। कोर्ट ने उक्त आदेश के साथ याचिकाकर्ता को बैंक खाता आपरेट करने की अनुमति भी प्रदान कर दी।

गेहूं खरीदी पर सरकार की पूरी नजरः सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अलावा सरकार के मंत्री व अधिकारी भी गेहूं खरीद केन्द्रों का औचक निरीक्षण करेंगे। किसानों को उनकी फसलों की पूरी कीमत मिले,इस पर सरकार की पूरी नजर रहेगी। यह बात शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गेहूँ उपार्जन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। किसानों द्वारा बड़ी संख्या में स्लॉट बुक किए हैं। अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ उपार्जन के लिए स्टॉल बुक हो चुके है। उन्होंने कहा कि यह एक सकारात्मक संदेश है। स्टॉल बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के किसानों से गेहूँ उपार्जन करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केन्द्रों पर सभी संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। डॉ. यादव ने कहा कि गेहूँ उपार्जन प्रक्रिया में व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के लिए आकस्मिक निरीक्षण लगातार चलता रहेगा और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

राज्यपाल ने की भेंट : सीएम शुक्रवार को लोक भवन पहुंचे और उन्होंने राज्यपाल मंगुभाई पटेल से सौजन्य भेंट की। राच्यपाल पटेल को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य के विकास व जनकल्याण संबंधी विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। दोनों के बीच अनौपचारिक चर्चा भी हुई। सीएम लोकभवन में गुजरात एवं महाराष्ट्र के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक समारोह में भी शामिल हुए और आकर्षक प्रस्तुतियों को सराहा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, राच्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी मौजूद थे।

इंदौर-पीथमपुर कॉरिडोर का 3 को भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रोजेक्ट को गति देने के लिए किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने जमीन देने वाले भू-स्वामियों को मिलने वाली विकसित जमीन का हिस्सा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया है। इस फैसले से किसानों का भरोसा बढ़ा है और वे प्रोजेक्ट में स्वेच्छा से जुड़ रहे हैं। इस कॉरिडोर के प्रथम चरण के लिए 3 मई को मुख्यमंत्री डॉ . यादव द्वारा भूमि पूजन किया जाएगा। भूमि-पूजन सेक्टर-ए, ग्राम नैनोद, इंदौर में किया जाएगा। प्रथम चरण की लागत 326.51 करोड़ रु. है, जिसके तहत प्रारंभिक अधोसंरचना विकास कार्य शुरू किए जाएंगे।

समाधान

म्यूनिसिपल बॉण्ड से जुटाएंगे फंड, बिजली बिल के बोझ से मुक्त होंगे नगरीय निकाय

184 शहरों के लिए 1320 करोड़ से लगेगा 220 मेगावाट का सोलर प्लांट

मुख्य संवाददाता, भोपाल। इंदौर नगर निगम द्वारा जलूद में सोलर पावर प्लांट की स्थापना के बाद अब प्रदेश के 184 नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों की आर्थिक सेहत सुधारने और बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए नई योजना तैयार की गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय और एमपी अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा जारी ताजा निर्देशों के अनुसार, इन शहरों में बिजली के भारी-भरकम बिलों से राहत पाने के लिए मध्यप्रदेश अर्बन कैप्टिव सोलर प्रोजेक्ट की शुरुआत होगी। इसके तहत 220 मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट लगाया जाएगा। इसकी बिजली का आधे से अधिक हिस्सा केवल संबंधित नगरीय निकायों को दिया जाएगा। फिलहाल मध्य प्रदेश में नगरीय निकायों की आय का लगभग 30 से 40 प्रतिशत हिस्सा केवल पेयजल और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाओं के बिजली बिल भरने में खर्च हो जाता है। भविष्य में बिजली महंगी होने और बढ़ती खपत को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

बॉण्ड जारी करेगी सरकार

इस प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड को सौंपी गई है। नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा जारी इस आदेश के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट की लागत लगभग 1320 करोड़ रुपये होगी। इस रकम को जुटाने के लिए सरकार ने एक वित्तीय मॉडल तैयार किया है, जिसके तहत 119 करोड़ रुपये की इक्विटी नगरीय निकायों को अनुदान राशि से उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं, शेष रकम का इंतजाम करने के लिए सामूहिक म्यूनिसिपल बॉण्ड आमंत्रित किए जाएंगे। परियोजना के लिए एक स्पेशल पर्पज व्हीकल का गठन भी किया जा रहा है। नियमों के मुताबिक, कैप्टिव सोलर प्रोजेक्ट का लाभ लेने के लिए निकायों की इसमें कम से कम 26 प्रतिशत हिस्सेदारी होना अनिवार्य है और उन्हें प्लांट में बनी बिजली का न्यूनतम 51 प्रतिशत हिस्सा हर साल उपयोग करना होगा। इस योजना से न केवल बिजली खर्च में भारी कटौती होगी, बल्कि ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा मिलने से पर्यावरण भी सुधरेगा।

संभागों के चुनिंदा निकायों को किया शामिल

- **भोपाल संभाग**- भोपाल नगर निगम समेत 28 नगरीय निकाय
- **चंबल संभाग**- मुरैना नगर पालिका समेत 9 नगरीय निकाय
- **ग्वालियर संभाग**- ग्वालियर नगर निगम समेत 17 नगरीय निकाय
- **इंदौर संभाग**- इंदौर, खंडवा, बुरहानपुर नगर निगम समेत 33 नगरीय निकाय
- **जबलपुर संभाग**- जबलपुर, कटनी, छिंदवाड़ा समेत 24 नगरीय निकाय
- **नर्मदापुरम**- 9 नगरीय निकाय
- **रीवा- रीवा,** सतना, सिंगरौली समेत 10 नगरीय निकाय
- सागर- सागर नगर निगम समेत 19 नगरीय निकाय
- शहडोल- 7 नगरीय निकाय
- **उज्जैन**- उज्जैन, देवास, रतलाम नगर निगम समेत 28 नगरीय निकाय

चुंगी क्षतिपूर्ति से जमा किया नगरीय निकायों का 103 करोड़ का बिजली बिल

अप्रैल के अंतिम दिन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश की तीनों बिजली वितरण कंपनियों को नगरीय निकायों के 103.06 करोड़ रुपये के बिजली बिल का भुगतान किया है। यह भुगतान अप्रैल 2026 की चुंगी क्षतिपूर्ति राशि से किया गया है। विभाग ने विंध्याचल कोषालय के माध्यम से यह राशि सीधे बिजली कंपनियों के खातों में जमा करा दी है। सबसे अधिक राशि इंदौर नगर निगम की जमा कराई गई है, जहां 26.48 करोड़ रुपये का बिजली बिल जमा हुआ है। जबकि भोपाल नगर निगम के लिए 15.55 करोड़, ग्वालियर नगर निगम के लिए 9.92 करोड़, जबलपुर नगर निगम के लिए 5.80 करोड़, सतना नगर निगम के लिए 2.30 करोड़ और सागर नगर निगम के लिए 2.25 करोड़ रुपये के बिजली बिल भरे गए हैं। सरकार ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल के खाते में 40.26 करोड़, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर को 39.13 करोड़ और पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर को 23.66 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया है।

10-12वीं की दूसरी परीक्षा सात से, अब 4 तक भर सकेंगे फार्म

जागरण, भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने हाईस्कूल और हायर सेकंडरी की परीक्षा में फेल और सप्लीमेंट्री पाने वाले परीक्षार्थियों को राहत देते हुए बड़ा फैसला लिया है। मंडल ने ऐसे परीक्षार्थियों को साल बचाने का एक और मौका देते हुए 7 मई से होने वाली दसवीं-बारहवीं की दूसरी परीक्षा का आवेदन भरने की तिथि एक बार फिर बढ़ा दी है। फेल व सप्लीमेंट्री वाले परीक्षार्थियों के अलावा अपने प्राप्तांकों से असंतुष्ट छात्र भी इस दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

माशिमं ने फिर बढ़ाई फार्म भरने की अंतिम तिथि

शैक्षणिक सत्र 2025-26 की मुख्य परीक्षा का रिजल्ट माशिमं ने 15 अप्रैल को जारी किया था। रिजल्ट के साथ ही मंडल ने द्वितीय परीक्षा की घोषणा भी की थी। इस परीक्षा के फार्म जमा करने की अंतिम तिथि पहले 22 अप्रैल थी। बाद में मंडल ने इसे बढ़ाकर 26 अप्रैल कर दिया था। मगर एक बार फिर इस तिथि को बढ़ाकर 4 मई कर दिया गया है। अभी तक दूसरी परीक्षा का फार्म भरने से चूके छात्र-छात्राएं अगले तीन दिन में एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। माशिमं के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य का कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों पर अमल करते हुए मंडल ने इस साल एक बड़ा बदलाव करते हुए पूरक परीक्षा की परंपरा को समाप्त कर दिया है। इसका फायदा मुख्य परीक्षा में फेल होने वाले परीक्षार्थियों को भी मिल सकेगा। पहले केवल सीमित विषयों में फेल छात्र ही पूरक परीक्षा दे सकते थे। मगर अब 'द्वितीय परीक्षा' के तहत सभी विषयों में फेल रहे छात्रों को सप्लीमेंट्री वालों के समान अवसर मिलेगा। इससे छात्रों को अपना साल बचाने का भी एक और मौका मिल सकेगा। साथ ही उन पर दबाव भी नहीं रहेगा। दूसरी परीक्षा सभी विषयों के लिए होगी और इसमें सभी विषयों में फेल छात्र भी शामिल हो सकेंगे। इनके अलावा पास हो चुके छात्र अपने अंक व श्रेणी सुधार की दृष्टि से भी इस परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। अच्छी बात यह है कि यदि दूसरी परीक्षा में उन्हें कम अंक मिलते हैं तो पुरानी परीक्षा के ज्यादा अंक ही उनके माने जाएंगे।

राजधानी का तापमान/मौसम

अधिकतम 39.8°c | न्यूनतम 22.8°c

राजधानी में गर्मी शबाब पर है। आज भी तापमान बढ़ने के आसार हैं।

नगर में आज

संस्कृति यात्रा
- **स्थान:** रवींद्र भवन
- **समय:** शाम 7 बजे

आर्ट कैंप
- **स्थान:** ध्रुपद संस्थान
- **समय:** सुबह 9:30 बजे से

कला प्रदर्शनी
- **स्थान:** मानव संग्रहालय
- **समय:** शाम 5 बजे

स्टेट हैंडलूम एक्सपो 2026
- **स्थान:** गौहर महल
- **समय:** दोपहर 12 बजे से

स्पेशल स्क्रीनिंग
- **स्थान:** आलियान्स फ्रांसेस, शाहपुरा
- **समय:** रात 8:00 बजे

बड़े तालाब के बोट क्लब में भी बरगी जैसी बेपरवाही

जागरण संवाददाता, भोपाल। बरगी हादसे के बाद भोपाल के बोट क्लब पर शुक्रवार को सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता नहीं दिखी। इस दौरान कई लोग नावों में मौज मस्ती करते हुए दिखे और झुककर पानी में हाथ डाल रहे थे। हालांकि इस दौरान बोट क्लब पर कोई भी सुरक्षा अधिकारी नहीं दिखा, जो लोगों को नियमों का पालन करा सके। इस दौरान कुछ लोग नावों में बिना लाइफ जैकेट के भी दिखे। ऐसे में यदि कोई पर्यटक पानी में गिरता या कोई हादसा होता तो अप्रिय स्थिति निर्मित हो सकती थी। बता दें कि तालाब या नदी में अचानक गिर जाने पर लाइफ जैकेट व्यक्ति को डूबने से बचाती है और यदि लाइफ जैकेट न पहनी हो तो कोई भी पानी में डूब सकता है। बता दें कि बोट क्लब पर बोटिंग के दौरान लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य है और बोट आपस में न टकराएं। इसके लिए कोरोना काल के बाद बोट की संख्या भी कम कर दी गई है। पर्यटकों को पैडल बोट में बैठाते समय सुरक्षा का विशेष ध्यान भी रखा जाता है।

नावों में झूमते और मस्ती करते दिखे पर्यटक

छाया: एचसी वर्मा

बोटिंग से पहले पर्यटक की जानकारी लेना अनिवार्य

भोपाल में बोटिंग से पहले सभी पर्यटकों की जानकारी लेना अनिवार्य है। बोटिंग से पहले ऑपरेटर को पर्यटक के नाम व नंबर के साथ आधार नंबर और परिजनों का मोबाइल नंबर भी लेना होता है। इसके बाद ही बोटिंग की अनुमति मिलती है, लेकिन कमाई के एवज में बोट ऑपरेटर इस नियम का पालन नहीं करते हैं, जिसके कारण आपातकाल में पर्यटकों के परिजनों से संपर्क करना मुश्किल होता है।

भोपाल में भी तेज हवाओं के चलते डूब गया था क्रूज

भोपाल में भी 22 अगस्त 2022 को तेज बारिश और तूफान के बीच तीन करोड़ रुपए लागत का लेक प्रिंसेस क्रूज पानी में डूब गया था। इसके बाद यह कई दिनों तक पानी में खराब खड़ा रहा था। बाद में हैदराबाद से आई टीम ने इसमें सुधार कार्य किया था। हालांकि झील में होने वाले प्रदूषण के कारण एनजीटी से लगी रोक के बाद क्रूज का संचालन भोपाल में बंद कर दिया गया था। जिसके बाद इसे ओंकारेश्वर के पास नर्मदा नदी में चलाया जाता है। विशेषज्ञों की मानें तो तेज हवाओं के दौरान बोट या क्रूज में सवारी करने से परहेज करना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

ओबीसी वर्ग के युवा 11 मई तक कर सकते हैं आवेदन

जागरण संवाददाता, भोपाल। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के युवाओं को सैन्य बल, पुलिस, होमगार्ड और निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती कराने के लिए शौर्य संकल्प योजना के तहत प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें ओबीसी वर्ग के पुरुष व महिला अभ्यर्थियों के लिए 45 दिवसीय निशुल्क आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान पुरुष अभ्यर्थियों को 1000 रुपए और महिला अभ्यर्थियों को 1100 रुपए प्रतिमाह शिष्यवृत्ति भी दी जाएगी। साथ ही आवास, भोजन और शिक्षण सामग्री भी निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण का आयोजन पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है। प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए आवेदक का मध्य प्रदेश का मूल निवासी होना और न्यूनतम 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। चयन प्रक्रिया 12वीं के प्राप्तांकों की मेरिट के आधार पर जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा संपन्न की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी कलेक्टर परिसर स्थित सहायक संचालक कार्यालय (बी-ब्लॉक, प्रथम तल) से आवेदन प्राप्त कर सकते हैं। भरे हुए आवेदन समस्त दस्तावेजों सहित 11 मई की शाम 6 बजे तक कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं।

सेना-पुलिस भर्ती के लिए प्रशिक्षण

रैपिडो चालक ने कर्ज से परेशान होकर लगाई फांसी

जागरण, भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र में रैपिडो चालक ने कर्ज से परेशान होकर फांसी लगा ली। युवक ने प्राइवेट फाइनेंस कंपनी समेत कई अन्य लोगों से कर्ज लिया था। जिसे नहीं चुकाने पर लेनदार परेशान कर रहे थे। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। जिसके कारण आत्महत्या के कारणों के खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस के अनुसार 45 वर्षीय उत्तम सिंह चौहान पिता सूर्य देव मूल रूप से नरसिंहगढ़ के रहने वाले थे। वह वर्तमान में 610 क्वार्टर में किराए के मकान में परिवार के साथ रहते थे और रैपिडो चालक का काम करते थे। उनके दो बेटे प्राइवेट जॉब करते हैं। उन्होंने बजाज फाइनेंस से 15 लाख रुपए का लोन लेकर नरसिंहगढ़ में मकान बनाया था। इसके बाद से परिवार की आर्थिक स्थिति खराब चल रही थी। बड़ी मुश्किल से वह किस्त चुका पाता था। बीते कई महीनों से उनकी लोन की किस्त बाउंस हो रही थी। इसके चलते वे तनाव में रहते थे। फाइनेंस कंपनी भी लगातार किस्त चुकाने का दबाव बना रही थी। जिसके चलते गुरुवार शाम को उत्तम ने फांसी लगा ली। घटना के वक्त दोनों बेटे काम पर गए थे। जबकि पत्नी डॉक्टर के पास चेकअप कराने गई थी। जब वह घर लौटी तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। पड़ोसियों की मदद से गेट तोड़ने पर पति को फंदे से लटका देखा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की हुई मौत

जागरण, भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई। घटना होशंगाबाद रोड स्थित शनि मंदिर के पास की है। पुलिस के अनुसार 27 वर्षीय सौरभ विश्वकर्मा बरखेड़ा पठानी में रहता था। वह फ्लिपकार्ट कंपनी में काम करता था। गुरुवार शाम को वह एक फंक्शन में शामिल होने गया था। जहां देर रात तक बाइक से घर लौटते समय होशंगाबाद रोड स्थित शनि मंदिर के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गए। जिसके बाद राहगीर ने सौरभ के मोबाइल से उसकी बहन को सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजन ने तुरंत उसे एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

270 कॉलोनियों और 55 कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स में लगी हैं 20 साल पुरानी लिफ्ट, पर सुरक्षा ऑडिट नहीं

लगातार हो रहे हादसे, लिफ्ट के सुरक्षा ऑडिट में नगर निगम लगातार बरत रहा कोताही

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर में बहुमंजिला इमारतों और मल्टी स्टोरी शॉपिंग व कमर्शियल कॉम्पलेक्स का चलन बढ़ता जा रहा है राजधानी में लगातार ऊंची इमारतें बन रहीं हैं, जिनमें लिफ्ट भी लगाई जा रही है, लेकिन इनका सिक्योरिटी ऑडिट नहीं हो पा रहा है। इसके कारण लिफ्ट्स की सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है। जिम्मेदारों को यह भी नहीं पता कि इमारतों में लगी लिफ्ट का अंतिम सुरक्षा ऑडिट कब किया गया था? एक अनुमान के मुताबिक शहर की 270 सोसायटी और 55 कमर्शियल कॉम्पलेक्स में लगी लिफ्ट्स दो दशक से भी पुरानी हैं और इनका नियमित मेंटेनेंस न होने से आम लोगों की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है, जबकि शहर की इमारतों में सालाना सैकड़ों लिफ्ट लगाई जा रही हैं। लेकिन सुरक्षा ऑडिट के अभाव में पुरानी लिफ्ट लगातार दुर्घटनाग्रस्त हो रही हैं। इसके बावजूद नगर निगम के सिटी प्लानर द्वारा लिफ्ट के सुरक्षा ऑडिट में लगातार कोताही की जा रही है। बता दें कि बिल्डिंग परमिशन शाखा द्वारा इमारत के निर्माण के दौरान अनुमति जारी करते समय लिफ्ट का भी ऑडिट कराया जाना चाहिए और बाद में हर 6 माह में ऑडिट कराया जाना चाहिए, लेकिन दोनों ही नियमों का पालन नहीं हो पा रहा है।

लिफ्ट के संचालन के हाल ही में हुई दुर्घटनाएं

केस 1 29 अप्रैल को जोन 2 स्थित सागर प्लाजा में एक ओवर लोड लिफ्ट तीसरी मंजिल से गिर गई। दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन लिफ्ट में सवार कई मीडिया कर्मी घायल हो गए।

केस 2 28 फरवरी को चिनार ड्रीम सिटी में 6 मंजिल से लिफ्ट गिर गई। इस दुर्घटना में एक रहवासी गंभीर रूप से घायल हो गया।

केस 3 18 जनवरी को चिनार ड्रीम सिटी में 77 वर्षीय बुजुर्ग की मौत लिफ्ट के डक्ट में फंसकर हो गई थी। उनका शव 10 दिन तक वहीं पड़ा रहा और बदबू आने पर मामले का खुलासा हुआ था।

> शासन द्वारा सभी नगरीय निकायों को विभिन्न विधान सभाओं में लिफ्ट इंजीनियर नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। भवन मालिकों को इन लिफ्ट इंजीनियर से अपने यहां की लिफ्ट का सुरक्षा ऑडिट हर 6 माह में कराना होगा। इसके अलावा 500 रुपए चार्ज लेकर विद्युत शाखा में इनका रजिस्ट्रेशन कराना भी अनिवार्य होगा।
>
> ● **आशीष श्रीवास्तव**, चीफ इंजीनियर इलेक्ट्रिकल शाखा

सिक्योरिटी ऑडिट को लेकर नगरीय निकायों को दिए गए हैं आदेश

किसी भी भवन की बिल्डिंग परमिशन के दौरान होने वाले ऑडिट में लिफ्ट का भी सिक्योरिटी ऑडिट कराया जाना चाहिए। नगर निगम के पास लिफ्ट का सिक्योरिटी ऑडिट करने हर विधानसभा में एक इंजीनियर का पद आरक्षित है, लेकिन वर्तमान में इनकी नियुक्ति नहीं हो पाई है। हालांकि लिफ्ट इंजीनियर का लाइसेंस प्राप्त करने के लिए मान्यता प्राप्त विवि से इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा होना आवश्यक है। साथ ही लिफ्ट को लगाने और मेंटेनेंस का भी पांच साल का अनुभव होना जरूरी है। इसके अलावा नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा भी निकायों को बहुमंजिला इमारतों में लिफ्ट लगाने से पहले और इनके संचालन के दौरान हर 6 माह में सुरक्षा ऑडिट कराने के निर्देश दिए गए हैं। लिफ्ट इंजीनियर के ऑडिट और निर्देशों के आधार पर ही लिफ्ट के सेफ्टी व मेंटेनेंस का कार्यकाल तय करने के निर्देश जारी किए गए हैं। लेकिन ऑडिट न होने से लिफ्ट लगातार दुर्घटनाग्रस्त हो रही हैं। साथ ही इंजीनियर की नियुक्ति के अलावा हर लिफ्ट में इमरजेंसी नंबर होना अनिवार्य है। इस नियम का भी पालन नहीं हो पा रहा है। शहर की सभी लिफ्ट का सर्वे भी होना था। वह भी लंबे समय से अटका हुआ है।

15 दिन से पेयजल के लिए परेशान हो रहे लोग सिर्फ 10 मिनट सप्लाई

जागरण संवाददाता, भोपाल। नीलबड़ स्थित वार्ड नंबर 26 की गणेश नगर कालोनी में लोग पिछले 15 दिनों से पीने के पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। रहवासियों के अनुसार 15 दिनों से पीने का पानी केवल 10 मिनट तक ही आ रहा है, जिसके कारण घरों में पानी की आपूर्ति नहीं हो पाती है। रहवासियों को पानी के लिए भटकना पड़ता है। लोग भीषण गर्मी में पानी के लिए टैंकरों के भरोसे हैं। समस्या के चलते कालोनी के 70 परिवारों के 400 से ज्यादा लोग परेशान हैं। लोगों की मानें तो कई बार पानी न मिल पाने के कारण उनकी रोजी रोटी प्रभावित हो जाती हैं, क्योंकि पानी का इंतजाम करने के कारण लोग अपने काम पर नहीं जा पाते हैं। पिछले 15 दिनों से बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक पानी का इंतजाम करने के लिए सुबह से जुट जाते हैं। इस कारण उनका काम काज प्रभावित हो जाता है।

टैंकर से हो रही पानी की सप्लाई, लगातार शिकायत के बाद भी नहीं हो रहा समस्या का समाधान

दो हफ्ते से विकराल हुई समस्या

कालोनी के आशीष शर्मा ने बताया कि पानी की समस्या दो हफ्ते से बहुत विकराल हो गई है। कालोनी में नर्मदा जल आता है। कम प्रेशर होने के कारण कई बार कम पानी मिलता है, लेकिन दो हफ्ते से पानी कम प्रेशर के साथ केवल 10 मिनट ही आ रहा है। ऐसे में जरूरत का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। जिसके चलते कालोनी के सभी लोग भटक रहे हैं। देवी सिंह ने बताया कि पानी न मिलने के कारण उनकी दिनचर्या पूरी तरह से प्रभावित हो गई है। इस कारण वे अपने काम पर देर से पहुंचते हैं। यदि कालोनी में समय पर पर्याप्त प्रेशर से पानी मिलने लगे तो उनके साथ ही कालोनी के अन्य लोगों की भी समस्या खत्म हो जाएगी।

प्लॉट बेचने के नाम पर महिला से 60 लाख ठगे

जागरण, भोपाल। खजूरी सड़क थाना क्षेत्र में जमीन की खरीद-फरोख्त के नाम पर महिला से 60 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपी रकम लेने के बाद रजिस्ट्री कराए बिना फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी और उसके साथी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आशा शर्मा पिता पुष्प प्रताप शर्मा बैरागढ़ कला इलाके में रहती हैं। वह रिटायर्ड कर्नल की पत्नी हैं। दिसंबर 2024 में वह अमलतास कॉलोनी के पास प्लॉट खरीदना चाहती थी। इसी दौरान एक प्रॉपर्टी ब्रोकर के जरिए उनकी मुलाकात राजेंद्र परमार से हुई, जो खुद को रियल एस्टेट कारोबारी बताया था। आरोपी ने महिला को करीब 5 हजार वर्गफीट के तीन प्लॉट दिखाए। जिसके बाद राजेंद्र परमार और उसके साथी से प्लॉट बेचने का सौदा तय किया था। भरोसा दिलाकर आरोपी ने अलग-अलग किश्तों में कुल 60 लाख रुपये की मोटी रकम वसूल ली। रकम लेने के बाद आरोपी ने रजिस्ट्री कराने के नाम पर बहाने बनाने शुरू कर दिए। उसने कहा कि जिस जमीन मालिक से उसका अनुबंध है, वह बाहर गया हुआ है, इसलिए रजिस्ट्री में देरी हो रही है। जब काफी समय बीतने के बाद भी न तो प्लॉट मिला और न ही रजिस्ट्री हुई, तब पीड़िता को ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि आरोपी राशि लेकर फरार हो गया। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी राजेंद्र परमार और उसके साथियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर किया है।

जालसाज और उसके साथी पर केस दर्ज, एक प्लॉट कई लोगों को बेचने का आरोप

पार्सल का झांसा देकर 1.06 लाख की ठगी

जागरण, भोपाल। एमपी नगर क्षेत्र में पार्सल डिलीवरी के नाम पर महिला से 1.06 लाख की ठगी कर ली गई। पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय दीक्षा राजपूत अरेरा कॉलोनी में रहती है। वह एमपी नगर जोन-2 स्थित श्रीराम फाइनेंस में काम करती हैं। 5 दिसंबर 25 को दोपहर तीन बजे व्हाट्सएप के जरिए कॉल आया। कॉल करने वाले ने ठग ने खुद को पार्सल डिलीवरी एजेंट बताते हुए कहा कि उनका एक पार्सल आया है। आरोपी ने महिला को क्यूआर कोड भेजा व प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर 1,150 रुपए ट्रांसफर करने को कहा। दीक्षा ने कोड स्कैन कर पैसे भेज दिए। दोबारा कॉल कर अलग कारण बताते हुए बार-बार पैसे ट्रांसफर कराए। इस दौरान करीब 10 से 12 बार में कुल 1,06,704 से अधिक की राशि निकलवा ली गई। जब बार-बार पैसे मांगे जाने लगे तो महिला को ठगी का अहसास हुआ।

चलती कार बनी आग का गोला

जागरण, भोपाल। श्यामला हिल्स में शुक्रवार शाम 6 बजे सड़क पर दौड़ रही कार अचानक आग का गोला बन गई। घटना किलोल पार्क के पास की है। आग लगते ही ड्राइवर ने तुरंत कार से कूदकर जान बचा ली। कुछ ही मिनटों में कार खाक हो गई। कार गैस से संचालित थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उसमें सीएनजी किट लगी थी या एलपीजी। इसी वजह से मौके पर मौजूद लोगों में डर का माहौल बन गया था, क्योंकि गैस सिलेंडर के ब्लास्ट होने की आशंका थी। सूचना पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी।

- ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान
- कार से करीब 20 फीट ऊंची लपटें उठीं

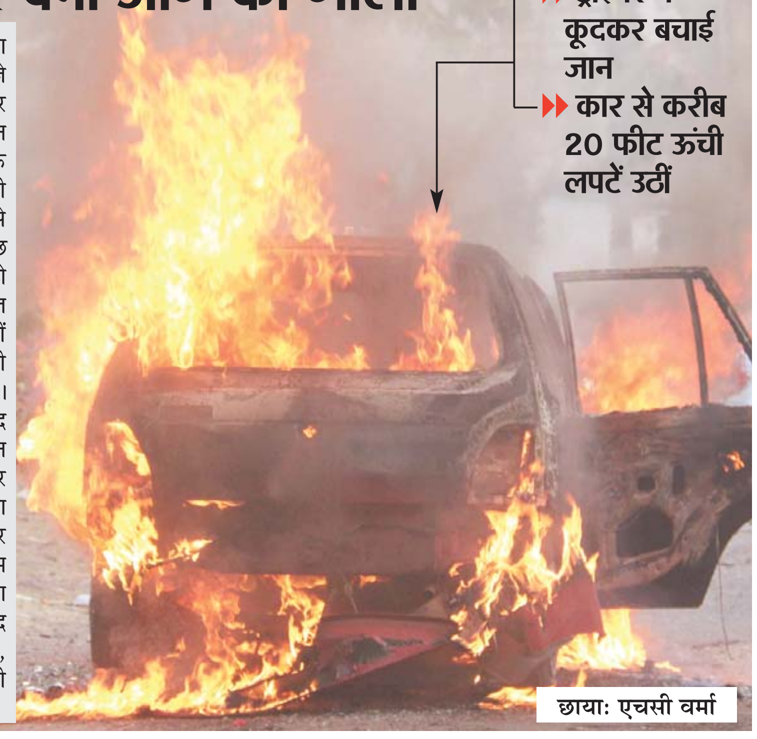

छाया: एचसी वर्मा

नीट कल — साल्वर गैंग को रोकने उठाया कदम, जीएमसी सहित सभी मेडिकल कॉलेजों ने जारी किया आदेश

दो दिन तक मेडिकल स्टूडेंट्स की छुट्टियां रद्द, रहेगी कड़ी नजर

एनटीए ने जारी किए नीट अभ्यर्थियों के लिए दिशा-निर्देश

नगर संवाददाता, भोपाल। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेस टेस्ट (नीट) 3 मई को होने जा रहा है। इसके लिए जहां सुरक्षा एजेंसियों ने तैयारी की हुई है, वहीं नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के निर्देश पर मेडिकल कॉलेजों ने अपने मेडिकल स्टूडेंट्स पर नजर रखना शुरू कर दिया है। इतना ही नहीं 2 व 3 मई को किसी भी मेडिकल स्टूडेंट्स को छुट्टी नहीं मिलेगी, यदि किसी का अवकाश स्वीकृत है तो उसे भी निरस्त कर दिया गया है। यह इसलिए किया जा रहा है ताकि मेडिकल स्टूडेंट्स किसी साल्वर गैंग के संपर्क में न आएं और न किसी दूसरे अभ्यर्थी की जगह नीट का पेपर देने पहुंच जाएं। यह व्यवस्था देश के सभी मेडिकल कॉलेजों में की गई है। इसके अलावा भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे।

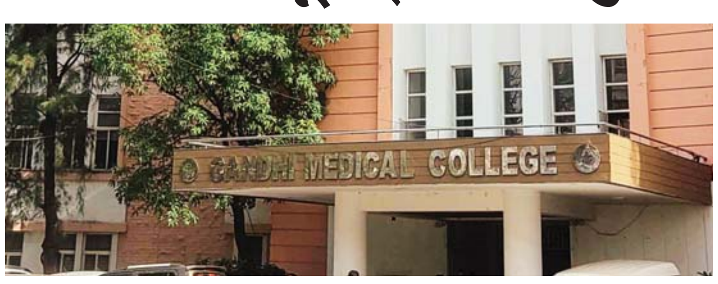

हर हाल में कॉलेज में रहना होगा

सभी मेडिकल कॉलेजों के डीन ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। आदेश सभी विभागों के अध्यक्षों को दिया गया है। आदेश में न सिर्फ छुट्टी न देने की बात कही गई है, बल्कि यह भी कहा गया है कि 2 व 3 मई को हर एचओडी इस बात की निगरानी करे कि उसका प्रत्येक स्टूडेंट्स कॉलेज में उपस्थित रहे। इन दो दिनों तक मेडिकल स्टूडेंट्स पर कड़ी नजर रखी जाएगी। इसमें यूजी व पीजी दोनों पाठ्यक्रम के स्टूडेंट्स शामिल हैं। कॉलेज प्रशासन के अनुसार, यह फैसला सिर्फ औपचारिकता नहीं बल्कि एक एहतियाती कदम है। मेडिकल छात्रों को परीक्षा के दिन छुट्टी नहीं देने से उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सकेगी और किसी भी तरह की अवैध भागीदारी को रोका जा सकेगा।

बायोमेट्रिक जरूरी नहीं

परीक्षा के तैयारियों के बीच एनटीए ने अभ्यर्थियों के लिए एक राहत दी है। जिसमें बायोमीट्रिक वेरीफिकेशन न होने की स्थिति में भी किसी भी छात्र को परीक्षा में बैठने से नहीं रोका जाएगा। ऐसी स्थिति में उनसे सिर्फ एक अंडरटेकिंग लेकर परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी जाएगी।

'मुन्ना भाई' की वजह से लिया निर्णय

एनएमसी ने यह व्यवस्था बीते वर्षों के अनुभव के आधार पर की है। 2024 व 2025 में सामने आए सॉल्वर गैंग मामलों ने व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर किया था। केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) ने जांच में पाया कि कुछ एमबीबीएस छात्र पैसे लेकर दूसरे अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा देने या प्रश्नपत्र हल करने में शामिल थे। पटना एम्स, रांची रिम्स व भरतपुर के मेडिकल कॉलेजों से जुड़े छात्रों की गिरफ्तारी ने पूरे देश में हलचल मचा दी थी। दिल्ली पुलिस ने भी एक गिरोह का भंडाफोड़ किया था, जिसमें दो एमबीबीएस छात्र प्रॉक्सी कैंडिडेट बनकर परीक्षा देते पकड़े गए थे। जांच में यह भी सामने आया कि सॉल्वर गैंग के मास्टरमाइंड्स ने मेडिकल छात्रों को हायर किया था।

नीट अभ्यर्थियों के लिये दिशा-निर्देश

- फुल स्लीव या वुलेन कपड़े बैन हैं
- किसी भी तरह के धार्मिक कपड़े जैसे कि पगड़ी, हिजाब पहनने की अनुमति है।
- ट्रांसपेरेंट बोतल लाने की अनुमति है
- पैरों में चप्पल या कम हील वाली सैंडल पहन सकते हैं, जूते पहनने की अनुमति नहीं है।

> यह निर्णय एक दम हास्यास्पद है। सुरक्षा एजेंसियां अपनी कमजोरी छिपाने के लिए मेडिकल स्टूडेंट्स पर सख्ती कर रही हैं। पूरे देश में लाखों मेडिकल स्टूडेंट्स को दो दिन का कारावास बिना किसी गलती के दिया जा रहा है।
>
> ■ **डॉ. आकाश सोनी**, नेशनल एक्जिक्यूटिव मेंबर, फाईमा इंडिया

संदिग्ध ऐप डाउनलोड करते ही खाते से उड़ गए 1.90 लाख

जागरण, भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र में संदिग्ध मोबाइल ऐप के जरिए युवक से 1.90 लाख रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 28 वर्षीय अनूप सोनी गोमती कॉलोनी में रहते है। वह निजी बैंक में होम लोन सेक्टर में काम करते हैं। 27 अप्रैल को उनके मोबाइल पर एक संदिग्ध लिंक आया, जिसे उन्होंने डाउनलोड कर लिया। इसके बाद उनके खाते से उसी दिन 75 हजार रुपए कट गए। अगले दिन दोबारा 75 हजार रुपए और कट गए। इस तरह उनके खाते से ठगों ने 1.90 लाख रुपए निकाल लिए। बाद में उन्होंने बैंक पहुंचकर खाता बंद करवाया। पीड़ित ने बताया कि उनके ओप्पो मोबाइल में एक संदिग्ध ऐप नजर आया, जिसे बाद में उन्होंने अनइंस्टॉल कर दिया। आशंका जताई जा रही है कि इसी ऐप के जरिए आरोपियों ने बैंक डिटेल हासिल कर ट्रांजेक्शन किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

टेक टिप्स

वाइब्रेशन से इलेक्ट्रिसिटी

अब कंपन से बिजली पैदा की जा सकेगी। भविष्य में यह तकनीक न केवल प्रभावी होगी, बल्कि पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित रहेगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स की दुनिया में अब पर्यावरण संरक्षण भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। इसी दिशा में एक अहम उपलब्धि हासिल करते हुए जापान के ओसाका मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने सीसा मुक्त पीजोइलेक्ट्रिक्स, पतली परतों का सफल विकास किया है, जो साधारण सिलिकॉन वेफर पर सीधे तैयार की जा सकती हैं। यह शोध भविष्य में ऐसे ऊर्जा-संग्रहण उपकरणों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है, जो न केवल प्रभावी होंगे, बल्कि पर्यावरण के लिए सुरक्षित भी होंगे।

पीजोइलेक्ट्रिक्स क्या हैं : पीजोइलेक्ट्रिक्स पदार्थ ऐसे सामग्री होते हैं, जो यांत्रिक दबाव या कंपन से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। यह तकनीक माइक्रोफोन, स्पीकर और हेडफोन जैसे उपकरणों में उपयोग हो रही है। हालांकि, अब तक के सबसे प्रभावी पीजोइलेक्ट्रिक्स पदार्थों में सीसा का उपयोग होता रहा है, जो पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ष्ट सीसा मुक्त विकल्प : इस समस्या का समाधान खोजने के लिए वैज्ञानिकों ने बिस्मथ फेराइट नामक एक सीसा मुक्त विकल्प पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इसकी उपयोगिता अब तक सीमित रही थी, क्योंकि इसमें विद्युत रिसाव अधिक होता था और ऊर्जा परिवर्तन की क्षमता अपेक्षाकृत कम थी।

तकनीक और नवाचार : शोधकर्ताओं ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए मैंगनीज डोड बिस्मथ फेराइट की अत्यंत पतली परत तैयार की, जिसे सीधे सिलिकॉन वेफर पर उगाया गया। यह कार्य आसान नहीं था, क्योंकि सिलिकॉन के साथ इस सामग्री का स्वाभाविक मेल नहीं बैठता। आमतौर पर बेहतर पीजोइलेक्ट्रिक्स प्रदर्शन के लिए दबाव (कंप्रेसिव स्ट्रेन) की आवश्यकता होती है. लेकिन सिलिकॉन वेफर ठंडा होने पर खिंचाव (टेंसाइल स्ट्रेन) उत्पन्न करता है। ष्ट फायदों को समझें: वैज्ञानिकों ने इस बाधा को अवसर में बदलते हुए टेंसाइल स्ट्रेन का उपयोग किया और एक नई संरचनात्मक अवस्था उत्पन्न करने का प्रयास किया। इस प्रक्रिया में उन्होंने 'बायएक्सियल कॉम्बिनेटोरियल स्पटरिंग' नामक एक नई तकनीक विकसित की, जिसके माध्यम से एक ही वेफर पर अलग-अलग तापमान और संरचना की स्थितियों का परीक्षण किया जा सकता है। इससे शोध की गति कई गुना बढ़ गई।

दक्षता में सुधार : इस नवाचार के परिणामस्वरूप, वैज्ञानिकों ने पाया कि एक विशेष अवस्था में यह सामग्री अपनी क्रिस्टल संरचना बदलकर अधिक प्रभावी बन जाती है। इस बदलाव ने पीजोइलेक्ट्रिक्स क्षमता को रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ा दिया। जब इस तकनीक को कंपन आधारित ऊर्जा संग्रहण उपकरणों में लागू किया गया, तो इसकी दक्षता पहले की तुलना में पांच गुना अधिक पाई गई।

सेमीकंडक्टर उद्योग को लाभ : ये उपकरण निरंतर और अचानक दोनों प्रकार के कंपन में प्रभावी ढंग से कार्य कर सकते हैं, जिससे इनका उपयोग मोटर, मशीनों और अन्य औद्योगिक उपकरणों में संभव हो सकेगा। इस तकनीक की बड़ी खासियत यह है कि इसे पूरी तरह से मौजूदा सेमीकंडक्टर निर्माण प्रक्रियाओं के साथ जोड़ा जा सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर उत्पादन आसान हो जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण भविष्य में इस तकनीक का उपयोग स्मार्ट सेंसर और स्वयं चालित उपकरणों में किया जा सकेगा। इस सामग्री का व्यापक उपयोग इलेक्ट्रॉनिक उद्योग के पर्यावरणीय प्रभाव को कम कर सकता है।

डिजिटल प्राइवेसी

एआई की नजरों से छुपाना भी जरूरी है

एआई सिस्टम से लिए डाटा किसी खजाने की तरह है और इसी पर उसका अल्गोरिदम और आउटपुट समृद्ध होता है। आज जिस तरह यूजर्स के डाटा को कलेक्ट करने की होड़ मची है, उससे नए तरह के निजता के जोखिम उत्पन्न हो गए हैं। डिजिटल स्पेस में ऐसे खतरों और बचाव के कुछ जरूरी उपायों की चर्चा कर रहे हैं ब्रह्मानंद मिश्र ..

फोटो प्रतीक

आज के दस साल पहले ज्यादातर लोग डिजिटल प्राइवेसी को आनलाइन शापिंग से जोड़कर देखते थे। उनका मानना था कि मैं क्या खरीद रहा हूं या क्या सर्च कर रहा हूं, यह कंपनियों को पता भी चल जाएगा, तो क्या फर्क पड़ता है। लेकिन बात अब डाटा कलेक्शन तक ही सीमित नहीं है, इसका विश्लेषण भी किया जाता है और इससे एआई माडल्स को प्रशिक्षित भी। अब दुरुपयोग के खतरे अधिक हैं। बीते कुछ वर्षों में टेक कंपनियों ने दिमाग में यह बात डाल दी है कि आपके डाटा फीड से एआई चैटबाट बेहतर होते जाएंगे। लेकिन असली खतरा संवेदनशील गोपनीय जानकारियों को लेकर है। उदाहरण के तौर पर, यूजर के फिटनेस डिवाइस से कलेक्ट हेल्थ रिकार्ड यूजर की सेहत की पिक्चर तो दिखा सकता है, पर क्रिमिनल्स के हाथ में पहुंचा यह डाटा न केवल यूजर के लिए, बल्कि हेल्थकेयर सिस्टम के लिए भी खतरे पैदा कर सकता है।

किस तरह के हैं खतरे हाल के वर्षों में अस्पतालों व हेल्थकेयर सिस्टम पर साइबर हमले बढ़े हैं, इसके पीछे डाटा कलेक्शन का केंद्रीकरण बड़ा कारण है। इसी तरह पर्सनलाइज्ड फिशिंग हमलों और डीपफेक में भी पर्सनल डाटा में सेंध के कारण ही वृद्धि हुई है। इसी तरह संवेदनशील जानकारियों में सेंध के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। हालांकि, माइक्रोसाफ्ट जैसी कंपनियां यह भी दावा करती हैं कि हेल्थ डाटा एन्क्रिप्टेड होता है और उसका प्रयोग एआई को ट्रेंड करने या टारगेटेड विज्ञापन दिखाने के लिए नहीं किया जाता। केवल वैध कानूनी अनुरोध पर ही प्रवर्तन एजेंसियों के साथ यह डाटा साझा किया जा सकता है। फिर भी प्राइवेसी के लिए डाटा संग्रह से लेकर एआई माडल के डिजाइन और साइबर सुरक्षा की चुनौतियों को समझ जरूरत है। कुछ बातों पर हमें गौर करना होगा, जैसे..

संवेदनशील डाटा का संग्रह : टेक्स्ट, इमेज या वीडियो के रूप में डाटा एआई सिस्टम की ट्रेनिंग के लिए प्रयोग किया जाता है। इसमें से कुछ हेल्थकेयर, मीडिया, इंटरनेट पर्सनल फाइनेंस, बायोमीट्रिक डाटा भी शामिल हो सकते हैं। आंकड़े बताते हैं कि पहले से कहीं अधिक संवेदनशील डाटा को इकट्ठा, स्टोर और ट्रांसमिट किया जा रहा है। बिना सहमति के डाटा संग्रह यूजर की बगैर सहमति या जानकारी के उसके डाटा का प्रयोग एआई के लिए किया जा रहा है। इसे लेकर विवाद भी हो चुके हैं। लिंक्डइन पर कुछ यूजर्स का आरोप था कि उनकी सहमति के बिना उनके डाटा का प्रयोग जेनरेटिव एआई माडल्स की ट्रेनिंग के लिए प्रयोग किया जा रहा था।

बिना अनुमति के डाटा प्रयोग : सबसे बड़ा खतरा है कि जिन उद्देश्यों के लिए यूजर से डाटा की अनुमति ली गई है, कहीं अन्य कार्यों में प्रयोग तो नहीं हो रहा है। रिज्यूमे से भी जानकारियां निकालकर एआई सिस्टम की ट्रेनिंग जैसे मामले सामने आ चुके हैं।

निगरानी से मुक्त : एआई का प्रयोग निगरानी डाटा विश्लेषण में भी किया जाता है। सार्वजनिक सुरक्षा कैमरों से लेकर पर्सनल कंप्यूटर के कुकीज में एआई के प्रयोग से चिंताएं बढ़ी हैं।

डाटा लीकेज : किसी दुर्घटनावश संवेदनशील डाटा लीक भी हो सकता है। कई एआई माडल इस तरह के जोखिम को लेकर इम्यून नहीं हैं। मान लें कोई फाइनेंशियल कंपनी यूजर डाटा के आधार पर अपने एआई पावर्ड एप को डेवलप कर रही हो और किसी कारणवश एप का डाटा अनजाने में किसी अन्य यूजर के साथ साझा हो गया, ऐसे में प्राइवेसी की चिंताएं बढ़ सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि हर स्तर पर अपने डाटा को लेकर अलर्ट, व्यवस्थित और सावधान हुआ जाए।

अपने डाटा को लेकर सतर्क होने की जरूरत

एआई के इस दौर में गोपनीयता को डिफाल्ट सेटिंग्स पर नहीं छोड़ा जा सकता है। इसे गंभीरता के साथ मैनेज करना होगा। आज अधिकांश घटा जोखिम हैकिंग से नहीं, बल्कि रोजमर्रा की चूक जैसे, अत्यधिक डाटा साझा करने और बिना जांचे परखे अनुमति देने जैसी आदतों से उत्पन्न होते हैं। मल्टी-फैक्टर आथेंटिकेशन एनेबल करने और नियमित एप परमिशन की समीक्षा करनी चाहिए। संस्थाओं को 'प्राइवेसी बाय डिजाइन' के सिद्धांत पर सुरक्षा, नियंत्रण और डाटा पारदर्शिता को सुनिश्चित करना चाहिए।

इन तरीकों से कम रहेगा जोखिम

गूगल, एपल या माइक्रोसाफ्ट से साइन इन से बचें : ओपनएआई या किसी अन्य एआई प्लेटफार्म पर आपको गूगल, माइक्रोसाफ्ट या एपल अकाउंट से साइन इन का आप्शन मिलता है। इससे आपकी कुछ जानकारियां साझा हो सकती हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि अपने ईमेल और नए पासवर्ड के साथ साइन अप करें। इसके लिए मजबूत और सुरक्षित पासवर्ड बनाएं। अकाउंट के प्रभावित होने पर आप आसानी से पासवर्ड बदल सकेंगे।

बिना अकाउंट करें प्रयोग : अगर आप चैटजीपीटी का प्रयोग कर रहे हैं तो कुछ बेसिक जानकारियों और प्रश्नों को अपने अकाउंट से साइन इन किए बिना भी पूछ सकते हैं। हालांकि, कई सारी सेवाएं सब्सक्रिप्शन पर ही मिलती हैं।

टेंपरेरी चैट का प्रयोग : अकाउंट के साथ साइन इन करने से चैटजीपीटी कन्वर्सेशन की हिस्ट्री को सेव करता है और उससे खुद को ट्रेंड करता है। चैटजीपीटी के विंडो के दाहिने तरफ ऊपरी जाकर टेंपरेरी चैट आइकन को आन कर सकते हैं।

माडल ट्रेनिंग को टर्न आफ करें : अपनी बातचीत पर होने वाली माडल ट्रेनिंग को रोक सकते हैं। अकाउंट नेम पर क्लिक करके सेटिंग में जाएं और डाटा कंट्रोल पर टैप करें। यहां माडल ट्रेनिंग को टर्न आफ कर दें ।

ब्राउजर डाटा को डिलीट करें : चैटजीपीटी के पेड सब्सक्रिप्शन में कुकीज स्टोरेज को रोक सकते हैं। इसके लिए सेटिंग में जाकर डाटा कंट्रोल और फिर रिमोट ब्राउजर डाटा का आप्शन चुनें। इस प्रोसेस को बंद करने के लिए, 'रिमेंबर साइट डाटा बिटवीन सेशंस' को आफ कर दें। स्टोर की गई सभी मौजूदा कुकीज को डिलीट करने के लिए 'डिलीट आल' चुनें। कन्फर्मेशन विंडो पर 'डिलीट' क्लिक करें।

ऐसा डाटा कभी साझा न करें

- **क्रिडेंशियल :** यूजरनेम, पासवर्ड सिक्योरिटी है क्वेश्चंस आदि।
- **फाइनेंशियल :** क्रेडिट कार्ड नंबर, बैंक डिटेल्स, टैक्स जानकारी।
- **पर्सनल हेल्थ :** मेडिकल रिकार्ड के बारे में न बताएं।
- **अन्य जानकारी :** प्रापर्टी कोड, मार्केटिंग प्लान आदि।

एक फ्रेम से वीडियो बनाएगा 'इमेजिन'

यूट्यूब ने अपने प्लेटफॉर्म को और मजेदार बनाने के लिए 'रीइमेजिन' नाम का नया फीचर लॉन्च किया है। यह फीचर यूजर्स को किसी भी शॉर्ट वीडियो के एक फ्रेम को 8 सेकंड के वीडियो में बदलने की सुविधा देता है। यानी अब एक साधारण सीन भी कुछ ही सेकंड में नया और मजेदार रूप ले सकता है। इस फीचर की असली ताकत एआई है। यूजर किसी भी शॉर्ट वीडियो से एक फ्रेम चुन सकता है और उसे अलग-अलग तरीकों से कस्टमाइज कर सकता है। इसमें वह अपनी फोटो या ऑब्जेक्ट जोड़ सकता है। एआई को निर्देश दे सकता है या फिर दिए गए क्रिएटिव सुझावों का इस्तेमाल कर सकता हैं। इसके बाद यह टूल खुद ही एक नया वीडियो क्लिप तैयार कर देता है, जिसमें ऑडियो भी सिंक रहता है।

क्रिएशन को और बेहतर करेगा 'एडिट्स'

मेटा का टूलकिट 'एडिट्स' सोशल मीडिया क्रिएटर्स इंस्टाग्राम, फेसबुक या किसी भी अन्य प्लेटफॉर्म पर वीडियो क्रिएशन और कस्टमाइजेशन विकल्पों की बढ़ती संख्या को और भी बेहतर बना सकता है। मेटा ने इस टूलकिट में नए अपडेट्स किए हैं, जिसका उद्देश्य एडिटिंग को बेहतर बनाना है। दरअसल यह फीचर एक नया सिनेमैटिक इफेक्ट्स बंडल है, जिसमें जूम, पैन और शटर सहित 5 नए इफेक्ट्स शामिल हैं। एडिट्स ने फोटोग्राफर एथन बार्बर के साथ साझेदारी में डिजाइन किया गया एक नया कलर फिल्टर भी जोड़ा है, जो उपयोगकर्ताओं को सिनेमैटिक शैली को अपनाने में मदद करेगा। आने वाला है।

जल्द आएगा एप्पल का फोल्डेबल आईफोन

एप्पल जल्द ही अपना पहला फोल्डेबल आईफोन लॉन्च कर सकती है। हालांकि ये डिवाइस तुरंत मार्केट में उपलब्ध नहीं होगा। संभावना जताई जा रही है कि इस फोल्डेबल फोन का नाम वी68 हो सकता है। इसमें लगभग 7.8-8 इंच का फोल्डेबल एमोलेड डिस्प्ले, 48 मेगापिक्सल रियर कैमरा, टच आईडी (साइड बटन में) और 12 जीबी रैम के साथ शक्तिशाली ए 19 चिप होने की संभावना है।

सुर, ताल और थिरकन में सजी 'संस्कृति यात्रा'

जागरण, भोपाल। रविंद्र भवन में आयोजित 'भारत संस्कृति यात्रा' का पहला दिन कला और ऊर्जा के संगम के रूप में सामने आया, जहाँ सुबह से ही मंच पर एक के बाद एक प्रस्तुतियों ने माहौल को जीवंत बनाए रखा। देशभर से आए लगभग 250 प्रतिभागियों की मौजूदगी ने आयोजन को और व्यापक स्वर दिया। शास्त्रीय गायन में श्वेता पुराणिक जोशी ने विलंबित और द्रुत ख्याल के माध्यम से रागदारी संगीत की गहराई को सधे अंदाज में प्रस्तुत किया। उनके आलाप और तानों ने दर्शकों को देर तक बांधे रखा। तबला वादन में संकेत जोशी ने तीनताल और झपताल में पेशकार, कायदा और रेला के जरिए अपनी पकड़ दिखाई, वहीं संतूर पर डॉ. चंदन मंडल की मधुर प्रस्तुति ने वातावरण को सुरम्य बना दिया। शाम 5 बजे 'युवा उत्सव' में युवा कलाकारों ने आत्मविश्वास के साथ मंच संभाला। इसके बाद मंत्री विश्वास सारंग ने दीप प्रज्वलन कर आयोजन का शुभारंभ किया।

मकानों की नंबरिंग और नजरी नक्शे का काम शुरू, फील्ड पर पहुंचे प्रगणक और पर्यवेक्षक

मोबाइल एप के माध्यम से 33 सवालों के आधार पर जुटाई जाएगी जानकारी

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिले में शुक्रवार से भारत की जनगणना-2027 का कामकाज शुरू हो गया। इस दौरान पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण और नजरी नक्शे का काम शुरू हो गया। पहले दिन नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले सभी जनगणना ब्लाकों में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों ने अपने आवंटित क्षेत्रों में पहुंचकर मकानों की नंबरिंग और नजरी नक्शे बनाने का काम शुरू कर दिया। बता दें कि इस बार की जनगणना आधुनिक तकनीक से लैस है। जनगणना ब्लाकों में तैनात प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी एकत्र कर रहे हैं और लोगों से 33 सवालों के आधार पर जानकारी जुटाई जा रही है। बता दें कि इसके पूर्व 16 से 30 अप्रैल तक स्वगणना का अभियान भी जिले में चलाया गया था, जिसमें लोगों ने स्वयं ही अपनी जानकारी ऑनलाइन देकर जनगणना में भागीदारी की थी।

इस तरह होगा जनगणना का काम

इस बार जनगणना के दौरान सभी आंकड़े पारंपरिक कागजों के बजाय मोबाइल एप के माध्यम से सीधे डिजिटल फॉर्म में दर्ज किए जा रहे हैं। प्रगणक प्रत्येक परिवार से कुल 33 निर्धारित प्रश्न पूछेंगे, जिसमें मकान की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं और परिवार के सदस्यों से संबंधित जानकारी शामिल होगी। कार्य की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए प्रगणक अपने आवंटित क्षेत्र का भौगोलिक खाका (नजरी नक्शा) भी तैयार कर रहे हैं। नगर निगम प्रशासन ने इस काम को सुगमता से संपन्न कराने के लिए आम लोगों से भागीदारी करने के लिए कहा है। अधिकारियों की मानें तो सटीक आंकड़ों के आधार पर ही भविष्य की सरकारी योजनाओं और विकास का खाका तैयार होता है।

पांच दिन में 2229 चालान काट वसूला 5.34 लाख का जुर्माना

हेलमेट न पहनने वाले 1305 लोगों पर ट्रैफिक पुलिस की चालानी कार्रवाई

जागरण, भोपाल। ट्रैफिक पुलिस ने अप्रैल के आखिरी पांच दिनों में यातायात नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर 2,229 चालान काटे गए और कुल 5.34 लाख रुपये का समन शुल्क वसूला गया। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार 26 से 30 अप्रैल 2026 के बीच की गई कार्रवाई में सबसे ज्यादा उल्लंघन हेलमेट न पहनने का सामने आया। कुल 2,229 चालानों में से 1,305 चालान ऐसे वाहन चालकों के हैं, जो दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट नहीं पहने थे। शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस ने 22 प्रमुख स्थानों पर चेकिंग पॉइंट बनाए हैं। इसके अलावा हर थाना क्षेत्र में चार-चार जगहों पर अलग से चेकिंग की जा रही है, ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जा सके। पुलिस का कहना है कि नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चालान ही नहीं, बल्कि ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन जैसी सख्त कार्रवाई भी की जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि दोपहिया वाहन चलाते समय चालक और पीछे बैठने वाला दोनों हेलमेट जरूर पहनें।

कई इलाकों में आज 6 घंटे तक कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल के विभिन्न इलाकों में आज बिजली कंपनी द्वारा लाइन मेंटेनेंस और लाइन शिफ्टिंग सहित अन्य कार्य किए जाने हैं, जिसके चलते शहर के कई इलाकों में 2 से 6 घंटे तक बिजली कटौती की जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज ओरिएंटल कॉलेज, गायत्री अस्पताल, शुभम ग्रीन, पटेल नगर डी-सेक्टर, आईबीडी कैंपस, वर्धमान, एनआरआई एचटी, ओरिएंटल स्कूल व आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति सुबह 10 से शाम 4 बजे तक और सूरज नगर, सेवनिया गोंड, घोड़ा फार्म, बरखेड़ी कला, वन निधि नर्सरी, गोरा गांव, बिशनखेड़ी और बीलखेड़ा सहित अन्य इलाकों में भी सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली कटौती की जाएगी। सुपरविजन शिफ्टिंग कार्य के चलते भैंसाखेड़ी, आकाश गार्डन, माधव आश्रम, विसर्जन घाट, मंडी बैरागढ़, सीहोर नाका, फाटक रोड, सीआरपी, नगर निगम कॉम्प्लेक्स, स्टेशन रोड, सेवा सदन, टी-वार्ड और संतजी की कुटिया सहित अन्य क्षेत्रों में सुबह 08 से दोपहर 1 बजे तक बिजली कटौती की जाएगी।

कौन्तेय ने इंदौर में खोला अपना पहला एक्सपीरियंस जोन

भोपाल। भारत की विरासत और पौराणिक कथाओं को फाइन बोन चाइना और कांसे पर उकेरने वाला लक्ज़री भारतीय टेबलवेयर ब्रांड कौंतेय ने इंदौर में अपना पहला कौन्तेय एक्सपीरियंस ज़ोन लॉन्च किया है, जो शहर में लक्ज़री की नई भाषा लेकर आया है। 2,600 वर्गफुट में फैला यह इमर्सिव स्पेस एक ऐसी यात्रा की तरह डिज़ाइन किया गया है जहाँ अतिथि भारत की कहानियों को प्लेट, कप और प्लेटर के ज़रिए महसूस कर सकते हैं – कौन्तेय का संपूर्ण कलेक्शन एक छत के नीचे सुव्यवस्थित रूप से प्रदर्शित है। जेठा वन, सिल्वर स्प्रिंग्स बिज़नेस पार्क में स्थित यह एक्सपीरियंस जोन 'स्लो लक्ज़री' की भावना पर आधारित है – एक ऐसा माहौल जहाँ होस्ट्स, कलेक्टर्स और डिज़ाइन प्रेमी कौन्तेय की सिग्नेचर कलेक्शन्स को अपने घरों की तरह अनुभव कर सकते हैं। पिछवाई ', 'ब्याह', 'ज्यामिति', 'बनारस', 'शक्ति' और 'दशरा ' जैसी कथात्मक सीरीज़ से लेकर समकालीन और ग्लोबल डिज़ाइनों तक – हर कलेक्शन को एक संपूर्ण टेबलस्केप के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो मेहमानों को अपने डाइनिंग रिचुअल्स, फेस्टिव सेटिंग्स और रोज़मर्रा के होस्टिंग स्टाइल को फिर से परिभाषित करने के लिए प्रेरित करता है।

'मां-अ हार्टबीट ऑफ एवरी होम' में 32 कलाकारों की कृतियां

कैनवास पर उतरी 'मां' की ममता

जागरण, भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के विथि संकुल में शुक्रवार को 'मां-अ हार्टबीट ऑफ एवरी होम' कला प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ हुआ। 1 से 10 मई तक चलने वाली इस प्रदर्शनी का उद्घाटन महापौर मालती राय ने दीप प्रच्वलित कर किया। इस अवसर पर डॉ. चित्रा सिंह, डॉ. सुषमा श्रीवास्तव और पद्मश्री भज्जी श्याम सहित कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। लिखन्दरा आर्ट सोसाइटी द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में 32 कलाकारों की कृतियों के माध्यम से मातृत्व के विविध आयामों को सजीव रूप दिया गया है। प्रेम, त्याग, संरक्षण और संघर्ष जैसे भाव रंगों और रेखाओं में उभरकर दर्शकों को गहराई से जोड़ते हैं। प्रदर्शनी की क्यूरेटर डॉ. अंकिता जैन ने बताया कि यह आयोजन उनके निजी अनुभवों से प्रेरित है, जो हर व्यक्ति को 'मां' के भाव से जोड़ने का प्रयास करता है। संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे ने कहा कि ऐसे आयोजन सांस्कृतिक और भावनात्मक विरासत को सशक्त बनाते हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए 'ड्रीम ड्रॉ डिस्प्ले' कला प्रदर्शनी की भी घोषणा की गई, जिसमें विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां शामिल होंगी। यह प्रदर्शनी केवल कला नहीं, बल्कि हर दर्शक के लिए 'माँ' के स्नेह को महसूस करने का एक आत्मीय अनुभव बनकर सामने आई।

दुष्यंत संग्रहालय की 'गीत पाठशाला' में सुर, संवेदना और स्मरण का संगम

जब गीत बने स्मृति, शब्दों में लौटे दिवाकर वर्मा

जागरण, भोपाल। दुष्यंत संग्रहालय में गुरुवार की शाम सिर्फ एक साहित्यिक आयोजन नहीं रही, बल्कि वह स्मृतियों, सुरों और शब्दों का ऐसा संगम बनी, जहाँ स्व. दिवाकर वर्मा अपने गीतों के जरिए मानो फिर जीवित हो उठे। निराला सृजन पीठ द्वारा आयोजित 'गीत पाठशाला' में उनकी रचनाओं को याद करते हुए वातावरण भावनाओं से सराबोर हो गया। मधुर शर्मा की स्वरबद्ध प्रस्तुति ने दिवाकर वर्मा के गीतों को नई ऊंचाई दी, वहीं डॉ. साधना बलवटे ने कहा कि दिवाकर जी ने अपने शब्दों को जिया-उनकी लेखनी में जीवन का उजास और सकारात्मकता हमेशा झलकती रही। गोष्ठी में एक के बाद एक रचनाकार मंच पर आए और अपने गीतों से जीवन के अलग-अलग रंग उकेरते चले गए। कहीं सपनों की अधूरी कसक थी, तो कहीं रिश्तों की गरमाहट और समय की सच्चाई। मयंक श्रीवास्तव से लेकर दिनेश प्रभात और ऋषि श्रृंगारी तक, हर स्वर में अपनी अलग पहचान थी। युवा कवि चित्रांश वाघमारे ने समकालीन सरोकारों को आवाज़ दी, जिससे स्पष्ट हुआ कि गीत सिर्फ परंपरा नहीं, आज भी समाज की नब्ज को छूने का माध्यम हैं। यह शाम इस बात की गवाह बनी कि सच्चा साहित्य समय से परे जाकर भी दिलों में जीवित रहता है।

संक्षिप्त खबरें

धार्मिक आयोजन में स्वदेशी अपनाने का लिया गया संकल्प

भोपाल। स्वदेशी जागरण मंच ने शुक्रवार को एक धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं से स्वदेशी उत्पाद का उपयोग करने का आग्रह किया और उपस्थितजनों को संकल्प दिलाया गया। इस मौके पर मंदिर में मां महाकाली की स्थापना की गई। चार इमली स्थित मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में माता महाकाली की स्थापना विधिवत सम्पन्न कराया गया। सुबह 8 बजे से प्रारंभ शाम 4 बजे तक माता महाकाली की स्थापना विधि-विधान से सम्पन्न हुई। इसके पश्चात भंडारा एवं प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। स्वदेशी जागरण मंच की मध्य भारत प्रांत प्रमुख सीमा भारद्वाज ने संध्या आरती के समय सभी श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देश का धन देश में ही रहे-यही सच्ची देशसेवा है। ऐसे में सभी को स्वदेशी अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. इंदिरा बर्मन, डॉ. सुकुमार बर्मन, संस्थापक श्रीमती पुष्पा थापक, पूजा सिन्हा, अंकिता बैनर्जी, श्रद्धा, राधा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एनएसई ने किया सीईआरसी मार्केट कपलिंग लागू करने का स्वागत

भोपाल। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) ने हाल ही में इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (सीईआरसी) द्वारा जारी पावर मार्केट (ड्राफ्ट सेकंड संशोधन) नियम, 2026 की अधिसूचना का स्वागत किया है, जो मार्केट कपलिंग लागू करने से संबंधित है। प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, ग्रिड इंडिया (भारत सरकार का उपक्रम) आयोग की मंजूरी से अगले 6 महीनों के भीतर पावर मार्केट कपलिंग प्रोसीजर (पीएमसीपी) तैयार करेगा, ताकि अलग-अलग पावर एक्सचेंजों में मार्केट कपलिंग को लागू किया जा सके। इस पर एनएसई ने कहा कि मार्केट कपलिंग की शुरुआत भारतीय पावर मार्केट में पारदर्शिता, कामकाज की दक्षता और एक समान कीमत तय करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। वन नेशन, वन ग्रिड, वन प्राइस के सिद्धांत के अनुसार, मार्केट कपलिंग लागू करना एक लंबे समय से इंतजार किया जा रहा सुधार है। बाजार से जुड़े लोगों का मानना है कि इससे पावर मार्केट और मजबूत होगा तथा सही तरीके से कीमत तय करने में मदद मिलेगी। मार्केट कपलिंग लागू होने के बाद, मार्केट कपलिंग ऑपरेटर (ग्रिड इंडिया) सभी तीनों स्पॉट पावर एक्सचेंजों से बोली को एक साथ इकट्ठा करेगा और एक केंद्रीकृत सिस्टम के जरिए उनका मिलान करेगा, ताकि एक ही मार्केट-क्लियरिंग प्राइस तय की जा सके। इसके बाद सभी स्पॉट एक्सचेंज अपने-अपने ट्रेड इसी एक तय कीमत के आधार पर सेटल करेंगे।

बिल्लाबोंग के 12वीं के छात्र अरिहंत ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त किए

भोपाल। बिल्लाबोंग हाई इंटरनेशनल स्कूल भोपाल के कक्षा 12वीं (ह्यूमैनिटीज) के छात्र अरिहंत चौधरी ने ड्डष्टस्श्व बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की है। अरिहंत, भोपाल की प्रतिष्ठित एड एजेंसी के संचालक विनोद चौधरी के सुपुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने अरिहंत को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और आशा व्यक्त की कि वे आगे भी इसी तरह सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे।

एलएनसीटी के विद्यार्थियों के लिए पचमढ़ी में 5 दिनी कैंप का आयोजन

भोपाल। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, भोपाल के स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन द्वारा 5 दिवसीय विशेष लीडरशिप कैंप का आयोजन 29 अप्रैल से 03 मई 2026 तक पचमढ़ी में किया जा रहा है। इस कैंप में बी.पी.ई.एस. एवं एम.पी.ई.एस. के लगभग 70 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना, टीमवर्क की भावना को सुदृढ़ करना, अनुशासन को बढ़ावा देना तथा आत्मविश्वास को मजबूत बनाना है। साथ ही, छात्रों को कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने, समस्या समाधान करने एवं समूह में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए तैयार करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है। कैंप में प्रतिभागियों के लिए विभिन्न शारीरिक, मानसिक एवं साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं, जिनमें मॉर्निंग फिजिकल ट्रेनिंग, योग एवं ध्यान, फ्लैग होस्टिंग, टेंट क्लीनलिनेस, ग्रुप टास्क, लीडरशिप गेम्स, हाइकिंग/ट्रैकिंग, कैंप फायर, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं लीडर्स मीटिंग शामिल हैं। विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। कैंप के लिए एक सुव्यवस्थित दैनिक कार्यक्रम निर्धारित किया गया है, जिसमें सुबह 6:00 बजे से रात्रि 11:00 बजे तक विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। यह कैंप विद्यार्थियों को प्रकृति के बीच सीखने और अपनी नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान कर रहा है। प्रतिभागियों को अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त हो रहा है।

मई दिवस पर श्रम कानूनों की रक्षा का संकल्प

नीलम पार्क में जुटे सैकड़ों कर्मचारी, शिकागो के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मुख्य संवाददाता, भोपाल। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर शुक्रवार को राजधानी के नीलम पार्क में प्रदर्शन और सभा का आयोजन किया गया। मई दिवस समारोह समिति के प्रवक्ता वी.के. शर्मा के अनुसार, आयोजन में एटक, सीटू, बैंक, बीमा, रेलवे, बीएसएनएल और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सहित दर्जनों श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि और कर्मचारी शामिल हुए। इस आयोजन की शुरुआत नीलम पार्क से हुई, जहां रैली निकालकर विभिन्न क्षेत्रों के कामगारों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद आयोजित सभा में वक्ताओं ने मई दिवस की 140वीं वर्षगांठ पर शिकागो के हेयमार्केट स्क्वायर के उन मजदूरों के बलिदान को याद किया, जिसकी बदौलत दुनिया भर के श्रमिकों को आठ घंटे काम करने जैसे बुनियादी अधिकार हासिल हुए हैं।

नए श्रम कानूनों पर जताई चिंता

सभा के दौरान कर्मचारी नेताओं ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित नई श्रम संहिताओं पर चिंता जताई। उनका तर्क था कि इन बदलावों से यूनियन बनाने के अधिकार खत्म हो जाएंगे और श्रमिकों का शोषण बढ़ सकता है। इसके अलावा बढ़ती बेरोजगारी को लेकर भी सरकार की नीतियों की आलोचना की गई। मजदूर दिवस के दौरान सभी ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे श्रमिकों के हितों और ट्रेड यूनियन के मूल अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेंगे। इस आयोजन में वीके शर्मा, एसएस मौर्या और प्रमोद प्रधान सहित कई संगठनों के पदाधिकारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इससे पहले शुक्रवार सुबह राजधानी भोपाल के बुधवारा में भी मजदूरों ने रैली निकाली।

मप्र कर्मचारी मंच ने किया मांगों को लेकर प्रदर्शन

भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच ने शुक्रवार को अपनी मांगों को लेकर मंत्रालय के सामने प्रदर्शन किया। इस मौके पर कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि सरकार श्रमिकों की मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। इस प्रदर्शन में मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के स्थाई कर्मी अंशकालीन कर्मचारी, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी, वन सुरक्षा श्रमिक ने अपनी 5 सूत्रीय मांगों को पूरा किए जाने की मांग की और मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा। मंच के प्रदेशाध्यक्ष आशोक पांडेय ने बताया कि कर्मचारी मंच प्रति वर्ष मजदूर दिवस के अवसर पर मजदूरों एव कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों को समर्थन में प्रदर्शन करता है।

श्रमिकों को कानूनी अधिकारों की दी गई जानकारी, शहर में दो जगह हुए आयोजन

जागरण संवाददाता, भोपाल। शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शहर में दो स्थानों पर श्रमिकों के हित में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और प्राधिकरण के अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर सैकड़ों श्रमिकों को उनके अधिकारों और शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। आयोजन के दौरान श्रम विभाग के अधिकारी, मजदूर संघ के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।

मेट्रो परियोजना के 200 श्रमिकों ने लिया हिस्सा

पहला शिविर रायसेन रोड स्थित रत्नागिरी में अफकॉन मेट्रो रेल परियोजना के परिसर में आयोजित शिविर में लगभग 200 श्रमिकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्राधिकरण के सचिव सुनीत अग्रवाल ने श्रमिकों को संबोधित करते हुए ई-श्रमिक कार्ड और संबल योजना के महत्व को समझाया। उन्होंने श्रमिकों को योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए पंजीकरण कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि किसी भी कानूनी सहायता के लिए श्रमिक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 पर 365 दिन संपर्क कर सकते हैं।

श्रमिकों को उपलब्ध कराए जाते हैं निःशुल्क वकील: न्यायालयीन प्रकरणों के लिए प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क वकील भी उपलब्ध कराए जाते हैं। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण भी किया गया। दूसरा शिविर कोलार रोड स्थित डी-मार्ट चौराहे पर आयोजित हुआ। यहां अग्रवाल ने असंगठित क्षेत्र के मजदूरों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शिविर में उपस्थित स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी श्रमिकों के आवेदन प्राप्त किए।

मक्का-मदीना की रुबात को लेकर जुबानी जंग

वीडियो वार छिड़ा

सिकंदर बोले- विधायक से मिलने के बाद वकील ने केस छोड़ा आरिफ मसूद ने पूछा- 8 साल से हाजियों को सुविधा क्यों नहीं

नगर संवाददाता, भोपाल। मक्का व मदीना की रुबात को लेकर भोपाल में जुबानी जंग तेज हो गई है। तीन दिन पहले कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल को एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में मांग की गई है कि रुबात प्रबंधन में सबा सुल्तान और सिकंदर हफीज की भूमिका संदिग्ध है। इसकी जांच होना चाहिए। इन दोनों पर सबसे पहले एफआईआर दर्ज कराई जाए। विधायक की इस मांग के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। शुक्रवार सुबह सिकंदर हफीज ने एक वीडियो जारी कर न सिर्फ अपना पक्ष रखा बल्कि उन्होंने विधायक सहित कई लोगों को बेईमान बताते हुए मानहानि का केस दायर करने की बात भी कही है।

जो मुझ पर उंगली उठा रहे हैं, उनकी पूरी जिंदगी धोखाधड़ी में गुजरी

शहर के बड़े उद्योगपति और रिलायबल ग्रुप के मालिक सिकंदर हफीज ने कहा है कि मक्का व मदीना की रुबात को लेकर वह कई साल से प्रयास कर रहे हैं। सउदी के कानून अलग हैं, इसलिए थोड़ा विलंब हो रहा है। जिस वकील को यह जिम्मा सौंपा था, वह भोपाल आए थे, मैंने उनसे शहर काजी, शहर मुफ्ती और विधायक मसूद की मुलाकात कराई थी। फिर विधायक उस वकील को लेकर अपने कॉलेज चले गए। जब विधायक हज पर गए तो वहां भी उस वकील से मुलाकात की। इसके बाद वकील ने यह केस लड़ने से मना कर दिया। सन 2011 से हम लगातार रुबातों के लिए काम कर रहे हैं। रुबातों से जुड़े कई कागज मेरे पास हैं। मुझ पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि मैं चोर हूं, रुबात को बेच दिया। यह सारी बातें निराधार हैं। सच्चाई यह है कि रुबात की आड़ में आरोप लगाने वाले सबा सुल्तान को हटाकर खुद वक्फ संपत्तियों पर काबिज होना चाहते हैं, ताकि उन्हें खुर्द बुर्द कर सकें। मैंने कभी नहीं कहा कि मैं दुबई चला जाउंगा, मेरे खानदान को 150 साल हो गए भोपाल में, मेरे व्यापार की 80 साल की लेगेसी है। जो लोग मुझ पर उंगली उठा रहे हैं, उनकी पूरी जिंदगी धोखाधड़ी में गुजरी है।

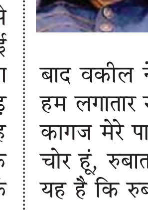

मैंने जिनकी चाय नहीं पी आज वो मुझे झूठा कह रहे हैं

सिकंदर हफीज का वीडियो आने के कुछ देर बात ही विधायक मसूद ने भी वीडियो जारी किया। इसमें वह बता रहे हैं कि रुबात का मामला सुलझाने के लिए वह 2019 से सिकंदर मियां से मिन्नतें कर रहे हैं। वे किसी से मिलने को तैयार नहीं होते थे। मैंने गुजारिश कर मुलाकात का समय लिया। फिर शहर काजी, शहर मुफ्ती और स्वर्गीय जावेद साहब को लेकर इनके घर पहुंचा। उसके बाद कई मुलाकातें हुईं। लेकिन हर बार टालमटोल जवाब मिलता रहा। एक मुलाकात ऐसी भी रही, जिसमें मैंने इनकी चाय पीने से मना कर दिया और कहा कि चाय पीने नहीं आते हम आपके पास। आप मेहरबानी कर मामला सुलझाएं। रही बात वकील से मुलाकात की, तो सिकंदर मियां ने ही उसे मेरे पास भेजा था। जब उसने फीस लेने के बाद भी मामला नहीं सुलझवाया तो मैंने उससे पूछना चाहा, यह बात आपको बुरी लगी और फिर वकील ने केस छोड़ दिया।

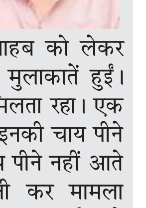

विधायक मसूद के विरुद्ध 150 करोड़ मानहानि का नोटिस

सिकंदर हफीज ने कहा सभी दस्तावेजों और सूचनाओं के साथ सुप्रीम कोर्ट के वकीलों को इस मामले से जुड़ने के लिए कह दिया है और 1 मई 2026 को विधायक आरिफ मसूद के विरुद्ध 150 करोड़ का मानहानि का नोटिस जारी किया है। सिकंदर हाफिज ने तर्क दिया कि मदीना और भोपाल से जुड़ी संपत्तियों के खिलाफ उठाए जा रहे ये आरोप राजनीतिक फायदे के लिए लगाए जा रहे हैं। उनका दावा है कि कुछ लोग संपत्ति को बेचकर या नाजायज तरीके से फायदा उठाना चाहते हैं या तीसरे पक्ष को सौंपना चाहते हैं, जबकि असली हकदारों के लिए यह नुकसानदेह है।

किराए की कार लेकर शातिर फरार

जागरण, भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र में ट्रैवल व्यवसायी से धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है, जहां किराए पर ली गई कार को लौटाने के बजाय आरोपियों ने उसका जीपीएस ट्रैकर काटकर वाहन लेकर फरार हो गए। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार मोहित मिश्रा पुरानी सिंधी कॉलोनी, शाहजहांनाबाद में रहते है। वह टूर एंड ट्रेवल्स का काम करते हैं। उन्होंने एक वर्ना कार अनुबंध पर लेकर 23 अप्रैल 26 को अपने परिचित अंकित चौहान को थाना क्षेत्र स्थित कृष्णा आर्केड के पास 2500 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से तीन दिनों के लिए किराए पर दी थी।

25 अप्रैल को जब मोहित ने कार के बारे में पूछा, तो अंकित ने बताया कि गाड़ी अनुराग कहार नाम के व्यक्ति के पास है। 26 अप्रैल को किराए की अवधि खत्म होने के बाद भी कार वापस नहीं की गई। इसी दौरान शाम को मोहित के मोबाइल पर जीपीएस ट्रैकर कटने का अलर्ट आया। जांच में सामने आया कि कार का जीपीएस ट्रैकर बरखेड़ा के ई-सेक्टर इलाके में काटा गया। जब इस बारे में अंकित से पूछताछ की गई, तो उसने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया और कहा कि अनुराग कहार गाड़ी लेकर वापस नहीं आया है।

केंद्र सरकार आज देशभर में अलर्ट सिस्टम की करेगी टेस्टिंग

मोबाइल में तेज सायरन के बाद आए मैसेज तो घबराएं नहीं

जागरण संवाददाता, भोपाल। आज अचानक आपके मोबाइल पर सायरन की तेज आवाज के साथ अचानक ही कोई मैसेज आए तो घबराएं बिल्कुल भी नहीं, क्योंकि भारत सरकार द्वारा प्राकृतिक आपदाओं व आपातकालीन स्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम की टेस्टिंग करने की तैयारी है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और दूरसंचार विभाग मिलकर भोपाल के साथ ही देशभर में इस अलर्ट सिस्टम की टेस्टिंग करने जा रहे हैं। यदि मोबाइल फोन पर तेज बीप के साथ इमरजेंसी अलट का फ्लैश मैसेज आए, तो चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। यह सरकार द्वारा किए जा रहे सिस्टम टेस्टिंग का हिस्सा है। यह अलर्ट आपात स्थिति में शासकीय संदेश बिना किसी देरी के सीधे रियल-टाइम में भारतीय नागरिकों तक पहुंचाएगा। दो मई को इसी की टेस्टिंग की जा रही है। स्वदेशी रूप से विकसित सचेत पोर्टल को सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स ने तैयार किया है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर के कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल पर आधारित है। यह सिस्टम 19 से अधिक भारतीय भाषाओं में संदेश भेजने में सक्षम है। यह प्लेटफॉर्म 134 अरब से अधिक एसएमएस अलर्ट भेज चुका है। सिस्टम प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, सुनामी, बिजली गिरना और चक्रवात के समय पूर्व में अलर्ट जारी कर देगा। मानव जनित खतरे, गैस रिसाव या रासायनिक दुर्घटनाओं की भी चेतावनी देगा। आपदा के समय क्या करें और क्या न करें, इसकी सटीक जानकारी और सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश भी दिए जाएंगे।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 : शहर में चला स्वच्छता महा अभियान, पर्यटन स्थलों के पास हुई सफाई

पार्कों और स्मारकों के आसपास की गई धुलाई, ली गई शहर को स्वच्छ रखने की शपथ

जागरण संवाददाता, भोपाल। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में शीर्ष स्थान पर लाने के साफ सफाई का महा अभियान शुरू किया गया, जिसके तहत स्वच्छता कैलेंडर का पालन करते हुए निगम प्रशासन ने शहर के सभी वार्डों में सफाई अभियान चलाया। इस दौरान न केवल पर्यटन स्थलों और स्मारकों की सफाई की गई, बल्कि नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर उन्हें सिटीजन फीडबैक देने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के तहत बड़ा तालाब, वीआईपी रोड, राजा भोज प्रतिमा, कुदसिया पार्क और सरयू पार्क जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर गहन सफाई की गई। इस दौरान पार्कों में लगी ग्रिल, जालियां, लिटरबिन और फुटपाथों की पानी से धुलाई कर उन्हें चमकाया गया।

संयंत्रों की भी की गई सफाई: अभियान के तहत जैविक खाद इकाइयों और अन्य अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्रों की भी साफ-सफाई सुनिश्चित की गई। इसके अलावा पत्रकार कॉलोनी, चौक बाजार, नादरा बस स्टैंड और विजय मार्केट में जनप्रतिनिधियों ने खुद हाथ में झाड़ू थामकर कचरा निकाला। इस दौरान निगम अमले ने नागरिकों के साथ स्वच्छता संवाद कर कचरा इकट्ठा करने का महत्व समझाया। लोगों को मोबाइल के जरिए फीडबैक देने की प्रक्रिया समझाई गई।

निगमकर्मी जलाते हैं कचरा लोगों को हो रही परेशानी

भोपाल। करोंद स्थित हाउसिंग बोर्ड कालोनी के दशहरा मैदान में रोजाना सुबह कचरा जलाने से रहवासियों को परेशानी हो रही है। लोगों के अनुसार इस संबंध में कई बार आपत्ति दर्ज कराए जाने के बाद भी निगम कर्मी नहीं मानते हैं और खुलेआम कचरा जला देते हैं। जिससे धुंआ आसपास के घरों में भर जाता है। कचरा जलने से लोगों को सांस की परेशानी भी हो रही है। रहवासियों ने बताया कि करोंद में यदि कोई होटल वाला तंदूर का उपयोग करता है, तो उस पर कार्रवाई कर दी जाती है। लेकिन यदि निगम कर्मी कचरा जलाते हैं, तो उन पर कार्रवाई नहीं की जाती है।

सफलता एम्स के चिकित्सकों ने किया जटिल बीमारी का इलाज, 65 साल की महिला को मिला दर्द से छुटकारा

रीढ़ की हड्डी तक दवा पहुंचाने पेट के नीचे किया पंप इम्प्लांट

नगर संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स भोपाल के चिकित्सकों ने एक जटिल बीमारी का इलाज कर मरीज को असहनीय दर्द से छुटकारा दिलाया है। इस बीमारी का इलाज देश के चुनिंदा अस्पतालों में ही है संभव है। अब इस सूची में एम्स भोपाल भी शामिल हो गया है। एम्स से मिली जानकारी अनुसार ललितपुर निवासी 65 वर्षीय महिला रीढ़ की हड्डी में चोट लग जाने के कारण स्पास्टिक पैराप्लेजिया नामक गंभीर समस्या से जूझ रही थी। इस स्थिति में मांसपेशियां बार-बार अनियंत्रित रूप से जकड़ जाती हैं, जिससे अत्यधिक दर्द होता है। हालत इतनी गंभीर थी कि उन्हें न दिन में आराम मिल रहा था और न ही रात में नींद। परिवार ने कई जगह इलाज कराया, दवाइयां बदलीं और खुराक बढ़ाई, लेकिन कोई खास फायदा नहीं हुआ। आखिरकार जब मरीज एम्स भोपाल पहुंचीं, तो दर्द चिकित्सा यूनिट के विशेषज्ञ डॉ. अनुज जैन के नेतृत्व में और न्यूरोसर्जरी विभाग के डॉ. सुमित राज के सहयोग से उनकी जांच की गई। डॉक्टरों ने उनके लिए इंट्राथीकल बैक्लोफेन थेरेपी नामक उन्नत उपचार का सुझाव दिया। इस तकनीक में दवा को सीधे रीढ़ की हड्डी के आसपास मौजूद तरल (सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुइड) में पहुंचाया जाता है, जिससे कम मात्रा में ही दवा असरदार तरीके से काम करती है और साइड इफेक्ट भी कम होते हैं।

पहले इंजेक्शन से किया ट्रायल

महिला का इलाज शुरू करने से पहले डॉक्टरों ने ट्रायल के तौर पर इंट्राथीकल इंजेक्शन दिया। इसका परिणाम सकारात्मक रहा। मरीज की जकड़ी हुई मांसपेशियां तुरंत ढीली पड़ गईं और उन्हें तत्काल राहत मिल गई। इसके बाद स्थायी समाधान के रूप में डॉक्टरों ने उनकी त्वचा के नीचे एक छोटा-सा प्रोग्रामेबल इंट्राथीकल ड्रग डिलीवरी पंप सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया, जो लगातार नियंत्रित मात्रा में दवा देता रहता है। इस उपचार के बाद मरीज अब पूरी तरह दर्द और मांसपेशियों की जकड़न से मुक्त हैं। उन्हें सामान्य रूप से नींद आने लगी है और उनके परिजन भी काफी राहत महसूस कर रहे हैं।

सात लाख रुपए आया खर्च

डॉ. अनुज जैन ने बताया कि यह थेरेपी उन मरीजों के लिए बेहद कारगर है, जिन्हें सामान्य दवाओं से राहत नहीं मिलती। वहीं, डॉ. सुमित राज ने इस सफलता का श्रेय टीमवर्क को देते हुए कहा कि दर्द चिकित्सा यूनिट और न्यूरोसर्जरी विभाग के समन्वित प्रयास से ही यह संभव हो पाया। निजी अस्पतालों में इस उपचार की लागत 10 लाख से अधिक होती है, जबकि एम्स भोपाल में यह सुविधा लगभग 7 लाख में उपलब्ध कराई गई।

यह होता है आईबीपी पंप

यह एक छोटा, गोल धातु का उपकरण (पंप) है जिसे पेट की त्वचा के नीचे सर्जरी के जरिए लगाया जाता है। यह पंप एक पतली ट्यूब (कैथेटर) के जरिए सीधे रीढ़ की हड्डी के तरल पदार्थ में बैक्लोफेन नामक दवा पहुंचाता है।

यह कैसे काम करता है

बैक्लोफेन एक ऐसी दवा है जो मांसपेशियों को आराम देती है। जब इसे सीधे रीढ़ की हड्डी में भेजा जाता है, तो यह बहुत कम मात्रा में भी अधिक प्रभावी होती है और इसके साइड इफेक्ट्स कम होते हैं।

इम्प्लांटेशन प्रक्रिया

प्रक्रिया आमतौर पर जनरल एनेस्थीसिया के तहत की जाती है और इसमें दो मुख्य चरण होते हैं। सबसे पहले डॉक्टर पेट के निचले हिस्से में एक चीरा लगाकर पंप के लिए एक पॉकेट बनाते हैं और वहां पंप फिट कर देते हैं। फिर पीठ की ओर एक छोटा चीरा कैथेटर को रीढ़ की हड्डी की नली में डाला जाता है और इसे त्वचा के नीचे से घुमाते हुए पेट के पास वाले पंप से जोड़ दिया जाता है।

इन बीमारियों में मददगार
सेरेब्रल पाल्सी
मल्टीपल स्क्लेरोसिस
स्पाइनल कॉर्ड इंजरी
ब्रेन इंजरी या स्ट्रोक

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

तेल बाजार में बड़े बदलाव की आहट

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने तेल निर्यात करने वाले देशों के 12 सदस्यीय समूह ओपेक से अलग होने का फैसला किया है। यह तेल उत्पादक देशों का ऐसा समूह है जिसने दशकों से तेल बाजार को प्रभावित किया है। ओपेक में तीसरे सबसे बड़े तेल उत्पादक यूएई ने 22 सदस्यीय ओपेक प्लस गठजोड़ से भी अलग होने का निर्णय लिया है। उसके इस निर्णय के लिए आर्थिक और राजनीतिक दोनों तरह की वजहों का हवाला दिया जा रहा है।

आर्थिक मोर्चे पर इससे यूएई को समय के साथ अपनी क्षमता और उत्पादन बढ़ाने का और अधिक अवसर मिलेगा। स्पष्ट रूप से ध्यान कीमत पर नहीं बल्कि मात्रा पर अधिक है। अनुमानों के अनुसार, यूएई के पास प्रतिदिन लगभग 50 लाख बैरल उत्पादन की क्षमता है, लेकिन वर्तमान ओपेक कोटा के तहत उसे केवल लगभग 34 लाख बैरल प्रतिदिन पंप करने की अनुमति दी गई, जिसे वह अनुचित मानता है।

इस प्रकार, वह वैश्विक आपूर्ति को जल्दी बढ़ा सकता है, जिससे कीमतें कम करने में मदद मिलेगी। राजनीतिक मोर्चे पर, यूएई कथित रूप से इस बात से असंतुष्ट है कि क्षेत्र के देश ईरान मामले से कैसे निपटे। हालिया युद्ध के दौरान उसे काफी अधिक हमलों का सामना करना पड़ा। अधिक तेल मात्रा से होने वाली अधिक राजस्व आय पिछले दो महीनों में हुए नुकसान की भरपाई करने में मदद करेगी।

यूएई के बाहर निकलने से ओपेक के भविष्य और वैश्विक तेल कीमतों को प्रभावित करने की उसकी क्षमता पर सवाल उठे हैं। किसी भी स्थिति में, हाल के वर्षों में वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उसका प्रभाव घटा है। इसके लिए आंशिक रूप से अमेरिका में बढ़ा हुआ तेल उत्पादन भी योगदान करता है। कई मौकों पर ओपेक सदस्यों ने अधिक तेल पंप किया ताकि कीमतें अपेक्षाकृत कम स्तर पर बनी रहें और अमेरिकी शेल तेल उत्पादन में निवेश को अव्यवहार्य बनाया जा सके। फिर भी, अमेरिका में तेल उत्पादन लगातार बढ़ता रहा है। अब यूएई के बाहर निकलने के साथ, संभव है कि कुछ अन्य ओपेक सदस्य भी निवेश और उत्पादन से संबंधित निर्णय लेने में अधिक स्वतंत्रता पाने के लिए बाहर निकलना चाहें। इससे मध्यम अवधि में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। किसी भी स्थिति में, अतीत में ऐसे उदाहरण रहे हैं जहां ओपेक सदस्य अपने दिए गए कोटे का पालन नहीं कर पाए, जिससे कीमतों को नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित हुई।

हालांकि यूएई के बाहर निकलने का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब होर्मुज स्ट्रेट में दोहरी नाकाबंदी को हटाया जाएगा। वर्तमान स्थिति में, इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध कितने समय तक जारी रहेगा, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। रिपोर्टों से पता चलता है कि ईरान द्वारा दिए गए प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को स्वीकार्य नहीं हैं। स्ट्रेट पर अमेरिकी नाकाबंदी के साथ, ट्रंप ईरान पर आर्थिक दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं, जो फिलहाल कारगर नहीं दिख रहा है। इस क्षेत्र से जब तेल आपूर्ति का दोबारा शुरू होना अल्पावधि में अनिश्चित बना हुआ है, ओपेक की कमजोरी मध्यम अवधि में स्थायी रूप से तेल की कीमतें कम करने में मदद कर सकती है।

भारत अपनी कच्चे तेल की खपत के 85 फीसदी से अधिक के लिए आयात पर निर्भर करता है, इसलिए उसे कम कीमतों से लाभ होगा। यूएई भारत के शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। दोनों देश अधिक मात्रा में तेल व्यापार के लिए दीर्घकालिक अनुबंध कर सकते हैं, जिससे अधिक स्थिरता और पूर्वानुमान सुनिश्चित होगा। यूएई की पाइपलाइन क्षमता में सुधार की भी उम्मीद है, जिससे होर्मुज स्ट्रेट से बचा जा सकेगा। हालांकि निकट अवधि में लाभ केवल तभी मिलेगा जब पश्चिम एशिया का संकट हल हो जाएगा। बहुत कुछ समाधान की शर्तों पर भी निर्भर करेगा। यदि ईरान को भी स्वतंत्र रूप से तेल बेचने की अनुमति दी जाती है, तो उपलब्धता और बढ़ेगी और आयातकों के लिए कीमतों पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा।

प्रसंगवश

अब स्थायी ऊर्जा समाधान की जरूरत

ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल में ही बिजली की अधिकतम मांग का रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचना देश के ऊर्जा तंत्र के लिए एक बड़ी संरचनात्मक चुनौती है। जरूरी है कि साल-दर-साल गंभीर होती इस समस्या का तात्कालिक नहीं, बल्कि स्थायी समाधान ढूंढा जाए। बीते हफ्ते देश में बिजली की अधिकतम मांग का 252 गीगावाट के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचना महज एक आंकड़ा नहीं, बल्कि देश के ऊर्जा तंत्र के सम्मुख खड़ी एक बड़ी संरचनात्मक चुनौती का संकेत है। दरअसल गर्मी की लहरों ने देश के विभिन्न राज्यों को जकड़ना शुरू कर दिया है। लिहाजा, घरेलू व वाणिज्यक क्षेत्रों में एयर कंडीशनर, कूलर और पंखों की होड़ से बिजली ग्रिड पर अभूतपूर्व दबाव पड़ा है। इसी का नतीजा है कि एक ही दिन के भीतर बिजली की मांग का आंकड़ा 240 से 252 गीगावाट तक पहुंच गया, जिसकी पुष्टि ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया की रिपोर्ट से भी होती है।

यहां चिंता सिर्फ इस बात की नहीं है कि मांग बढ़ रही है, बल्कि इसकी भी है कि मांग का यह उछाल अनुमान से पहले और अधिक तीव्रता के साथ सामने आ रहा है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष अप्रैल में बिजली की अधिकतम मांग 235 गीगावाट पर और जून में यह वर्ष के उच्चतम स्तर यानी 242.8 गीगावाट पर पहुंची थी। लेकिन, इस बार गर्मी ने समय से पहले दस्तक दी है और इसके साथ ही देश की बिजली व्यवस्था की वास्तविक परीक्षा भी शुरू हो गई है। हालांकि वर्तमान ऊर्जा संकट केवल गर्मी का ही नहीं, बल्कि बढ़ती शहरी आबादी, बदलती जीवनशैली और दशकों पुरानी बिजली वितरण प्रणाली का मिला-जुला नतीजा है। मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ने के साथ ही एयर कंडीशनर अब विलासिता नहीं, बल्कि एक सामान्य जरूरत बन चुके हैं। जब करोड़ों उपकरण एक साथ चलते हैं, तब ग्रिड पर दबाव स्वाभाविक ही इतना बढ़ जाता है कि ट्रिपिंग की घटनाएं आम होने लगती हैं। यहीं से ऊर्जा संकट का सामाजिक पहलू उभरता है।

संपन्न वर्ग तो एसी, फ्रिज, कूलर, इन्वर्टर के सहारे गर्मी से निपट लेता है, लेकिन झुग्गियों में रहने वाले दिहाड़ी मजदूर, किसान और दस मिनट में घर पर सामान पहुंचाने वाले युवक बगैर किसी राहत के इस तपिश को झेलने को मजबूर हैं। हैरानी तो यह है कि हर वर्ष यह संकट आने पर भी नीति-नियंता तदर्थ मोड में ही अधिक दिखते हैं, जबकि जरूरत है एक दीर्घकालिक नीति की। ग्रिडों के आधुनिकीकरण के लिए ठोस निवेश की भी जरूरत है। प्रधानमंत्री रूफटॉप सोलर योजना के तहत अब तक करीब दस लाख घरों में सोलर ऊर्जा पैनल लगाए गए हैं, जिसमें और तेजी लाने की जरूरत है, क्योंकि अगर हर घर अपनी जरूरत की 30-40 फीसदी बिजली खुद पैदा करे, तो राष्ट्रीय ग्रिड पर दबाव कम हो सकता है। राष्ट्रीय ऊर्जा ढांचे को वर्तमान व भविष्य की जरूरतों के आधार पर ढाला जाए, तो यह बिजली के बहुआयामी संकट के स्थायी समाधान की दिशा में अहम कदम होगा।

एग्जिट पोल

ये आंकड़े निष्पक्ष विश्लेषण हैं, या राजनीतिक नैरेटिव गढ़ने का एक माध्यम

क्या मतदाता की चुप्पी को कोई पढ़ पाएगा?

विनोद पाठक

पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुद्दुचेरी के एग्जिट पोल्स सामने आते ही भारतीय राजनीति में एक बार फिर वही पुराना द्वंद्व उभर आया है, क्या ये आंकड़े सच के करीब हैं या फिर यह केवल एक अनुमानित राजनीतिक कथा है? इस बार का चुनाव इसलिए भी खास है, क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की साख, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का शासन मॉडल और राहुल गांधी की राजनीतिक दिशा, सभी एक साथ कसौटी पर हैं।

पश्चिम बंगाल में एग्जिट पोल्स का गणित जितना रोचक है, उतना ही उलझा हुआ भी। इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया तृणमूल कांग्रेस को लगभग 158 से 170 सीटें देता दिख रहा है, जबकि भाजपा को 110 से 120 के बीच रखा गया है। वहीं एबीपी सी वोटर का अनुमान भी लगभग इसी के आसपास है, जहां तृणमूल 152 से 164 और भाजपा 109 से 121 के बीच बताई गई है। इसके उलट रिपब्लिक-सीएनएक्स का सर्वे भाजपा को 138 से 148 सीटों के साथ आगे दिखाता है और तृणमूल को 128 से 138 के बीच रखता है। इतने भिन्न आंकड़े एक ही राज्य के लिए क्या यह बताता है कि जमीन पर मुकाबला वास्तव में बेहद करीबी है या यह कि एग्जिट पोल्स अभी भी बंगाल की जटिल राजनीति को ठीक से समझ नहीं पा रहे?

तमिलनाडु में तस्वीर अपेक्षाकृत साफ नजर आती है, जहां लगभग सभी एजेंसियां एमके स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक गठबंधन की वापसी की ओर इशारा कर रही हैं। इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया द्रमुक+ को 175 से 190 सीटों तक ले जाता दिख रहा है, जबकि अन्नाद्रमुक+ को 40 से 55 के बीच सीमित करता है। न्यूज 18-आईपीएसओएस भी लगभग इसी रेंज में द्रमुक+ को 160 से 180 और विपक्ष को 50 से 70 सीटों के बीच रखता है, लेकिन क्या यह स्पष्ट बढ़त वास्तव में जनसमर्थन का प्रतिबिंब है या फिर विपक्ष की कमजोर चुनौती का परिणाम?

असम में एग्जिट पोल्स भाजपा के पक्ष में झुकते नजर आते हैं। इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया एनडीए को 75 से 85 सीटों तक पहुंचाता है, जबकि कांग्रेस-नीत गठबंधन को 40 से 50 के बीच रखता है। रिपब्लिक-सीएनएक्स का अनुमान भी लगभग इसी दिशा में है, जहां एनडीए को 74 से 84 सीटें और कांग्रेस को 45 से 55 सीटों के बीच दिखाया गया है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की रणनीति यहां असरदार दिखती है, लेकिन क्या यह बढ़त वाकई इतनी ठोस है कि नतीजों में भी वैसी ही दिखाई दे?

केरल में एग्जिट पोल्स एक दिलचस्प तस्वीर पेश करते हैं, जहां मुकाबला बेहद करीबी बताया जा रहा है, लेकिन झुकाव कांग्रेस-नीत यूडीएफ की ओर है। एबीपी-सी वोटर यूडीएफ को 70 से 80 सीटों के बीच और एलडीएफ को 60 से 70 के बीच रखता है, जबकि इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया भी यूडीएफ को 68 से 75 और एलडीएफ को 65 से 72 के बीच दिखाता है। राहुल गांधी की सक्रियता के बीच यह सवाल उठता है, क्या केरल अपनी पारंपरिक सत्ता परिवर्तन की राजनीति पर लौट रहा है या यह केवल एक अनुमान है जो नतीजों में बदल भी सकता है और नहीं भी?

पुद्दुचेरी में एग्जिट पोल्स किसी एक पक्ष को स्पष्ट बहुमत नहीं देते। रिपब्लिक-सीएनएक्स एनडीए को 16 से 20 सीटों तक और कांग्रेस गठबंधन को 10 से 14 के बीच दिखाता है, जबकि सी वोटर का अनुमान एनडीए को 14 से 18 और कांग्रेस+ को 12 से 16 सीटों के बीच रखता है। यहां सवाल यह है कि क्या छोटे राज्यों में एग्जिट पोल्स की अनिश्चितता और बढ़ जाती है, जहां स्थानीय समीकरण ज्यादा निर्णायक होते हैं?

एग्जिट पोल्स का इतिहास खुद इनके प्रति सावधानी बरतने की सलाह देता है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में एक्सिस मार इंडिया जैसी एजेंसियों ने एनडीए की जीत का काफी हद तक सही अनुमान लगाया था, लेकिन 2021 के पश्चिम बंगाल चुनाव में लगभग सभी एजेंसियां तृणमूल कांग्रेस की वास्तविक बढ़त को पकड़ने में विफल रहीं तो क्या यह मान लिया जाए कि जब स्पष्ट लहर होती है, तब एग्जिट पोल्स सही साबित होते हैं, और जब मुकाबला जटिल होता है तब ये चूक जाते हैं?

इन आंकड़ों के बीच कुछ असहज सवाल भी उभरते हैं, क्या एग्जिट पोल्स वास्तव में मतदाता की चुप्पी को पढ़ पाते हैं? क्या ग्रामीण भारत की आवाज इनमें पूरी तरह शामिल होती है? क्या ये आंकड़े निष्पक्ष विश्लेषण हैं, या राजनीतिक नैरेटिव गढ़ने का एक माध्यम बन चुके हैं? इन पांच राज्यों के एग्जिट पोल्स एक अधूरी कहानी ही कहते हैं। वे संकेत देते हैं, लेकिन निर्णय नहीं सुनाते। भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि वह हर अनुमान को चुनौती देता है। अंतिम सच वही होता है, जो मतगणना के दिन सामने आता है और अक्सर वही सच सबसे ज्यादा चौंकाने वाला होता है।

आपकी प्रापर्टी

पार्टनरशिप व जमीन पर कानूनी जंग

● अमित कुमार ●

> भारत में प्रॉपर्टी को-ओनरशिप कानूनी मुश्किलों से भरी है। हिस्सा बेचने की आजादी तो है, लेकिन कब्जे, लोन और पुनर्विकास के लिए सभी मालिकों की सहमति जरूरी होती है

प्रॉपर्टी खरीदना हमेशा से लोगों के लिए एक बड़ा सपना रहा है, और इस सपने को पूरा करने के लिए अक्सर लोग मिलकर यानी 'को-ओनरशिप' में निवेश करते हैं। कागजों पर तो यह व्यवस्था बहुत आसान और फायदेमंद दिखती है, लेकिन हकीकत में यह कई बार आपसी कड़वाहट, कानूनी विवादों और आर्थिक नुकसान की वजह बन जाती है। भारतीय कानून में को-ओनरशिप को लेकर अधिकार तो स्पष्ट हैं, लेकिन उन अधिकारों को व्यवहार में लागू करना उतना ही पेचीदा है।

कब्जे पर असमंजस

भारतीय संपत्ति कानून के मुताबिक, अगर आप किसी प्रॉपर्टी में को-ओनर हैं, तो आप अपना हिस्सा किसी दूसरे को बेचने या ट्रांसफर करने के लिए स्वतंत्र हैं। इसके लिए आपको दूसरे हिस्सेदारों से इजाजत लेने की कानूनी जरूरत नहीं होती। लेकिन यहीं से असली समस्या शुरू होती है। गांधी लॉ एसोसिएट्स के पार्टनर राहील पटेल के मुताबिक, जब आप अपना हिस्सा बेचते हैं, तो आप प्रॉपर्टी का कोई खास कोना या कमरा नहीं बेच रहे होते, बल्कि पूरी संपत्ति में अपना एक 'अविभाजित हिस्सा' बेचते हैं।

इसका मतलब यह हुआ कि खरीदने वाला व्यक्ति आपकी कानूनी जगह तो ले लेता है, लेकिन प्रॉपर्टी अभी भी ज्वाइंट ही रहती है। इस पर स्पष्टता की कमी होने के कारण ऐसी डील्स बाजार में बहुत बेहतर नहीं मानी जातीं। नया खरीदार प्रॉपर्टी के किसी खास हिस्से पर अपना दावा नहीं कर सकता। इस तरह के सौदे अक्सर विवाद और मुकदमों तक पहुंच जाते हैं, क्योंकि कोई एक खरीदार बाकी मालिकों को प्रॉपर्टी से बाहर नहीं कर सकता, और इसी वजह से कई बार 'डेडलॉक' यानी गतिरोध की स्थिति बन जाती है। वहीं, बैंक भी ऐसे मामलों में काफी सख्त रहते हैं और इस तरह के हिस्सों पर लोन देने से बचते हैं।

इस्तेमाल का हक पर दखलंदाजी की मनाही

को-ओनरशिप का सबसे बुनियादी नियम यह है कि हर मालिक का पूरी प्रॉपर्टी पर बराबर हक होता है। जब तक प्रॉपर्टी का कानूनी तौर पर बंटवारा नहीं हो जाता, तब तक कोई भी एक मालिक दूसरे को किसी हिस्से का इस्तेमाल करने से नहीं रोक सकता। कुणाल शर्मा के मुताबिक, किसी भी हिस्सेदार को प्रॉपर्टी से बाहर करना या उसे जबरन रोकना कानून के खिलाफ है। अगर कोई को-ओनर दूसरे को प्रॉपर्टी में घुसने से रोकता है, तो इसे कानूनन गलत माना जाता है और इसके खिलाफ सिविल केस या 'ट्रेसपास' (अनाधिकार प्रवेश) का दावा किया जा सकता है। लेकिन जमीन पर हालात इतने आसान नहीं होते।राहील पटेल कहते हैं कि अगर एक मालिक ने प्रॉपर्टी पर कब्जा कर रखा है, तो दूसरे मालिक को अपना हक पाने के लिए अक्सर कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ते हैं। यही वजह है कि कागजों में मिले हक और उसे असल में हासिल करने के बीच का गैप ही ज्यादातर विवादों की जड़ बनता है।

बंटवारा या मुआवजा ही रास्ता?

जब को-ओनर्स के बीच आपसी सहमति खत्म हो जाती है, तो कानून 'पार्टीशन सूट' यानी बंटवारे के मुकदमे का रास्ता देता है। बंटवारा कानून, 1893 के तहत कोर्ट प्रॉपर्टी को फिजिकली बांटने का आदेश दे सकता है। लेकिन अगर प्रॉपर्टी ऐसी हो जिसे बांटना मुमकिन न हो, जैसे छोटा फ्लैट, तो कोर्ट उसे बेचने का आदेश भी दे सकता है।एडवोकेट दिव्या अलेक्जेंडर (डी.एम. हरीश एंड कंपनी) के मुताबिक, जब बंटवारा संभव नहीं होता, तो कोर्ट प्रॉपर्टी बेचकर मिलने वाले पैसे को सभी हिस्सेदारों में बांट देता है, जिसे एक तरह का 'क्लीन एग्जिट' माना जाता है। इसके अलावा, अगर कोई एक हिस्सेदार पूरी प्रॉपर्टी पर कब्जा करके बैठा है या उससे किराया कमा रहा है और बाकी लोगों को उनका हिस्सा नहीं दे रहा, तो दूसरे हिस्सेदार 'मेस्ने प्रॉफिट्स' यानी मुआवजे की मांग भी कर सकते हैं।

जरूरी है सबकी रजामंदी?

आप अपने हिस्से को बेचने के लिए भले ही आजाद हों, लेकिन प्रॉपर्टी से जुड़े बड़े फैसले आप अकेले नहीं ले सकते। राहील पटेल के मुताबिक, अगर पूरी प्रॉपर्टी को लीज पर देना हो, उसे गिरवी रखकर लोन लेना हो या उसका रिडेवलपमेंट कराना हो, तो सभी को-ओनर्स की लिखित सहमति जरूरी होती है। बिना सबकी मंजूरी के लिया गया ऐसा कोई भी फैसला कानूनन गलत माना जा सकता है। कुणाल शर्मा के मुताबिक, बैंक और वित्तीय संस्थान भी सभी मालिकों के हस्ताक्षर के बिना लोन की फाइल आगे नहीं बढ़ाते। एक और व्यावहारिक परेशानी सामने आती है कि अगर प्रॉपर्टी किसी हाउसिंग सोसाइटी का हिस्सा है, तो वहां के नियमों के साथ-साथ अन्य सदस्यों की औपचारिक मंजूरी भी लेनी पड़ सकती है, जिससे पूरी प्रक्रिया और ज्यादा जटिल हो जाती है। आखिर में, एक्सपर्ट्स यही सलाह देते हैं कि को-ओनरशिप से जुड़े विवादों से बचने का सबसे सीधा तरीका है या तो प्रॉपर्टी का कानूनी बंटवारा करवा लिया जाए, या फिर अपना हिस्सा लेकर उससे बाहर निकल जाना।

ऑटो अपडेट

बीवाईडी की नई हाइब्रिड एसयूवी की तैयारी

चीनी इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बीवाईडी ने अपनी हाइब्रिड एसयूवी बीवाईडी लेपर्ड 8 का भारत में डिजाइन पेटेंट फाइल किया है। यह कदम इस बात का संकेत माना जा रहा है कि कंपनी भविष्य में इस मॉडल को भारतीय बाजार में लॉन्च कर सकती है।

> चीन की प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी बीवाईडी ने भारत में अपनी लेपार्ड 8 प्लग-इन हाइब्रिड एसयूवी के लिए एक डिजाइन पेटेंट फाइल किया है। जिससे यह संकेत मिलता है कि यह मॉडल जल्द ही लॉन्च हो सकता है।

डिजाइन और साइज : लेपर्ड 8 का डिजाइन मजबूत और बॉक्सी लुक के साथ आता है, जो प्रीमियम ऑफ-रोड एसयूवी जैसा दिखाई देता है। इसके डायमेंशन्स भी बड़े एसयूवी सेगमेंट के करीब हैं,

फ्रंट में एलईडी हेडलाइट्स, बड़ी ग्रिल और मजबूत स्किड प्लेट दी गई है, जबकि रूफ पर एडवांस सेंसर सिस्टम भी मौजूद है। एसयूवी के साइड प्रोफाइल में बड़े व्हील आर्च, अलॉय व्हील्स और फ्लश डोर हैंडल दिए गए हैं। रियर में स्पेयर व्हील माउंटेड टेलगेट, टेललाइट्स और मजबूत बंपर इसे ऑफ-रोडिंग के लिए तैयार दिखाते हैं।

प्रीमियम केबिन : कार का इंटीरियर काफी एडवांस और प्रीमियम डिजाइन के साथ आता है। इसमें ट्रिपल स्क्रीन सेटअप, बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और डिजिटल डिस्प्ले शामिल हैं। इसके अलावा, वायरलेस चार्जिंग, एंबियंट लाइटिंग और प्रीमियम ऑडियो सिस्टम जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं। सीटिंग ऑप्शन भी अलग-अलग कॉन्फिगरेशन में उपलब्ध हो सकते हैं।

पावरट्रेन और परफॉर्मेंस

लेपर्ड 8 में प्लग-इन हाइब्रिड सिस्टम दिया गया है, जिसमें पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का संयोजन है। यह सेटअप दमदार पावर और ऑल-व्हील ड्राइव क्षमता के साथ आता है, जिससे यह एसयूवी तेज और दमदार बनती है। साथ ही, यह इलेक्ट्रिक मोड में भी एक अच्छी रेंज देने में सक्षम है। इस एसयूवी की कुल ड्राइविंग रेंज काफी ज्यादा बताई गई है। जिससे यह लंबी दूरी की यात्रा के लिए उपयुक्त बनती है।

भारत में लॉन्च की संभावना मजबूत : डिजाइन पेटेंट फाइल करना आमतौर पर लॉन्च की तैयारी का पहला कदम होता है।इससे इशारा मिलता है कि बीवाईडी भारतीय बाजार में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने की योजना बना रही है।

असरदार थे खलनायक कि खौफ खाने लगे थे लोग

बॉलीवुड की बाते

> *70 के दशक के बॉलीवुड के वो खतरनाक खलनायक जिन्हें लोग असल जिंदगी में भी उनके किरदारों की तरह देखने लगे थे। जानिए कैसे इन विलेन ने भारतीय सिनेमा में डर और खौफ की नई परिभाषा गढ़ी।*

● गुंजन शर्मा ●

बॉलीवुड का 1970 का दशक सिर्फ रोमांस, एक्शन और सामाजिक फिल्मों का दौर नहीं था, बल्कि ये वो समय भी था जब खलनायकों ने पर्दे पर अपनी ऐसी पहचान बनाई कि वे सिर्फ विलेन नहीं रहे, बल्कि डर का चेहरा बन गए। उस दौर में एक्टिंग इतनी रियलिस्टिक होती थी कि दर्शक ये भूल जाते थे कलाकार ने सिर्फ किरदार निभाया है, मगर रियल लाइफ में वो भी एक आम इंसान ही है। तमाम एक्टर्स ने अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से ऐसा असर छोड़ा कि कई बार लोग उन्हें असल जिंदगी में देखकर भी डर या गुस्से से प्रतिक्रिया देने लगते थे। आज हम ऐसे ही कलाकारों के बारे में बताने वाले हैं, जो पर्दे पर अपने किरदार के कारण रियल लाइफ में भी लोगों को विलेन लगने लगे थे।

गब्बर सिंह : डर का दूसरा नाम

अमजद खान ने 1975 की फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह का किरदार निभाकर भारतीय सिनेमा में विलेन की परिभाषा ही बदल दी। 'कितने आदमी थे?' और 'जो डर गया, समझो मर गया' जैसे डायलॉग सिर्फ डायलॉग नहीं रहे, बल्कि लोगों की यादों में बस गए डर का हिस्सा बन गए। कहा जाता है कि उस दौर में बच्चे गब्बर के नाम से डरने लगे थे। लोग गांवों में लोग उनके पोस्टर देखकर रास्ता बदल लेते थे। कई लोग अमजद खान को असल जिंदगी में गब्बर समझ लेते थे। खुद अमजद खान ने इंटरव्यू में बताया था कि लोग उनसे दूरी बनाकर रखते थे, क्योंकि उनकी छवि एक खतरनाक डाकू की बन चुकी थी।

प्रेम चोपड़ा : मुस्कान में छुपा खलनायक

प्रेम चोपड़ा भी 70 के उन चुनिंदा एक्टर्स में से थे जिन्होंने स्माइलिंग विलेन की इमेज बनाई। उनका मशहूर डायलॉग- 'प्रेम नाम है मेरा... प्रेम चोपड़ा' आज भी सिनेमा इतिहास में एक आइकॉनिक माना जाता है। उनकी खासियत थी कि वो नरम आवाज में खतरनाक कलाकार थे। शालीन चेहरे के पीछे चालाक खलनायकी, रोमांस और धोखे वाली इमेज ने उनको रियल लाइफ विलेन बना दिया था। लोग अक्सर उन्हें असल जिंदगी में भी संदिग्ध नजरों से देखते थे।

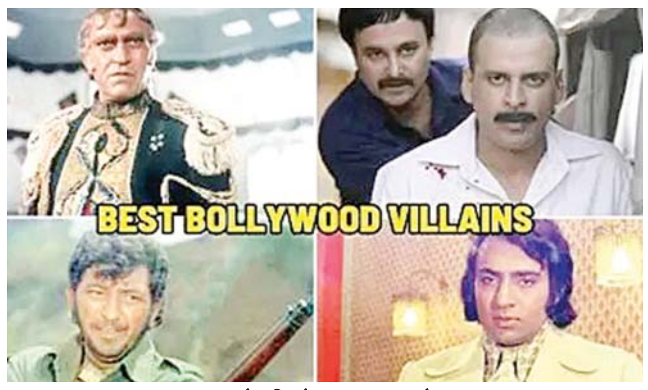

प्राण : खामोशी में छुपा सबसे बड़ा डर

प्राण हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित और गंभीर खलनायकों में गिने जाते हैं। 70 के दशक में उनका अंदाज बेहद अलग था। ना ज्यादा बोलना, ना ज्यादा चिल्लाना, बस आंखों और एक्सप्रेशन से डर पैदा करना। उनकी खास बात उनकी तीखी नजर, शांत लेकिन दमदार प्रेसेंज थी। एक समय ऐसा भी था जब लोग उन्हें फिल्मों में देखकर असहज हो जाते थे और असल जिंदगी में उनसे दूरी बनाए रखते थे।

रंजीत : समाज की नजर में खतरा

रंजीत ने 70 के दशक में कई ऐसे किरदार निभाए जो अक्सर महिलाओं के खिलाफ अपराध या नकारात्मक सोच को दिखाते थे। उनकी इमेज इतनी मजबूत हो गई थी कि लोग उन्हें सड़क पर देखकर नाराजगी जताते थे। कई बार असल जिंदगी में ताने और गुस्सा झेलना पड़ता था, क्योंकि दर्शक उन्हें किरदार नहीं, असल में गुंडा मानने लगे थे। रंजीत ने बाद में कई इंटरव्यू में बताया कि इस छवि की वजह से उन्हें व्यक्तिगत जीवन में भी काफी असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ा।

अमरीश पुरी: गूंजती आवाज और भारी व्यक्तित्व

अमरीश पुरी का शुरुआती दौर 70 के दशक के अंत में उभरने लगा था, लेकिन उनकी खलनायकी का असर धीरे-धीरे इतना गहरा हुआ कि वे भारतीय सिनेमा के सबसे डरावने चेहरों में से एक बन गए। उनकी खास पहचान थी उनकी गहरी, गूंजती आवाज और दमदार चेहरा। उनकी उपस्थिति ही सीन में तनाव पैदा कर देती थी, और दर्शक उन्हें देखकर सहज नहीं रह पाते थे।

गर्मियों में गोवा सहित देश के पर्यटन स्थलों के लिए उड़ानें शुरू की जाएं

छुट्टियां शुरू, सांसद से विमानन मंत्री से मुलाकात करने का आग्रह

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। ईरान की इजराइल एवं अमेरिका के साथ तनातनी जारी है। हालांकि सीज फायर जारी है, लेकिन किसी भी समय युद्ध फिर से भड़क सकता है, ऐसे में लोगों का फिलहाल विदेश जाने का कोई प्रोग्राम नहीं है और फिर चाहे दुबई हो या अबुधाबी अथवा शारजहां यहां तक कि हांगकांग, मलेशिया एवं वियतनाम जैसे मुल्कों के लिए भी जो लोगों के प्रोग्राम थे, उन्हें रद्द कर दिया गया है। शुक्रवार से स्कूलों की छुट्टियां प्रारंभ हो रही हैं, जबकि भोपाल से गोवा के लिए जो उड़ान थी, उस पर 28 मार्च से ब्रेक लगा हुआ है। भोपाल से श्रीनगर, जम्मू, कटरा, कुल्लू मनाली, केरल आदि के लिए कोई फ्लाइट नहीं है, जबकि ट्रेनों मे नो-रूम की स्थिति है, ऐसे में अभिभावक अपने बच्चों को छुट्टियों में ले भी जाएं तो कहां। यह सवाल अनेक अभिभावक कर रहे हैं ओर यह मांग उठने लगी है कि भोपाल से कम से कम गर्मियों में गोवा सहित देश के जो पर्यटन स्थल हैं, वहां के लिए उड़ाने प्रारंभ की जाएं, फिर भले ही मानसून प्रारंभ होते ही उन्हें बंद कर दिया जाए। इसके लिए आम जनता सांसद आलोक शर्मा से अपेक्षा लगाए बैठी है कि वे इस दिशा में कुछ कदम उठाएंगे। संत हिरदाराम नगर की सिंधी सेंट्रल पंचायत ने सांसद को पत्र लिखकर गोवा सहित अन्य शहरों के लिए शुरू करने केंद्रीय विमानन मंत्री से मुलाकात करने का आग्रह किया है।

रोज जाती थी फुल: सिंधी सेंट्रल पंचायत के संरक्षक प्रकाश मीरचंदानी, अध्यक्ष चंद्रप्रकाश इसरानी, संयोजक कन्हैयालाल इसरानी, महासचिव सुरेश जसवानी एवं उपाध्यक्ष नरेश चोटरानी सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी सांसद आलोक शर्मा को जानकारी दी है कि विंटर सीजन के दौरान जब भोपाल से गोवा के बीच उड़ान का शुभारंभ किया गया था, तब एक भी ऐसा दिन नहीं था जब उसे यात्रियों की कमी का सामना करना पड़ा हो। प्रतिदिन गोवा के लिए इंडिगो को पर्याप्त यात्री मिल रहे थे। अगर पिछले साल पर एक नजर डाली जाए तो इंडिगो ने विंटर सीजन में गोवा के लिए फ्लाइट प्रारंभ कर उसे 28 मार्च से बंद कर दिया था, लेकिन जब भोपाल के अनेक नागरिकों एवं संस्थाओं ने इसकी सख्त जरूरत महसूस की तथा सांसद से पुरजोर मांग की गई तब उन्होंने दिल्ली में विमानन मंत्री के अलावा वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की, जिसके बाद मई 2025 में फिर से इसे प्रारंभ किया गया बाद में जून में वह बंद हो गई। उसे देखते हुए सिंधी सेंट्रल पंचायत ने सांसद आलोक शर्मा से आग्रह किया है कि चूंकि एक मई से स्कूलों की छुट्टियां हो गई है और ईरान का इजराइल एवं अमेरिका से युद्ध के चलते विदेश जाने वालों ने प्रोग्राम निरस्त कर दिए हैं, इस कारण अनेक लोग बच्चों के साथ छुट्टियां मनाने गोवा उनकी पहली पसंद है इसलिए इसे फिर से चालू करने पर गंभीरता से विचार किया जाए।

दो घंटे के बदले 22 घंटे: जब भोपाल से गोवा के लिए फ्लाइट थी, तब भोपाल से गोवा का सफर दो घंटे में तय हो जाया करता था, लेकिन अब लोगों को या तो इंदौर अथवा मुंबई से गोवा की फ्लाइट पकड़नी पड़ रही है। अगर ट्रेन से गोवा जाएं तो उसमें 18 से 22 घंटे का समय लग रहा है। ऐसे में सिंधी सेंट्रल पंचायत ने कहा है कि यह वक्त की जरूरत है कि भोपाल से गोवा के लिए फिर से उड़ान प्रारंभ की जाए।

गर्मियों में अधिक जरूरत

गर्मियों में समुद्र किनारे जाने वालों की संख्या सर्दियों की तुलना में कहीं अधिक होती है, लेकिन यह समझ से परे है कि विंटर सीजन शुरू होते ही पिछले तीन सालों से इंडिगो गोवा के लिए तीन से चार माह तक उड़ान प्रारंभ करता है और उसे 28 मार्च से बंद कर रहा है, जिसे लेकर यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। संत हिरदाराम नगर की अग्रणी सामाजिक संस्था सिंधी सेंट्रल पंचायत ने सांसद आलोक शर्मा से गोवा के लिए उड़ान प्रारंभ करवाने का आग्रह किया है तथा कहा है कि सांसद को दिल्ली में विमानन मत्री से मुलाकात कर भोपाल से गोवा के बीच बंद कर दी गई उड़ान को फिर से प्रारंभ करने की पुरजोर मांग करने का आग्रह किया है।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में सर्जरी से लौटी कुरावर की नन्ही महक की आंखों में रोशनी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। समय पर सही उपचार एवं एडवांस तकनीकी से किसी की आंखों की रोशनी भी लौटाई जा सकती है। ऐसा ही एक उदाहरण पिछले 40 सालों से नेत्र सेवा में संलग्न सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में देखने को मिला है। भोपाल राजगढ़ ब्यावरा मार्ग स्थित छोटे से कस्बे कुरावर की पांच माह की मासूम बच्ची महक सेन की आंखों की रोशनी लौट आई है।

जानकारी के अनुसार पूजा और अंकित सेन की पुत्री महक जब केवल 2 महीने की थी, तब उसके माता-पिता ने उसकी आंखों में सफेदी (धुंधलापन) देखा। शुरुआत में उन्हें लगा कि शायद यह उसकी आंखों का प्राकृतिक रंग है और कोई गंभीर समस्या नहीं है, लेकिन आसपास के लोगों की सलाह पर उन्होंने ऐहतियात के तौर पर बालिका की आंखों की जांच करवाई। परिवार ने भोपाल के तीन निजी अस्पतालों में जाकर परामर्श लिया, लेकिन वहां का अनुभव संतोषजनक नहीं था।

दंपति को बालिका की दोनों आंखों के ऑपरेशन के लिए 60 हजार रुपए का खर्च बताया गया। पति-पत्नी को अस्पतालों के व्यवहार में संवेदनशीलता की कमी महसूस हुई, और एक डॉक्टर ने तो इलाज की आवश्यकता से भी इंकार कर दिया।

इसी बीच किसी ने उन्हें सेवा सदन आई हॉस्पिटल के बारे में बताया, इसी उम्मीद के साथ वे सेवा सदन पहुंचे और यहीं से उनकी परेशानी का समाधान होना शुरू हो गया। सीनियर पीडियाट्रिक ऑप्थल्मोलॉजिस्ट डॉ. रश्मि आप्टे ने महक की जांच की और पाया कि उसकी दोनों आंखों में गंभीर मोतियाबिंद है, जिसका तुरंत ऑपरेशन आवश्यक है। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए डॉक्टरों की टीम ने एडवांस तकनीक के माध्यम से एक सप्ताह के भीतर दोनों आंखों की सफल सर्जरी की। दोनों आंखों का ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया और महक की आंखों की रोशनी वापस आ गई। यह पल परिवार के लिए किसी चमत्कार और भावपूर्ण प्रसन्नता से कम न था। महक के पिता अंकित सेन ने भावुक होकर कहा कि हमारी बेटी की आंखों की रोशनी वापस आ गई है, यह हमारे लिए सबसे बड़ी खुशी है। यहां हमें न केवल बेहतर इलाज मिला, बल्कि इंसानियत और अपनापन भी देखा गया। परिवार ने अस्पताल की टीम के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि यहां इलाज किफायती होने के साथ-साथ मरीजों के साथ बेहद सहानुभूति पूर्ण व्यवहार और देखभाल भी की जाती है। उन्होंने अन्य माता-पिता से भी अपील की कि, अगर बच्चों की आंखों में कोई भी असामान्य बदलाव दिखे तो वे उसे नजरअंदाज न करें और इलाज में देरी न करें। सही समय पर जांच और उपचार से बच्चों का भविष्य संवर सकता है।

उत्तम यादव बने कांग्रेस नगरीय प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव

जागरण, औबेदुल्लागंज। कांग्रेस नेता एवं नगर परिषद में पूर्व उपाध्यक्ष प्रतिनिधि उत्तम यादव को मप्र कांग्रेस नगरीय प्रकोष्ठ का प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। यादव की नियुक्ति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक निशंक जैन और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी की सहमति से की गई है। अपनी नियुक्ति पर यादव ने बताया कि नगरीय निकाय चुनाव में रायसेन जिले की समस्त नगर पालिका, नगर परिषद में योग्य प्रत्याशी चयन के लिए संगठन का ढांचा तैयार करेंगे और कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा बनाए रखेंगे। इस अवसर पर उत्तम यादव ने भोपाल जाकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

सिंधी मेला आज से, आसपास के जिलों के हजारों श्रोता जुटेंगे

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। हर साल की तरह इस बार भी राजधानी की सिंधी मेला समिति ने शनिवार से दो दिवसीय भव्य वार्षिक सिंधी मेले का आयोजन किया है। समिति के अध्यक्ष मनीष दरियानी ने बताया कि मेले का शुभारंभ दक्षिण पश्चिम के विधायक एवं समिति के मुख्य संरक्षक भगवानदास सबनानी करेंगे। मेले में मुंबई के कलाकार रॉक स्टार नील एवं करण खेमानी अपनी पूरी टीम के साथ परफोर्मेंस करेंगे। साथ ही बच्चों के मनोरंजन के लिए आकर्षक झूले, सिंधी फन क्विज, गेम्स, पुरस्कार, स्वादिष्ट व्यंजन, रंगारंग आतिशबाजी के साथ साथ अनेक कार्यकम इस मेले में आकर्षण का केंद्र रहेंगे। भगवान झूलेलाल जयंती चैटीचंड पर आयोजित शोभा यात्रा में शामिल हुई झाकियो में से 3 झाकियो को सर्वश्रेष्ठ झांकी से पुरस्कृत किया जाएगा। इसके साथ ही इस वर्ष मेले में आने वाले बुजुर्गों के लिए उनके वाहन को सही स्थान पर पार्क करने के लिए वैले पार्किंग की व्यवस्था भी इस वर्ष विशेष रूप से की गई है।

चार विशेष पुरस्कार

मनीष दरियानी एवं नरेश तलरेजा ने बताया कि हर साल की इस बार भी चार पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे इसमें स्व. उत्तमंचद इसरानी, स्व. गोविंदराम बतरा, स्व. शोकतराय कटारिया एवं स्व. कीमतराय नागदेव के नाम पर ओल्ड इज गोल्ड, शाने सिंधियत आदि के पुरस्कार प्रदान किया जाएंगे।

तुलाई केंद्रों पर किसानों से 1 से 5 किलो तक गेहूं लेने का विरोध

जागरण, औबेदुल्लागंज। भोजपुर विधानसभा के एक तुलाई केंद्र पर देखने को मिला, जहां किसानों से दो-दो बार गेहूं का सैंपल लिया रहा था। मौके पर कांग्रेस नेता परेश नागर ने पहुंचकर अधिकारियों को बुलाकर इसका समाधान करवाया एवं कुछ किसानों की ट्रॉली में गेहूं में मिट्टी की मात्रा ज्यादा बताकर रिजेक्ट कर दी थी, उसका समाधान करवाया। नागर ने बताया कि जिस किसान की गेहूं की ट्रॉली रिजेक्ट होती है सिर्फ उसी का गेहूं का सैंपल लिया जाता है वो भी 500 ग्राम उससे ज्यादा नहीं और जिन किसानों की गेहूं ट्रॉली पास हो जाती है उनका गेहूं सैंपल पर नहीं लिया जाता है और लिया भी जाता है तो किसान उसको वापस ले सकता है। लेकिन ज्यादातर तुलाई केंद्रों पर हर एक गेहूं की ट्रॉली से सैंपल लिया जा रहा है और बाद यही सैंपल का गेहूं इक्कठा कर के वेयरहाउस और सोसायटी वाले बेच देते हैं।

बुद्ध पूर्णिमा एवं मजदूर दिवस पर हुए विभिन्न कार्यक्रम भगवान बुद्ध के जीवन पर डाला प्रकाश, ठंडाई वितरित

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के साथ ही बुद्ध पूर्णिमा भी थी। इस मौके पर अनेक जगहों पर आयोजित कार्यक्रमों में भगवान बुद्ध के अलावा मजदूर दिवस भी मनाया गया। दाला कॉलोनी में डा. बीआर आंबेडकर सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पंचशील ध्वजों के साथ रैली निकाली गई और जगह जगह शरबत तथा खीर का दान किया गया। इस अवसर पर उपासक एवं स्वयं सेवकों ने बुद्ध वंदना के पश्चात राहगीरों को ठंडाई का वितरण भी किया। कार्यक्रम में भगवान बुद्ध के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर राजेश बांधेवाल, डीएस वर्मा, तूफान सिंह, बीडी अहिरवार, रवि औदित्चय, जेके मान, अजय मोटवानी, शैलेन्द्र मीना, विजय मीना, बीपी सिंह, आरएल भारती, मांझी सुरेश, कमलेश दोहरे, श्यामा अहिरवार, इंजीनियर गंगादेवी, डॉ. सतोष कुमार, भागीरथ, रोन्द्र जाटव, निजाम अली सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे। इस अवसर पर प्रार्थना सभा का आयोजन भी किया गया। इधर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक मारन की अध्यक्षता में बुद्धपूर्णिमा के साथ अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जगदीश सांवले ने बताया कि अशोक मारन ने अनेक दिहाड़ी मजदूरों को हार पहनाकर उनका सम्मान किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि दिहाड़ी मजदूरों के बैठने के लिए बैंचों की व्यवस्था की गई है। यहां जगदीश सांवले ने बताया कि 1886 की बात है जब मजदूरों से 12 से 16 घटे अमेरिका के शिकांगों में काम करवाया जाता था। वहीं से मजदूरों का आंदोलन प्रारंभ हुआ, लाखों मजदूर सड़कों पर उतरे। तब से हर साल एक मई मजदूर दिवस मनाया जाता है। भारत में 1923 में बाबा भीमराव आंबेडकर ने मजदूरों के हक के लिए संघर्ष किया।

कार्यक्रम में आत्माराम सूर्यवंशी, हनीफ खान, अर्जुन सिंह चैधरी, किशोर यादव, जगदीश सिलपकार, महेश बंसल सहित अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता एवं मजदूर उपस्थिति थे।

नंदोरा में स्वगणना कार्य सफलतापूर्वक संपन्न

जागरण, औबेदुल्लागंज। स्वगणना अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत नंदोरा, जिला रायसेन, तहसील गोहरगंज में समस्त कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। यह कार्य एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया। 30 अप्रैल को पटवारी निर्मला सेर्या के नेतृत्व, सतत निगरानी एवं विशेष प्रयासों से पूरे ग्राम में स्वगणना कार्य को शत-प्रतिशत पूर्ण किया। उनके द्वारा टीम का प्रभावी संचालन, समय-समय पर मार्गदर्शन तथा कार्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता इस सफलता का मुख्य आधार रहा। इस अभियान में ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पूर्ण सहयोग दिया, इसके परिणामस्वरूप कार्य सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सका। स्वगणना अभियान से जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों को महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त होगी, जिससे शासन का यह महत्वपूर्ण कार्य समय-सीमा में सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सकेगा। पटवारी की टीम में लोकल सर्वेयर मो. अबरार खान, महेश भदोरिया, कविता एवं सुरेश मरकाम का विशेष योगदान रहा।

सृजन कार्यक्रम : किशोरों को आत्मरक्षा, नेतृत्व की नई दिशा मिली

जागरण, मंडीदीप। औद्योगिक नगर मंडीदीप में आयोजित 18 दिवसीय सृजन कार्यक्रम ने स्थानीय किशोर-किशोरियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की नई मिसाल पेश की। मध्य प्रदेश सामुदायिक पुलिसिंग के तहत आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाना था।

कार्यक्रम के समापन समारोह में उत्साह, आत्मविश्वास और बदलाव की झलक साफ दिखाई दी। सामुदायिक पुलिसिंग, नेटलिंक लिमिटेड और कृषक सहयोग संस्थान के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस शिविर में 13 से 19 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को आत्मरक्षा, नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की समझ और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया गया। जूडो-कराटे जैसे सेल्फ डिफेंस मॉड्यूल के साथ प्रतिभागियों को जीवन मूल्यों और अनुशासन का भी पाठ पढ़ाया गया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि उप पुलिस महानिरीक्षक डॉ. विनीत कपूर ने कहा कि किशोरावस्था राष्ट्र निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण दौर है। उन्होंने युवाओं से साइबर अपराधों के प्रति जागरूक रहने और यातायात नियमों का पालन करने का आह्वान किया। उनका कहना था कि ऐसे कार्यक्रम पुलिस और समाज के बीच विश्वास मजबूत करने का कार्य करते हैं। एडिशनल एसपी अमृत मीणा ने बताया कि प्रदेश के 30 जिलों में 50 से अधिक सृजन शिविरों के माध्यम से हजारों युवाओं को सकारात्मक दिशा मिली है। वहीं एसडीओपी शीला सुराणा ने विश्वास जताया कि प्रशिक्षित युवा अपराधमुक्त और सशक्त समाज निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे। नेटलिंक के सीईओ अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि मात्र 18 दिनों में बच्चों के व्यवहार, अनुशासन और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने शिक्षा, सुरक्षा और संस्कार को अपनाने तथा नशा व अपराध से दूर रहने का संकल्प लिया।

डॉ. मोतियानी देंगी मेडिकल कैंप में निःशुल्क सेवाएं

बोरवन पार्क में स्वास्थ्य शिविर कल

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। रविवार को जहां ईदगाह हिल्स प्रभु नगर सिंधी कम्युनिटी हाल में समाज सेवी स्व. जेठानंद लालचंदानी की स्मृति में चिरायु अस्पताल के सहयोग से विशाल मेडीकल कैंप का आयोजन किया गया है, वहीं संत हिरदाराम नगर के पं.दीनदयाल उपाध्याय बोरवन पार्क में वीना कला एवं सेवा समिति ने भी डा. प्रीति मोतियानी की तरफ से विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया है। डॉ. प्रीति मोतियानी संत हिरदाराम नगर के सरकारी सिविल अस्पताल में मेडीसन विशेषज्ञ के पद पर कार्यरत हैं। वीना कला एवं सेवा समिति के अध्यक्ष युवा सिंधी साहित्यकार राकेश शेवानी ने बताया कि बोरवन पार्क में लगने वाले इस शिविर में सुबह 8 से 11 बजे तक डा. प्रीति मोतियानी सभी रोगों के लिए परामर्श देने के लिए उपलब्ध रहेंगी इसमें मुख्य रूप से गठिया रोग, अर्थराइटिस, स्त्री रोग डायबिटीज, थाइरॉएड, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, किडनी रोग, मोटापा, गुप्त रोग, श्वासरोक दमा, टीबी सर दर्द, माइग्रेन लकवा, मिर्गी, बेहोशी, सूजन जोड़ों में दर्द, आदि साथ में निःशुल्क टेस्ट भी किए जांएगे। इसी तरह थाइरॉएड प्रोफाइल, शुगर, हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड, आदि की जांच व सलाह भी पूरी तरह से मुफ्त में की जाएगी। इस शिविर में जिन बीमारियों के लिए दवाएं लिखी जांएगी उस पर श्री संत मेडिकल स्टोर के संचालक संतोष जेठानी ने 20 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान करने का भी निर्णय लिया है। डॉ. प्रीति मोतियानी, राकेश शेवानी एवं संतोष जेठानी ने सभी जरूरतमंदों से इस शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

SUDOKU 23

	6	3					9	
1			3		7			2
		7		9		1		6
7					8	5		9
			6	4				
9		6			2			8
6		2		8			7	
		1			3		8	
8				7		2		3

SOLUTIONS 22

3	2	6	4	1	8	5	7	9
4	8	7	6	9	5	2	3	1
1	5	9	3	2	7	8	4	6
2	4	8	9	6	1	7	5	3
9	1	5	7	4	3	6	2	8
6	7	3	5	8	2	1	9	4
8	6	4	2	7	9	3	1	5
5	9	2	1	3	6	4	8	7
7	3	1	8	5	4	9	6	2

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज आपका दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। किसी पुराने काम में सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। करियर में नए अवसर मिल सकते हैं, बस जल्दबाजी से बचें।

वृषभ : आज का दिन आपके लिए संतुलित रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और सीनियर्स से सराहना मिल सकती है।

मिथुन : आज आपको अपने फैसलों में सोच-समझकर आगे बढ़ना होगा। काम में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में सतर्क रहें।

कर्क : आज का दिन थोड़ा व्यस्त रह सकता है। ऑफिस में काम का प्रेशर बढ़ेगा। रिश्तों में सुधार आएगा। सेहत को लेकर लापरवाही ना करें और आराम के लिए समय निकालें।

सिंह : आज आपके लिए ग्रोथ के संकेत हैं। कोई नई प्लानिंग सफल हो सकती है। आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं। दोस्तों का सहयोग मिलेगा। लव लाइफ में सकारात्मक बदलाव आएंगे।

कन्या : परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। मेहनत का अच्छा रिजल्ट मिल सकता है। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी और सेहत अच्छी रहेगी।

तुला : आज का दिन सावधानी से बिताने का है। किसी भी बड़े फैसले को फिलहाल टालना बेहतर रहेगा। काम में थोड़ा तनाव हो सकता है लेकिन धैर्य बनाए रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। परिवार में थोड़ा तनाव हो सकता है लेकिन समझदारी से स्थिति संभल जाएगी। वाहन सुख में वृद्धि होगी।

धनु : आज का दिन सामान्य रहेगा। काम में थोड़ी धीमी गति रह सकती है। पैसों से जुड़े मामलों में संतुलन बनाए रखें।

मकर : आज आपके लिए दिन सकारात्मक रहेगा। नए काम की शुरुआत के संकेत मिल सकते हैं। पार्टनर का सहयोग मिलेगा।

कुंभ : आज आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। पैसों को लेकर सोच-समझकर फैसले लें। काम में जल्दबाजी नुकसान दे सकती है।

मीन : आज का दिन आपके लिए शुभ संकेत लेकर आएगा। लव लाइफ में नजदीकियां बढ़ेगी और काम में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

आज का पंचांग: 02 मई शनिवार 2026। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। **विशेष :** ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष प्रारंभ। विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा 24 घंटे 51 मिनट तक तत्पश्चात द्वितीया में विशाखा नक्षत्र 29 घंटे 24 मिनट तक, व्यतिपात योग 21 घंटे 45 मिनट तक तत्पश्चात वरियान योग तुला में चंद्रमा 24 घंटे 30 मिनट तक तत्पश्चात वृश्चिक में।

हादसे ने छीनी एक युवक की जिंदगी, साथी गंभीर घायल

जागरण, मंडीदीप। औद्योगिक नगरी मंडीदीप के सतलापुर थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं, जबकि एक अन्य युवक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। यह हादसा नयापुरा (मेवाती) ब्रिज के पास देर रात 3 बजे हुआ, जब कुछ युवक काम पर जाने के लिए बाइक से निकले थे। जानकारी के अनुसार, जावरा मलखार निवासी 20 वर्षीय विष्णु अपने साथियों संजय ककड़ी, शिवराज और आदित्य के साथ बाइक से सराकिया स्थित कार्यस्थल की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि सभी युवक मंडीदीप के महावीर टेंट हाउस में कार्यरत हैं और रोजमर्रा की तरह काम के सिलसिले में निकले थे। इसी दौरान तेज रफ्तार एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने विष्णु को मृत घोषित कर दिया। वहीं शिवराज की हालत नाजुक बनी है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया। अन्य साथियों को भी मामूली चोटें आने की जानकारी सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही सतलापुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई.डी. नं. 1210200044,
आवेदन क्रमांक- 11780, आवेदन दिनांक-12.04.2026
क्रमांक 1094/राजस्व/भौप्रिा/26 भोपाल दिनांक : 27.04.2026
:: आम सूचना ::
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की इंद्रपुरी योजना स्तिथ भूखण्ड क्रमार्क 132 सेक्टर-सी आवंटी श्री अकील हुसैन के नाम पर आवंटित है। आवंटी श्री अकील हुसैन द्वारा मुख्तार आम श्री शकील मोहम्मद खान मेसर्स अपेक्स बिल्डर्स एन्ड मेनेजिंग पार्टनर द्वारा भूखण्ड पर बहुमंजिला भवन का निर्माण कर भूखण्ड पर निर्मित प्रकोष्ठ क्रमांक-डी-4 तृतीये तल जिसका क्षेत्रफल 500 वर्गफुट का विक्रय श्री रजत अधिकारी आत्मज श्री स. अधिकारी को कर विक्रय पत्र दिनांक 28.03.1995 पंजीकृत कराया गया। श्री रजत अधिकारी द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर प्रकोष्ठ क्रमांक – डी -4 तृतीये तल जिसका क्षेत्रफल 500 वर्गफुट का नामांतरण/नाम समलित अपने नाम पर चाहा गया है। नोट : उक्त आम सुचना दो प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित करावे। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/ उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्ये/दस्तावेजो के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।
राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

-: आम-सूचना :-
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा श्रीमती सरोज अग्रवाल पत्नी श्री अनिल अग्रवाल, एवं श्री अनिल अग्रवाल आत्मज स्वर्गीय श्री आर. के. अग्रवाल, निवासीगण 300, कल्पना नगर, भोपाल. तहसील तहसील हुजूर, जिला भोपाल मध्यप्रदेश के स्वत्य, स्वामित्य, अधिपत्य का एक किता पक्का आर.सी.सी का छतदार फ्लैट क्रमांक एम.आई.जी. एफ-04, प्रथम तल, खसरा नम्बर-47,48,114/47/3/2/1 के अंश भाग पर निर्मित बहुमंजिला भवन "रॉयल अपार्टमेन्ट" जो कि ग्राम-चूनाभट्टी, कोलार गेस्ट हाऊस से शाहपुरा पुलिया तक (मुख्य मार्ग से हटकर) तहसील हुजूर, जिला भोपाल मध्यप्रदेश में नगर पालिक निगम की सीमाओं के अन्दर वार्ड क्रमांक-49/28 व नया वार्ड क्रमांक 30 में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 500 वर्गफीट अर्थात् 46.46 वर्गमीटर है। जिसकी चतुर्थ सीमाये निम्नानुसार है। पूरब में फ्लैट क्रमांक-एफ-02, पश्चिम में-अन्य भूमि, उत्तर में-फ्लैट क्रमांक -एफ-03, दक्षिण में-जीना व रास्ता (कॉमन पैसेज आने जाने बाबत् उपरोक्त संपत्ति को अनुबंध के द्वारा बयाना राशि का भुगतान कर क्रय किया जा रहा है। उक्त संपति के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, हाऊसिंग फाइनेंस संस्था, सोसायटी, वित्तीय संस्था, फर्म, शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था, तहसील या नुजूल विभाग को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो या उक्त वर्णित सम्पत्ति कहीं अनुबंध, विक्रय, दान, बंधक गिरवी, वसीयत, हीबा, हस्तांतरण इत्यादि हो तो यह सूचना प्रकाशन के 07 दिवस की समयावधि में मय दस्तावेज सहित मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे, अन्यथा मेरे पक्षकार द्वारा उक्त संपत्ति को उपपंजीयक कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त संपत्ति का पंजीयन अपने नाम पर करवा लेवेंगे। इसके बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
विनोद यादव
नोटरी/अधिवक्ता
यादव लॉ चेम्बर
11/1, बिहाइंड डी-मार्ट, अहीर मोहल्ला बरखडी भोपाल
मो.9826716070, 9424444199

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

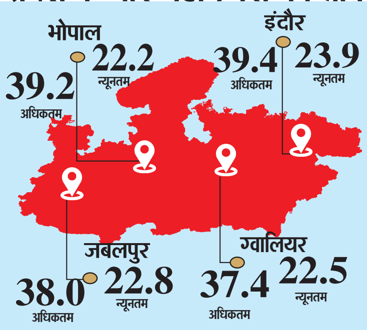

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	36.4	22.8
मुंबई	34.3	27.8
चेन्नई	42.4	22.5
कोलकाता	29.2	19.8

सूर्यास्त 6:48 PM
सूर्योदय 5:47 AM
चन्द्रोदय 6.37 PM
चन्द्रास्त 5:10 AM

सगाई तोड़ने के विवाद में दंपति का अपहरण कर जूते-चप्पलों से पीटा

बंजारा समाज के दंपति को बंधक बनाकर किया अपमान

जागरण, सोनकच्छ। उज्जैन से गमी समारोह में शामिल होकर लौट रहे बंजारा समाज के दंपति को रास्ते में रोककर आरोपियों ने जबरन गाड़ी में बैठा लिया और टीबूपुरा ले जाकर जमकर मारपीट करने के बाद जूते-चप्पल का हार पहनाकर घुमाया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्राप्त जानकारी अनुसार सगाई तोड़ने के विवाद में भटकुंड के पास चौबारा जागीर रोड पर भादरसिंह व उसके साथियों ने उज्जैन के रहने वाले हिम्मतसिंह (50) व उनकी पत्नी लीलाबाई को रोककर मारपीट की और एक कार में बैठाकर सीहोर के ग्राम टीबूपुरा ले गए। वहां बाबूसिंह के घर पर आरोपियों ने दंपति को गालियां दीं, जमकर पिटाई की। आरोपियों ने सारी हदे लांघते हुए दंपति को जूते-चप्पल का हार पहनाया और बंधक बना लिया। सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस दंपति को छुड़ाकर थाना सिद्दकीगंज ले गई। बाद में पुलिस उन्हें लेकर थाना सोनकच्छ पहुंची, जहां फरियादी हिम्मतसिंह ने रिपोर्ट लिखाई। आरोपियों ने कहा तुमने बच्ची की सगाई तोड़कर समाज में हमारी इज्जत खराब कर दी। पुलिस ने भादर, बाबुसिंह, प्रभु व गोरा बंजारा सभी निवासी टीबूपुरा सीहोर के विरुद्ध धारा प्रकरण दर्ज कर पीड़ितों का उपचार कराया और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने मुक्त कराया

आत्महत्या के पहले नवविवाहिता का वीडियो, प्रेमी पर ब्लैकमेलिंग के आरोप

पति को आपत्तिजनक जानकारी भेज जीवन खराब किया

जागरण, सागर। प्रदेश के सागर जिले के बांदरी थाना क्षेत्र में एक 22 वर्षीय नवविवाहिता का शव उसके मायके में फांसी के फंदे पर लटका मिला। युवती ने खुदकुशी से पहले एक वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर अपलोड किया, जिसमें उसने एक युवक पर शारीरिक शोषण और मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। शुक्रवार को आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने थाने पहुंचकर मामले में कार्रवाई के लिए ज्ञापन दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, रात को महिला ने इंस्टाग्राम पर वीडियो अपलोड किया। इसमें उसने आरोप लगाया कि गांव का ही एक युवक उसे पुराने संबंधों को लेकर लंबे समय से ब्लैकमेल कर रहा था। युवती ने वीडियो में बताया कि युवक ने उसके पति को आपत्तिजनक जानकारी भेजकर उसका वैवाहिक जीवन खराब कर दिया था। 10 महीने पहले हुई शादी के बाद से ही आरोपी उसे लगातार बदनाम करने की धमकी देकर प्रताड़ित कर रहा था, उसने वीडियो में जान देने की बात कही। इसके बाद गुरुवार रात को मायके आई महिला का शव घर में ही फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने शव लटका देख पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मौके पर पहुंचकर शव को उतारा गया। मृतका के पिता ने पुलिस को बताया कि आरोपी युवक उनकी बेटी का वीडियो बनाकर उसे डराता-धमकाता था और लंबे समय तक उसका शारीरिक शोषण भी किया। बदनामी और लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर युवती तनाव में थी, जिसके चलते उसने मायके में यह कदम उठाया।

महिला कैदी ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

जागरण, रायसेन। जिला मुख्यालय स्थित जेल में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक महिला बंदी ने जेल के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जेल के भीतर हुई इस अप्रत्याशित घटना से प्रशासन में खलबली मच गई है। सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची व शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जानकारी के अनुसार, 36 वर्षीय मृतका देवकी बाई गौहरगंज थाने में दर्ज दहेज प्रताड़ना के एक मामले में जेल में बंद थी। महिला ने जेल की बैरक के भीतर अपनी साड़ी का फंदा बनाया और उस पर झूल गई। घटना की जानकारी मिलते ही जेल प्रशासन द्वारा महिला को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जेलर आरके चौरे ने दूरभाष पर इस दुखद घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की नियमानुसार उच्च स्तरीय जांच की जाएगी। पुलिस ने मर्ग कायम कर पूरे मामले की गहन तफ्तीश शुरू कर दी है।

डंपर की चपेट में आए मां-बेटे की दर्दनाक मौत

जागरण, सांवेर (इंदौर)। सांवेर-चंद्रावतीगंज रोड पर एक भीषण सड़क हादसे में मां-बेटे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने आरोपी डंपर चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल हादसा पीरबाबा की दरगाह के पास हुआ। गिट्टी से भरा एक तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर पलट गया और बाइक सवार उसकी चपेट में आ गए। सांवेर पुलिस के अनुसार डंपर एमपी 46 एच 0771 सांवेर की ओर जा रहा था। मोड़ पर चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे डंपर पलट गया। इसी दौरान बाइक एमपी 09 क्यूजेड 9127 से घर लौट रहे मां-बेटे सीधे उसकी चपेट में आ गए। हादसे में देपालपुर तहसील के ग्राम नयाखेड़ा निवासी असलम (32) और उनकी मां मलका बी की मौके पर ही मौत हो गई। लोगों ने बाइक सवारों को निकालने का प्रयास किया पर वह नहीं निकल सके। इसके बाद पुलिस व 108 एंबूलेंस को फोन लगाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने क्रेन के जरिए पहले डंपर उठवाया और उसके नीचे दबे हुए शवों को निकाला।

भिंड में तीन थाना प्रभारियों की अदला-बदली

जागरण, भिंड। कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से एसपी भिंड डॉ. असित यादव ने तीन थाना प्रभारियों के तबादले किए हैं, जिससे जिले में पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने की कोशिश की जा रही है। ऊमरी थाना प्रभारी शिवप्रताप सिंह राजावत को देहात थाने की कमान सौंपी है। सिटी कोतवाली में पदस्थ टीआई बृजेन्द्र सिंह सेंगर को ऊमरी थाना प्रभारी बनाया है। देहात थाने के प्रभारी मुकेश शाक्य को सिटी कोतवाली का नया प्रभारी नियुक्त किया है। यह कवायद कार्य प्रणाली में सुधार और क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए की गई है। इससे पुलिस की कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी।

चोरी कांड में पारदी गैंग के पांच सदस्य गिरफ्तार, 52 लाख के जेवर बरामद

मंडला में सराफा व्यापारी के यहां हुई चोरी का खुलासा

जागरण, मंडला। प्रदेश में मंडला जिले के नैनपुर थाना की पिंडरई चौकी अंतर्गत सराफा व्यापारी से हुई लाखों की चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा किया। इस मामले में पारदी गैंग के 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 52.89 लाख कीमत के सोने-चांदी के जेवर, नगदी और वाहन बरामद किए हैं। 25 अप्रैल को कन्हरगांव निवासी पवन कुमार सोनी ने पिंडरई चौकी में शिकायत की थी कि वह पिंडरई बाजार में सराफा दुकान लगाने आया था। इसी दौरान अज्ञात बदमाश उसके सोने-चांदी के जेवर, नगदी, गिरवी रजिस्टर और दस्तावेजों से भरा बैग चोरी कर फरार हो गए। चोरी गए सामान की कीमत लगभग 50 लाख बताई थी। मामला सुलझाने पुलिस की विशेष टीम बनाई, जो सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पुलिस ने अपनू लाल पारदी, निरकेस, अरिसमिन पारदी और दो नाबालिग बालकों को पकड़ा है। जांच में सामने आया कि आरोपी सीहोर जिले के लमटी राला पारदीपुरा क्षेत्र के निवासी हैं, जो कंगन, चूड़ी और रुद्राक्ष बेचने के बहाने मंडला, सिवनी और बालाघाट के बाजारों में घूमते थे। आरोपी समनापुर-सांगवा क्षेत्र के पास रेलवे लाइन किनारे अस्थायी डेरा बनाकर रह रहे थे। वारदात के बाद आरोपी अपने डेरे पहुंचे और चोरी के सामान का बंटवारा कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चुराया गया माल किया बरामद।

आरोपियों के पास से पकड़ाया यह माल

पुलिस ने आरोपियों के पास से 278 ग्राम 340 मिलीग्राम सोने के आभूषण, कीमत लगभग 38.41 लाख रुपए, 5 किलो 492 ग्राम चांदी के आभूषण, कीमत लगभग 10.98 लाख रुपए, अल्टो कार एवं बाइक, कीमत लगभग 3.20 लाख रुपए और 30 हजार रुपए नकदी बरामद किये हैं। कुल बरामद सामग्री की कीमत लगभग 52.89 लाख आंकी गई है।

पुलिस टीम को मिलेगा सम्मान

एएसपी शिव कुमार शर्मा ने बताया कि चोरी की वारदात के खुलासे में एसडीओपी मनीष राज के मार्गदर्शन में निरीक्षक बलदेव सिंह मुजाल्दा सहित पिंडरई चौकी और मंडला पुलिस की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मामले की जांच में सीहोर पुलिस का भी सहयोग रहा। इस मामले में डीआईजी ने 20 हजार का इनाम घोषित किया था। अब शत-प्रतिशत बरामदगी करने वाली टीम को पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक स्तर पर पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की गई है।

हनीट्रैप : रेलवे कर्मचारी को प्रेम जाल में फंसाकर बनाए वीडियो, 21 लाख वसूले

सोशल मीडिया पर दोस्ती कर जाल में फंसाया, रेप केस में फंसाने की धमकी

जागरण, मंदसौर। प्रदेश के मंदसौर में एक रेलकर्मी हनीट्रैप का शिकार हो गया। जिले के सीतामऊ क्षेत्र में महिला ने रेलकर्मी युवक से पहले सोशल मीडिया पर दोस्ती की फिर उसे प्रेम जाल में फंसा लिया। महिला ने नशीला पदार्थ मिलाकर रेलकर्मी के आपत्तिजन फोटो और वीडियो भी बनाए। इसे वायरल करने और रेप के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर पीड़ित से लाखों रुपए ऐंठ लिए। ब्लैकमेलिंग से परेशान पीड़ित रेलकर्मी की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, सीतामऊ की रहने वाली आरोपी महिला पूजा उर्फ सिया चौहान को यह जानकारी थी कि पीड़ित रेलवे कर्मचारी है। पूजा ने 25 अप्रैल 2025 से फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से उससे संपर्क बढ़ाया और धीरे-धीरे प्रेम संबंध स्थापित कर लिए।

आरोप है कि महिला मंदसौर स्थित रामटेकरी क्षेत्र के एक मकान में पीड़ित रेलकर्मी को ले गई, जहां कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे बेहोशी की हालत में पहुंचा दिया। इस दौरान उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए गए। होश में आने पर आरोपी ने वीडियो वायरल करने और झूठे दुष्कर्म मामले में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। आरोपी महिला ने अलग-अलग तारीखों में उसके खाते में करीब 21 लाख 13 हजार रुपये ट्रांसफर कराए। इसके अलावा नकद राशि भी वसूली। इसके लिए पीड़ित को लोन तक लेना पड़ा और वेतन का अधिकांश हिस्सा भी इसी में चला गया।

गिरफ्तारी के लिए टीमें की गठित

पीड़ित ने जब पैसे देने से मना किया, तो उसे झूठे बलात्कार के केस में फंसाने और नौकरी से निकलवाने की धमकी दी गई। युवक ने जब आरोपी से इस बारे में बात की, तो आरोपी महिला ने उसके घर के सामने आकर अभद्रता की और जान से मारने की धमकी दी। लगातार मानसिक और आर्थिक शोषण से परेशान होकर पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीतामऊ थाना प्रभारी कमलेश प्रजापति के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस हनी ट्रैप गिरोह में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित कर दी गई हैं।

ट्रांसफार्मर टेस्टिंग के दौरान विस्फोट से तीन कर्मी झुलसे

तीनों को इंदौर रेफर किया

जागरण, धार। जिले के तिरला थाना क्षेत्र अंतर्गत बोधवाडा में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां 33 केवी विद्युत ग्रिड पर नए ट्रांसफार्मर की टेस्टिंग के दौरान अचानक तेज धमाका हुआ, जिससे मौके पर मौजूद तीन आउटसोर्स विद्युत कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए धार के निजी अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, ग्रिड पर नए ट्रांसफार्मर की टेस्टिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान हुए विस्फोट में कर्मचारी मितेश, झरी और ऋषभ गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों में मितेश और झरी लगभग 95 प्रतिशत तक झुलस गए हैं, जबकि तिरला निवासी ऋषभ करीब 40 प्रतिशत झुलसा है। तीनों की हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें इंदौर रेफर कर दिया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते लोड के कारण ट्रांसफार्मर पर अतिरिक्त दबाव बना हुआ था, जिससे यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही तिरला थाना प्रभारी ज्योति पटेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू कर दी है। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

गुजरात जा रहे 26 नाबालिग बच्चों को तस्करी की आशंका में किया रेस्क्यू

जागरण, उज्जैन। बच्चों की तस्करी की सूचना पर उज्जैन स्टेशन पर बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान अंत्योदय एक्सप्रेस ट्रेन को उज्जैन और फिर नागदा स्टेशन पर रोककर पुलिस, बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) और अन्य विभागों की टीम ने 26 नाबालिग बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। सभी बच्चे नाबालिग हैं, जिनमें से दो की उम्र 14 साल से भी कम है। सभी बच्चों को उज्जैन जीआरपी को सौंप दिया गया है। परिजनों से संपर्क कर आगे की कार्रवाई तय होगी, वहीं बच्चों को फिलहाल सीडब्ल्यूसी उज्जैन में रखा जाएगा।

जानकारी के अनुसार, बाल कल्याण समिति को सूचना मिली थी कि 100 बच्चों को मजदूरी के लिए मुजफ्फरनगर से अहमदाबाद ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही उज्जैन में चार थानों का बल, आरपीएफ, जीआरपी, श्रम विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम को अलर्ट किया गया। रात 11 बजे जैसे ही अंत्योदय एक्सप्रेस उज्जैन स्टेशन पहुंची, टीम ने ट्रेन में सर्चिंग शुरू की। करीब आधे घंटे तक 50 से अधिक बच्चों और उनके साथ मौजूद लोगों से पूछताछ की गई, जिसमें शुरुआती तौर पर 4 बच्चों को रेस्क्यू किया गया। इसी दौरान ट्रेन आगे बढ़ गई। रेस्क्यू ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहीं सीएसपी दीपिका शिंदे ने तत्काल नागदा स्टेशन को सूचना देकर ट्रेन रुकवाई। वहां एक घंटे तक चली सर्चिंग के बाद 22 और नाबालिग बच्चों को ट्रेन से उतारा गया। इस तरह कुल 26 बच्चों को रेस्क्यू किया गया।

छतरपुरः परिवहन में देरी से भीगा हजारों क्विंटल गेहूं

जागरण,छतरपुर। प्रदेश सरकार किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी कर रही है लेकिन परिवहन को लेकर लापरवाही देखी जा रही है। मामला छतरपुर का है। जिले में खरीदी के लिए 80 केंद्र बनाए हैं। जिला मुख्यालय छतरपुर में ही चार केंद्र हैं। इनमें से एक केंद्र वेयर हाउस बगौता समिति में विगत दिवस हुई बारिश ने परिवहन व्यवस्था की पोल खोल दी है। बारिश से बगौता मंडी का हजारों क्विटंल गेहूं खुले में पड़ा होने कारण भीग गया। ऐसा तब हुआ जब मौसम विभाग लगातार बारिश की चेतावनी दे रहा था। परिवहन से जुड़े ठेकेदार और अधिकारियों ने मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया और स्थिति यह बनी कि खुले में रखी हुई हजारों बोरी गेहूं की भीग गईं, जो गेहूं तुल चुका है और उसके भीगने से अब प्रशासन को सीधा-सीधा राजस्व का नुकसान उठाना पड़ेगा।

बिजनेस प्लस

पतंजलि अनुसंधान संस्थान और सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया के बीच एमओयू

हरिद्वार। वैश्विक स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान और विशेष रूप से समग्र स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पतंजलि अनुसंधान संस्थान और ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन नई दिल्ली स्थित ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग में संपन्न हुई वार्ता के ही आगे की कार्यवाही के अंतर्गत किया है। यह साझेदारी दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक साक्ष्य-आधारित सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक निर्णायक पहल है, जो पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय को वैश्विक मंच पर स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के समन्वय में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, और सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी, जो ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में स्थित एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान है, इस साझेदारी के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह सहयोग न केवल दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता को एक मंच पर लाएगा, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान के लिए भी एक सशक्त आधार तैयार करेगा। सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी के प्रो-वाईस-चांसलर (रिसर्च एंड एजुकेशन इम्पैक्ट) प्रोफेसर बेन रॉश कहा कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य अनुसंधान, शिक्षण और छात्र-आदान-प्रदान जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को प्रोत्साहित करना है। इसके अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाले विषयों पर अनुसंधान करेंगे। यह समझौता ज्ञापन सनातन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के मध्य एक सेतु का कार्य करेगा। सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी के नेशनल सेंटर फॉर नैचुरोपैथिक मेडिसिन के फाउंडेशन डायरेक्टर प्रोफेसर जॉन वार्डल ने बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थान साझा अनुसंधान परियोजनाओं का विकास करेंगे, सरकारी अनुदान के लिए संयुक्त आवेदन करेंगे और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध प्रकाशनों को बढ़ावा देंगे।

वेकोलि में कोयला श्रमिक दिवस संपन्न

नागपुर। टीम वेकोलि ने अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर शुक्रवार को कोयला श्रमिक (खनिक) दिवस मनाया। कंपनी मुख्यालय में निदेशक (वित्त) बिक्रम घोष, निदेशक (मानव संसाधन) डॉ. हेमंत शरद पांडे, मुख्य सतर्कता अधिकारी अजय मधुकर म्हेत्रे, संचालन समिति के सदस्य शिव कुमार यादव, सीजे जोसेफ, एसआर गबाले, कल्याण मंडल के सदस्य, महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने शहीद स्मारक तथा कोयला खनिक की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर निदेशक (वित्त) श्री बिक्रम घोष ने सभी को देश हित में कार्य करने के लिए संकल्प दिलाया। निदेशक (मानव संसाधन) डॉ. हेमंत शरद पांडे ने सभी को श्रमिक दिवस तथा महाराष्ट्र स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने श्रमिकों के योगदान का जिक्र करते हुए श्रम तथा श्रमिकों के महत्व पर अपनी बात रखी। इस मौके पर संचालन समिति के सदस्य सीजे जोसेफ ने भी संबोधित किया। इस मौके पर महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। उपस्थित सभी ने खनिक मूर्ती पर पुष्पांजलि अर्पित की।

हर श्रमिक परिवार को मिलेगी स्वास्थ्य सुरक्षा : सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित 'श्रमवीर गौरव समारोह 2026' में श्रमिकों के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रदेश का विकास तभी सार्थक है, जब श्रमिक वर्ग सशक्त और सुरक्षित हो। इसी दृष्टि से राज्य सरकार श्रमिक परिवारों को व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा कवच से जोड़ने का अभियान तेजी से आगे बढ़ा रही है। अब तक 12 लाख 26 हजार निर्माण श्रमिकों को आयुष्मान कार्ड सुविधा दी जा चुकी है, जिससे उनके परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध हो रहा है। शेष 15 लाख 83 हजार श्रमिकों को भी शीघ्र इस योजना से जोड़ने का लक्ष्य है। औसतन एक परिवार में 5 सदस्यों के आधार पर, यह पहल 75 से 80 लाख लोगों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ देगी। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश में कम से कम 1 करोड़ श्रमिक परिवारों, यानी लगभग 5 करोड़ लोगों तक इस योजना का सीधा लाभ पहुंचाना है, जो प्रदेश के इतिहास में श्रमिक कल्याण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वॉयर पर छाईं गुना की अलपा सूद

जागरण, गुना। अपनी मेधा और कड़े परिश्रम के दम पर गुना की एक बेटी ने सात समंदर पार देश और अपने गृह नगर का नाम रोशन किया है। गुना की रहने वाली अलपा सूद को विश्व के टॉप 40 इनोवेटिव लीगल लीडर्स की प्रतिष्ठित सूची में शामिल किया गया है। इस उपलब्धि का गौरव तब और बढ़ गया जब न्यूयॉर्क के सुप्रसिद्ध टाइम्स स्क्वॉयर की स्क्रीन पर अलपा सूद की फोटो और उनकी उपलब्धि का तीन बार प्रदर्शन किया गया। दुनिया भर के दिग्गज विधि विशेषज्ञों के बीच जगह बनाना गुना के साथ प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। अलपा सूद वर्तमान में वैश्विक स्तर की जानी-मानी कंपनी मार्वल सेमीकंडक्टर में इंडिया लीगल हेड के पद पर कार्यरत हैं। यह कंपनी डेटा सेंटर्स के लिए आधुनिक चिप्स डिजाइन करने का काम करती है। भारत में कंपनी के संपूर्ण कानूनी विभाग (लीगल सेक्शन) की कमान अलपा ही संभालती हैं, उनकी इस कार्यशैली और विधिक विशेषज्ञता के कारण उन्हें दुनिया भर के 39 अन्य प्रतिष्ठित लीडर्स के साथ इस खास सूची में चुना गया है।

कूनो से निकला चीता कालीपीठ में दिखा

जागरण, ब्यावरा। राजगढ़ जिले के कालीपीठ क्षेत्र में कूनो नेशनल पार्क से निकला एक चीता पहुंचने की सूचना से इलाके में हलचल मच गई है। सुबह करीब 8 बजे देखे गए इस चीते की गतिविधियों पर वन विभाग और पुलिस की टीमें लगातार नजर बनाए हुए हैं, जबकि ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

युद्ध का विदेश से पैसा भेजने पर कोई असर नहीं : आरबीआई

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारत में विदेश से भेजे जाने वाले 'मनी ऑर्डर' पर असर पड़ने की संभावना नहीं है और देश का भुगतान संतुलन 'संतोषजनक' स्थिति में बना रहेगा। गुप्ता ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि भारत के भुगतान संतुलन में कुछ अंतर्निहित मजबूती है, जिसमें चालू खाते के तहत मजबूत धनप्रेषण यानी बाहर से आने वाला मनी ऑर्डर और सेवा निर्यात तथा पूंजी खाते में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'भारत को हर साल 135 अरब डॉलर से अधिक रकम विदेशों से भेजी जाती है और यह राशि लगातार बढ़ रही है। यहां तक कि कोविड-19 जैसे संकट के दौरान भी इसमें केवल मामूली गिरावट आई थी।' उन्होंने कहा कि भारतीय धनप्रेषण में पश्चिम एशिया का हिस्सा घटकर लगभग 40 प्रतिशत रह गया है और प्रवासी भारतीयों का भौगोलिक वितरण अब अधिक विविध हो गया है। भारतीय प्रवासी अब सूचना प्रौद्योगिकी, होटल, स्वास्थ्य, शिक्षा और निर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं, जिससे किसी एक क्षेत्र में व्यवधान का समग्र प्रवाह पर सीमित प्रभाव पड़ता है।आरबीआई की डिप्टी गवर्नर ने कहा कि मार्च के धनप्रेषण आंकड़े पहले की तुलना में बेहतर रहे हैं, जो संभवतः लौटे प्रवासियों द्वारा लाए गए संचित धन के कारण हो सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्ष मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य तक सीमित है और पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र पर इसका व्यापक असर नहीं है।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स में बदलाव; रवि बने सीएमडी

बंगलूरु, जेएनएन। रक्षा क्षेत्र की सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में बड़ा बदलाव हुआ है। रवि के ने शुक्रवार को कंपनी के 22वें अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में पद संभाल लिया। उन्होंने डॉ. डीके सुनील की जगह ली है, जो 30 अप्रैल 2026 को सेवानिवृत्त हो गए।

रवि के के पास अनुसंधान एवं विकास, विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे विविध क्षेत्रों में 30 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है। इससे पहले वे एचएएल में निदेशक (संचालन) के पद पर कार्यरत थे और कंपनी को 'महारत्न' का दर्जा दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य एचएएल को नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, परिचालन उत्कृष्टता और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से एक वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी एयरोस्पेस और रक्षा उद्यम में बदलना है। रवि के ने अपने करियर में कई अहम नेतृत्व जिम्मेदारियां निभाई हैं। वे कार्यकारी निदेशक और एलसीए तेजस डिवीजन के महाप्रबंधक रह चुके हैं, साथ ही कार्यकारी निदेशक (कॉर्पोरेट योजना) जैसे रणनीतिक पदों पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस का जेट ईंधन 5 प्रतिशत महंगा हुआ

लगातार दूसरे महीने बढ़े दाम, विमानों का किराया बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली, जेएनएन। अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस के लिए विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमत में शुक्रवार को 5 फीसदी की वृद्धि हुई। कीमतों में लगातार दूसरे महीने उछाल आई है, क्योंकि तेल कंपनियों ने ऊर्जा की वैश्विक कीमतों में वृद्धि को समायोजित तरीके से आगे बढ़ाया है। हालांकि, घरेलू एयरलाइंस के लिए एटीएफ की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ऐसे में अनुमान है कि घरेलू उड़ानों का किराया नहीं बढ़ेगा।

दो दशक पहले हुआ था कीमतों का विनियमन

एक मई के फैसले के बाद दिल्ली में एटीएफ की कीमतें 76.55 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोलीटर या 5.33 फीसदी बढ़कर 1511.86 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोलीटर हो गईं। एक अप्रैल को कीमतों में वृद्धि के बाद जेट फ्यूल एक मई को पांच फीसदी और महंगे हुए, यानी एक माह में दूसरी बार कीमतों में उछाल आया है। गौरतलब है कि जेट ईंधन की कीमतें दो दशक पहले विनियमित की गई थीं।

सरकार रख रही कीमतों पर नजर

हालांकि उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में आई भारी तेज़ी को देखते हुए, जब एटीएफ की कीमतों में अब तक की सबसे बड़ी बढ़ोतरी करने की ज़रूरत पड़ी, तो सरकार और सरकारी तेल कंपनियों ने एक संतुलित और सोच-समझकर कदम उठाने का फ़ैसला किया है। उन्होंने बताया कि जहां एक ओर विदेशी एयरलाइंस और अन्य विमान कंपनियां बाजार दरों पर भुगतान करेंगी, वहीं दूसरी ओर घरेलू एयरलाइंस के लिए कीमतों को कुछ हद तक कंट्रोल रखा गया है।

क्यों बढ़ रही है एयरलाइंस जेट फ्यूल की कीमत

जेट फ्यूल की कीमतों को दो दशक से भी पहले ही कंट्रोल फ्री कर दिया गया था। तब से, एयरलाइंस के साथ हुए एक लिखित समझौते के अनुसार, इसकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार की बेंचमार्क कीमतों के आधार पर तय की जाती हैं। इस समय कच्चे तेल का दाम 120 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया है, जिस कारण जेट फ्यूल की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में भारी उछाल आया था। सरकार और राज्य-स्वामित्व वाली तेल कंपनियों ने एक समायोजित दृष्टिकोण अपनाया है। विदेशी एयरलाइंस बाजार दरों का भुगतान करेंगी, जबकि घरेलू एयरलाइंस के लिए कीमतें नियंत्रित रखी गई हैं।

जीएसटी कलेक्शन अप्रैल में बढ़कर रिकॉर्ड 2.42 लाख करोड़ रु. पहुंचा

नई दिल्ली, जेएनएन। अप्रैल 2026 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन बढ़कर लगभग 2.43 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को अप्रैल 2026 का मासिक जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े जारी किए। प्रोविजनल आंकड़ों के अनुसार, देश का कुल सकल जीएसटी राजस्व अप्रैल 2026 में 2,42,702 करोड़ रुपए पहुंच गया। यह अप्रैल 2025 के 2,23,265 करोड़ रुपए की तुलना में 8.7 फीसदी अधिक है। शुद्ध जीएसटी राजस्व (रिफंड घटाकर) 2,10,909 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल के 1,96,618 करोड़ रुपए से 7.3 फीसदी ज्यादा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था युद्ध ने दिया झटका

अप्रैल के आंकड़े मार्च महीने के दौरान एकत्र किए गए तेल के हैं, जब ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका दिया और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया। क्षेत्र में फिर से तनाव की आशंकाओं के कारण 30 अप्रैल को ब्रेंट क्रूड की कीमतें 126 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई। आंकड़े देखें तो सकल घरेलू राजस्व में साल-दर-साल 4.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1.85 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जबकि आयात से संबंधित जीएसटी राजस्व में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 57,580 करोड़ रुतक पहुंच गया।

आयात से जीएसटी राजस्व में हुई बढ़ोतरी

इस महीने के दौरान रिफंड में भी वृद्धि हुई, कुल रिफंड में 19.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 31,793 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें घरेलू रिफंड में 54.6 प्रतिशत की वृद्धि मुख्य कारण रही, जबकि निर्यात से संबंधित रिफंड में 14 प्रतिशत की गिरावट ने इस वृद्धि को आंशिक रूप से संतुलित कर दिया।

कैसे रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा जीएसटी कलेक्शनः मासिक रुझानों से पता चलता है कि जीएसटी संग्रह अप्रैल 2022 में लगभग 1.67 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपये हो गया, फिर अप्रैल 2025 में 2.23 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया और वर्तमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अप्रैल 2026 में वार्षिक वृद्धि दर धीमी होकर 8.7 प्रतिशत हो गई, जो मार्च में 8.8 प्रतिशत थी। हालांकि जीएसटी संग्रह निरपेक्ष रूप से नए उच्च स्तर पर पहुंच रहा है, लेकिन विकास की गति जारी रही है। अप्रैल 2026 में वार्षिक वृद्धि दर धीमी होकर 8.7 प्रतिशत हो गई, जो मार्च में 8.8 प्रतिशत थी। इससे पता चलता है कि हालांकि जीएसटी संग्रह निरपेक्ष रूप से नए उच्च स्तर पर पहुंच रहा है, लेकिन विस्तार की गति विशेष रूप से उपभोग से जुड़ी धीमी हो सकती है, जिसमें हाल के लाभों में आयात-आधारित राजस्व की बड़ी भूमिका रही है।

15 जून से नोएडा एयरपोर्ट से कमर्शियल फ्लाइट शुरू होंगी

गौतम बुद्ध नगर, जेएनएन। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट 15 जून 2026 से यात्रियों के लिए खुल जाएगा। एयरपोर्ट प्रशासन ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। उद्घाटन के बाद यहां से कमर्शियल उड़ानें शुरू हो जाएंगी। एयरपोर्ट को संचालन की मंजूरी नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से एयरपोर्ट सिक्योरिटी प्रोग्राम क्लियर होने के बाद मिली है। इसके साथ ही सुरक्षा ढांचा, सिस्टम और ऑपरेशन सभी नियामकीय मानकों पर खरे पाए गए हैं। एयरपोर्ट से पहली कमर्शियल फ्लाइट इंडिगो संचालित करेगी। इसके बाद जल्द ही अकासा एयरलाइन और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी अपनी सेवाएं शुरू करेंगी। फ्लाइट शेड्यूल की जानकारी जल्द जारी की जाएगी। हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को देखते हुए तैयार किए गए इस एयरपोर्ट में आधुनिक टर्मिनल, बेहतर ऑपरेशन सिस्टम और मजबूत मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी दी गई है। इससे यात्रियों को आसान सफर के साथ एयरलाइंस को किफायती और भरोसेमंद संचालन का फायदा मिलेगा। इससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी और पर्यटन, व्यापार व निवेश के नए अवसर खुलेंगे।

1.2 करोड़ यात्रियों की सालाना क्षमता

यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित यह प्रोजेक्ट की शुरुआत 1 अक्टूबर 2021 से हुई थी। यह पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर आधारित है और इसकी रियायत अवधि 40 साल है। फिलहाल एयरपोर्ट में एक रनवे और एक यात्री टर्मिनल तैयार है, जिसकी सालाना क्षमता 1.2 करोड़ यात्रियों की है। मास्टर प्लान के तहत इसे आगे बढ़ाकर 7 करोड़ से ज्यादा यात्रियों की क्षमता तक विकसित किया जाएगा। एयरपोर्ट को 'नेट जीरो एमिशन' लक्ष्य के साथ विकसित किया गया है, जिसमें स्विस टेक्नोलॉजी और भारतीय आतिथ्य का संयोजन देखने को मिलेगा।

यूरोपीय कारों पर 25 फीसदी टैरिफ, क्यूबा पर नए प्रतिबंध

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि मैं अगले हफ़्ते ही यूरोपीय संघ से आयात होने वाली कारों और ट्रकों पर टैरिफ बढ़ाकर 25% करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने इस गुट पर पहले से तय व्यापार समझौते का पालन न करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी प्लांट में असेंबल किए गए वाहनों पर ये बढ़ी हुई ड्यूटी लागू नहीं होगी।

सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने इस कदम को एक सुधारात्मक उपाय और निर्माताओं के लिए अमेरिका में उत्पादन बढ़ाने का एक प्रोत्साहन, दोनों के रूप में पेश किया है। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि अगले हफ़्ते मैं अमेरिका में आने वाली कारों और ट्रकों पर यूरोपीय संघ से लिए जाने वाले टैरिफ को बढ़ा दूंगा, टैरिफ बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया जाएगा। क्योंकि यूरोपीय संघ हमारे पूरी तरह से सहमत व्यापार समझौते का पालन नहीं कर रहा है।

क्यूबा पर प्रतिबंध के दिए आदेश

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस के अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत क्यूबा सरकार पर नए प्रतिबंध लगाए गए हैं।

यह कार्यकारी आदेश क्यूबा के खिलाफ अमेरिका के मौजूदा प्रतिबंधों का दायरा बढ़ाता है। इसके साथ ही क्यूबा के सुरक्षा तंत्र को समर्थन देने, सरकारी भ्रष्टाचार में संलिप्तता या मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामलों में नए प्रतिबंध लगाता है। ट्रंप के आदेश में क्यूबा पर ईरान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने और हिज़्बुल्लाह जैसे उग्रवादी समूहों को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराने का आरोप लगाया गया है।

एआई के दौर में बदल रहा जीसीसी मॉडल

हाइब्रिड रणनीति की ओर बढ़ रही कंपनियां

बदलाव के पीछे तीन मुख्य कारण

- एआई तकनीक की तेज रफ्तार
- इंफ्रास्ट्रक्चर और अपनाने की गति
- स्किल्स की कमी

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) तेजी से अपने ऑपरेटिंग मॉडल में बदलाव कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के बढ़ते प्रभाव के बीच अब ये सेंटर हाइब्रिड मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जिसमें इन-हाउस टीम और बाहरी पार्टनर्स दोनों की भूमिका अहम हो गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बदलाव किसी कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि एक रणनीतिक फैसला है। कंपनियां अब जटिल और उच्च मूल्य वाले काम अपने अंदर रख रही हैं, जबकि तेजी और विशेषज्ञता के लिए बाहरी आईटी और कंसल्टिंग फर्म्स की मदद ले रही हैं। जीसीसी जानबूझकर हर काम इन-हाउस नहीं ला रहे हैं, ताकि लागत का दबाव कम हो, जोखिम घटे और लचीलापन बना रहे। खासकर एआई जैसे तेजी से बदलते क्षेत्रों में हर तकनीक को अंदर विकसित करना न तो व्यावहारिक है और न ही लागत के लिहाज से सही।

केपीएमजी इंडिया की शालिनी पिल्लई ने इसे एक ट्रांजिशन फेज बताया है। उन्होंने कहा कि कंपनियां अब डेटा तैयारी, प्रोसेस इंटेलिजेंस और संगठनात्मक क्षमता बढ़ाने के लिए बाहरी पार्टनर्स का सहारा ले रही हैं। अब एफएमसीजी और थर्ड-पार्टी कंपनियों के बीच साझेदारी का स्वरूप भी बदल रहा है। पहले जहां फोकस केवल लागत कम करने पर था, वहीं अब यह 'आउटकम आधारित' और 'कैपेबिलिटी आधारित' हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई के प्रति बढ़ती होड़ के कारण कई कंपनियां बिना स्पष्ट लाभ के भारी निवेश कर रही हैं। ऐसे में जीसीसी पहले बाहरी पार्टनर्स के साथ प्रयोग (सैंडबॉक्स) कर रही हैं और सफल होने पर ही इन क्षमताओं को अपने भीतर ला रही हैं।

प्रथम पृष्ठ के शेष

अब प्रदेश के जलाशयों ...

अधिकारियों एवं दूसरे जनप्रतिनिधियों के साथ दुर्घटना स्थल का जायजा लिया। इस दर्दनाक हादसे में मां-बेटे की मौत से जहां दिल्ली का परिवार बिखर गया। परिवार के तीन लोग इस हादसे में बच नहीं सके। जबकि पति, बेटी व ससुर बचा लिये गए। वहीं जबलपुर के खमरिया में रहने वाले कामराज के परिवार पर भी पहाड़ टूटा है। इस परिवार के 15 लोग क्रूज में सवार थे। इनमें से पत्नी काकुलाझी का शव गुरूवार को ही मिल गया था तो पति कामराज और बेटे तमिल का 24 घंटे बाद भी कोई पता नहीं है। कामराज के बुजुर्ग माता-पिता कल शाम से ही घाट पर बैठे हैं। बाकी उनके भैया भाभी व अन्य रिश्तेदारों को रेस्क्यू टीम ने बचा लिया था।

गुरुवार शाम हुए इस हादसे के बाद देर रात तक टार्च की रोशनी में सर्च ऑपरेशन चलाया जाता रहा। शुक्रवार सुबह से चलाए गए ऑपरेशन में कुछ लोगों को सुरक्षित निकालने में कामयाबी मिली तो शव मिलने से बरगी का घाट मातम में डूबता चला गया। चार लोगों का अभी भी पता नहीं चला है। इनकी तलाश में चलाए जा रहे ऑपरेशन को शुक्रवार शाम अचानक बदले मौसम ने रोक दिया। तेज बारिश होने से सर्चिंग रोक दी गई है। शनिवार सुबह 5 बजे से फिर सर्चिंग की जाएगी। ऐसे में अपनों के लौटने की आस लगाए बैठे परिजनों का इंतजार और बढ़ गया है।

इस हादसे में मृतकों की संख्या के साथ ही सुरक्षित निकल रहे लोगों की संख्या बढ़ने के साथ ही पर्यटन निगम, बोट क्लब के स्टॉफ पर उठने वाली उंगलियां भी बढ़ती जा रही है। बोट क्लब ने प्रशासन को घटना के तत्काल बाद बताया था कि कुल 29 लोगों को टिकट जारी की गई थी। मगर अब तक प्रशासन द्वारा जारी सूची के मुताबिक ही 41 से ज्यादा नाम सामने आ चुके हैं। वहीं लाइफ जैकेट भी किसी को नहीं दी गई थी। वीडियो में भी अधिकांश लोग बिना जैकेट के नजर आए हैं। पायलट ने खुद स्वीकार किया कि मौसम बदलने पर जैकेट दी गईं। बचकर बाहर निकले यात्रियों ने बताया है कि पानी भरने पर क्रूज स्टॉफ भाग गया था। वे लोगों को बचाने भी नहीं आया। लोगों को जैकेट भी मुश्किल से दी गईं। कई पर्यटक तो जैकेट पहन भी नहीं सके। पानी भरने पर लोगों ने ही कांच फोड़कर अपनी जान बचाई।

मृतकों में 8 महिलाएं और एक बच्चा

- नीतू सोनी (43), निवासी कोतवाली, जबलपुर
- सौभाग्यम अलागन (42), निवासी अन्नानगर, वेस्ट तारापुरम, तमिलनाडु
- मधुर मैसी (62), निवासी खाजन बस्ती, नई दिल्ली
- काकुलाझी पति/पिता कामराज (38), निवासी वेस्ट लैंड खमरिया, जबलपुर
- रेशमा सैयद (66), निवासी सिविल लाइन, भसीन आर्केड, जैक्सन होटल के पास
- शमीम नकवी (68), निवासी डेरखी, भोपाल
- मरीना मैसी पति प्रदीप मैसी (39), निवासी दिल्ली
- त्रिशान पिता प्रदीप मैसी (4), निवासी दिल्ली
- ज्योति सेन, निवासी फूटाताल, जबलपुर।

जूनियर को भी प्राचार्य ...

अदालत ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 25 अगस्त और 8 सितंबर 2021 को जारी उन सर्कुलरों को भी अल्प संख्यक संस्थाओं के संबंध में निरस्त कर दिया, जिनमें इन संस्थाओं को वरिष्ठतम शिक्षक को ही प्रभारी बनाने का प्रावधान किया गया था। यह विवाद तब अदालत में पहुंचा था जब विदिशा के एसएसएल जैन पीजी कॉलेज की प्रबंधन समिति ने प्रभारी प्राचार्य डॉ. शोभा जैन के सेवानिवृत्त होने के बाद डॉ. एसके उपाध्याय को प्रभारी प्राचार्य नियुक्त किया था। उच्च शिक्षा विभाग के क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक ने इस फैसले को निरस्त करते हुए वरिष्ठता के आधार पर डॉ. अर्चना जैन को प्रभार सौंपने का आदेश दिया था।

तेल की ऊंची कीमतों से बढ़ेगी महंगाई विकास दर पर भी होगा असरः विशेषज्ञ बोले

नई दिल्ली, जेएनएन। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल भारत की अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर डाल सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि कच्चे तेल की कीमत लंबे समय तक 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती है, तो देश में महंगाई 5 फीसदी से ऊपर जा सकती है और आर्थिक विकास दर 6 फीसदी से नीचे गिर सकती है। इस सप्ताह कच्चे तेल की कीमत 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जो मार्च 2022 के बाद सबसे ज्यादा है।

अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अगर यह स्तर लंबे समय तक बना रहा, तो वित्त वर्ष 2026-27 में आर्थिक संतुलन बिगड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से सरकार का राजकोषीय घाटा भी बढ़ सकता है। अनुमान है कि यह जीडीपी का 5 फीसदी तक पहुंच सकता है, जो मौजूदा स्तर से करीब 50 बेसिस पॉइंट ज्यादा होगा।

तीन संभावित परिदृश्य

- यदि कीमत 85 डॉलर रहती है, तो विकास दर करीब 6.5 फीसदी रह सकती है
- 105 डॉलर पर यह घटकर 5.8 फीसदी हो सकती है
- यदि कीमत 125 डॉलर तक पहुंचती है, तो विकास दर 5 फीसदी या उससे नीचे जा सकती है

नतीजाः इसी तरह महंगाई भी इन परिस्थितियों में 4.5 फीसदी से बढ़कर 5 फीसदी से ज्यादा हो सकती है।

इसके अलावा चालू खाता घाटा भी बढ़ने की आशंका है, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। केयर रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा के मुताबिक, ऐसी स्थिति में रुपये की कीमत भी कमजोर होकर 98 प्रति डॉलर तक जा सकती है। इससे आयात महंगा होगा और घरेलू मांग पर दबाव पड़ेगा। इंडिया रेटिंग्स के डीके पंत का कहना है कि स्थिति बेहद अनिश्चित है और यह इस बात पर निर्भर करेगी कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें कितने समय तक बनी रहती हैं। उनका अनुमान है कि तेल की कीमत में हर 10 डॉलर की वृद्धि से चालू खाता घाटा करीब 16.7 अरब डॉलर बढ़ सकता है।

तेल कीमतों में गिरावट और बेहतर नतीजों से अमेरिकी बाजार ऊंचाई पर

न्यूयॉर्क, जेएनएन। अमेरिकी शेयर बाजार में शुक्रवार को मजबूती देखी गई और प्रमुख इंडेक्स नए रिकॉर्ड स्तरों की ओर बढ़ते नजर आए। मजबूत कॉर्पोरेट नतीजों और तेल की कीमतों में आई गिरावट ने बाजार को सहारा दिया। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.6 फीसदी चढ़कर अपने ऑल-टाइम हाई के ऊपर कारोबार करता दिखा। वहीं डॉव जोन्स 162 अंक (0.3 फीसदी) ऊपर रहा और नैस्डैक 0.9 फीसदी बढ़कर अपने रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गया। इस तेजी में सबसे बड़ा योगदान एप्पल का रहा, जिसके शेयर करीब 4 फीसदी उछल गए। कंपनी ने तिमाही नतीजों में उम्मीद से बेहतर मुनाफा और राजस्व दर्ज किया। चूंकि एप्पल वॉल स्ट्रीट की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है, इसलिए इसके प्रदर्शन का असर पूरे बाजार पर पड़ा। इसके अलावा एस्ती लॉडर के शेयर 6.8 फीसदी और कोलगेट-पामोलिव के शेयर 2.7 फीसदी बढ़े, क्योंकि दोनों कंपनियों ने भी अनुमान से बेहतर नतीजे पेश किए। रिपोर्ट के अनुसार, एसएंडपी 500 की करीब 25 फीसदी कंपनियां अपने नतीजे घोषित कर चुकी हैं।

अनुलग्नक-I
सं. NFSC/ACAD-BE/111(B-1)-2025-26
भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय, नागपुर
विज्ञापन संख्या 1
प्रथम वर्ष बी-टेक (फायर इंजीनियरिंग) 2026-27 का 33वाँ बैच
शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए प्रथम वर्ष बी-टेक (फायर इंजीनियरिंग) के 33वें बैच में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन निर्धारित प्रारूप में वेबसाइट www.nfscnagpur.nic.in पर अपलोड किया गया है।
प्रवेश पूरी तरह से जेईई सीआरएल रैंकिंग के आधार पर होगा। अधिक जानकारी और विवरण वेबसाइट www.nfscnagpur.nic.in पर उपलब्ध हैं।
Cbc 19135/11/0001/2627
निदेशक

कार्यालय नगर परिषद् सुठालिया, जिला राजगढ़ (म. प्र.)
E-MAIL ID- CMONPSUTH@GMAIL.COM
क्रमांक/460/लोक निर्माण/2026
दिनांक 30.04.2026
ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम)
एतद् द्वारा निम्नलिखित निर्माण कार्यों के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	निर्माण कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रु. लाख में)	कार्य की अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	पूर्णता अवधि (माह)	ऑनलाइन निविदा क्र.	एनआईटी क्रमांक	ठेकेदार की श्रेणी
1	एसबीएम 2.0 के अंतर्गत सुठालिया नगर में इंटरसेप्शन व डायवर्सन सहित वेट लैंड तकनीक के माध्यम से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट क्षमता 0.80 MLD का निर्माण	272.96	136480	15000	12 माह वर्षाकाल सहित	2026_UAD_504478_1	454 दिनांक 30.04.2026	C & above

- उक्त कार्यों के निविदा प्रपत्र दिनांक 04.05.2026 समय प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 02.06.2026 समय सायं 06:00 बजे तक वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त हो सकेंगे।
- निविदा में संशोधन, यदि कोई होता है, तो केवल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नहीं।
- उपरोक्त कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

लक्ष्मी बाई लोधी
अध्यक्ष
नगर परिषद् सुठालिया

इकरार अहमद
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् सुठालिया

लगातार 3 हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स को नसीब हुई जीत, राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से रौंदा

जयपुर, जेएनएन। दिल्ली कैपिटल्स ने रोमांचक मैच में राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराकर आईपीएल में अपनी चौथी जीत दर्ज की। राजस्थान की ओर से रखे गए 226 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 3 विकेट के नुकसान पर जीत दर्ज कर ली। दिल्ली की आईपीएल इतिहास की अब तक सबसे बड़ी रन चेज है। दिल्ली कैपिटल्स ने 5 गेंद बाकी रहते मैच को जीत लिया। इससे पहले दिल्ली ने 210 रनों का लक्ष्य चेज किया था जो उसका सबसे बड़ा रन चेज था। इस जीत से दिल्ली पॉइंट टेबल में आठ अंकों के साथ छठे नंबर पर पहुंच गई। राजस्थान रॉयल्स द्वारा निर्धारित 225 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने बेहद आक्रामक शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका और केएल राहुल ने शुरुआती ओवरों से ही विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। निसांका ने महज 33 गेंदों में 62 रनों की तूफानी पारी खेलकर टीम की नींव रखी। पारी के बीच के ओवरों में दिल्ली ने पथुम निसांका और नितीश राणा के विकेट जरूर गंवाए, लेकिन केएल राहुल ने दूसरे छोर पर संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन बनाए रखा। राहुल 40 गेंदों पर 75 रन की पारी खेलकर आउट हुए. उन्होंने छह चौके और पांच छक्के लगाए। राणा ने 17 गेंदों पर 33 रन बनाए। आशुतोष शर्मा ने नाबाद 25 रन बनाए वहीं ट्रिस्टन स्टब्स 18 रन बनाकर नाबाद लौटे।

दिल्ली का आईपीएल इतिहास की अब तक सबसे बड़ा रन चेज

पराग-जडेजा ने 53 रन की साझेदारी की

पराग ने जैमीसन की गेंदों पर लगातार तीन बाउंड्री लगाकर रन गति को इजाफा दिया, इनमें एक शानदार अपरकट भी शामिल था। जडेजा के स्टार्क की गेंद का शिकार होने से पहले उन्होंने और पराग ने चौथे विकेट के लिए 53 रन जोड़े। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्टार्क ने पराग की पारी का भी अंत कर दिया जो कवर्स के ऊपर से खेलने की कोशिश में सीधे गेंद अक्षर के हाथों में दे बैठे। फरेरा ने फिर उपयोगी योगदान दिया जिसमें उन्होंने स्टार्क की गेंदों पर लगातार एक चौका और एक छक्का भी जड़ा।

मिचेल स्टार्क ने 40 रन देकर 3 विकेट लिए

दिल्ली कैपिटल्स के लिए सत्र का पहला मैच खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने 40 रन देकर तीन विकेट झटके। सूर्यवंशी को काइल जैमीसन ने यॉर्कर गेंद पर आउट किया जबकि जायसवाल भी स्टार्क को रिटर्न कैच दे बैठे। मेजबान टीम ने दो ओवर में 12 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। खराब फॉर्म से जूझ रहे बल्लेबाज पराग की स्टार्क के खिलाफ घबराहट साफ झलक रही थी लेकिन पराग ने छठे ओवर में जैमीसन की जमकर धुनाई की और लगातार छक्का, चौका और छक्का जड़कर आत्मविश्वास हासिल किया।

कप्तान रियान के दम पर 225 का स्कोर बनाया

इससे पहले, राजस्थान रॉयल्स ने कप्तान रियान पराग (90 रन) के अर्धशतक और अंत में डोनोवन फरेरा (14 गेंद में नाबाद 47 रन) की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत 6 विकेट पर 225 रन बनाए। पराग ने आठ चौके और पांच छक्के जड़ित 50 गेंद की पारी से अपने आस पास की कई चिंताओं को दूर कर दिया क्योंकि वह इस सत्र में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। उनकी मैदान पर ही मुश्किल काफी नहीं थीं कि उन्हें डगआउट में 'वेपिंग' करते हुए कैमरे में कैद कर लिया गया जिससे बीसीसीआई ने उन पर 25 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगा दिया।इसलिए उन्हें बहुत कुछ साबित करना था और इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने शानदार अंदाज में ऐसा करते हुए आईपीएल 2026 में अपना पहला पचासा बनाया।

भुवनेश्वर कुमार ने रचा इतिहास

टी20 में 350 विकेट लेने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बने

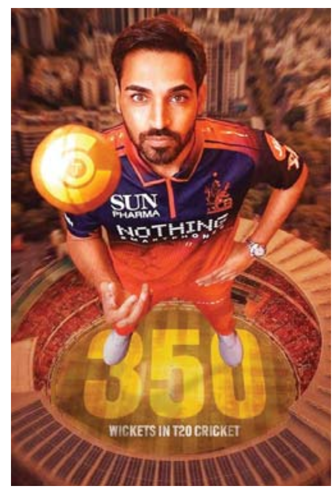

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गुरुवार (30 अप्रैल) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने गुजरात टाइटंस के ओपनर साई सुदर्शन को आउट करके इतिहास रच दिया। वह टी20 में 350 विकेट लेने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बने। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने। युजवेंद्र चहल के नाम सबसे ज्यादा विकेट हैं। लिस्ट में तीसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह हैं। चहल ने 337 मैचों में 391 विकेट लिए हैं। भुवनेश्वर कुमार ने 325वें मैच में 350 का आंकड़ा पार किया। जसप्रीत बुमराह के 278 मैच में 347 विकेट हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ भुवनेश्वर कुमार ने 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने साई सुदर्शन के अलावा शुभमन गिल 18 गेंद पर 43 और जोस बटलर 19 गेंद पर 39 रन को आउट किया। भुवनेश्वर ने 3 विकेट लेकर पर्पल कैप पर कब्जा जमा लिया। उनके 17 विकेट हो गए।

टी20 में 350 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर

गुरुवार को आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार ने गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन को आउट कर यह मील का पत्थर पार किया। वह टी20 में 350 विकेट पूरे करने वाले दूसरे भारतीय और पहले तेज गेंदबाज बने। युजवेंद्र चहल (391 विकेट) ही उनसे आगे हैं। भुवनेश्वर कुमार 350 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जसप्रीत बुमराह 278 मैचों में 347 विकेट के साथ तीसरे पर है।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

केएल राहुल (दिल्ली)	433
अभिषेक (हैदराबाद)	425
क्लासैन (हैदराबाद)	414

पर्पल कैप (गेंदबाज)

भुवनेश्वर (बेंगलुरू)	17
इशान मलिंगा (हैदराबाद)	15
आर्चर (राजस्थान)	15

बाउंड्री मीटर

790 छक्के
1354 चौके
84 अर्धशतक

दिल्ली कैपिटल्स के लिए सत्र का पहला मैच खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने 40 रन देकर तीन विकेट झटके।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	8	6	1	13	1.043
बेंगलुरु	9	6	3	12	1.420
हैदराबाद	9	6	3	12	0.832
राजस्थान	10	6	4	12	0.510
गुजरात	9	5	4	10	-0.192
दिल्ली	9	4	5	8	-0.895
चेन्नई	8	3	5	6	-0.121
कोलकाता	8	2	5	5	-0.751
मुंबई	8	2	6	4	0.784
लखनऊ	8	2	6	4	-1.106

थामस कप: लक्ष्य, सात्विक-चिराग ने दिलाई भारत को चीनी ताइपे पर बढ़त

होर्सेंस (डेनमार्क), जेएनएन। लक्ष्य सेन की जोरदार वापसी के बाद सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने भी तीन गेम तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की जिससे भारत ने शुक्रवार को यहां थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल्स के क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। लक्ष्य ने दो मैच प्वाइंट बचाते हुए विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को हराकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। लक्ष्य इस मैच में अधिकतर समय पीछे चल रहे थे लेकिन उन्होंने गजब का जुझारूपन दिखाया तथा एक घंटे और 28 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 18-21, 22-20, 21-17 से जीत दर्ज की। चोउ ने पहला गेम में 10-15 से पिछड़ने के बाद जीता, लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने दबाव में शानदार वापसी की। भारतीय खिलाड़ी ने 13-17 से पीछे रहने के बाद लगातार चार अंक जीतकर स्कोर बराबर कर लिया। चोउ को दो मैच प्वाइंट मिले, लेकिन लक्ष्य ने अपना संयम बनाए रखा और दोनों को बचाकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में 36 वर्षीय चोउ शारीरिक रूप से कमजोर पड़ते नजर आए और लक्ष्य ने इंटरवल तक 11-7 की बढ़त के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद भी उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और मैच जीतने में सफल रहे। दूसरा गेम भी काफी कड़ा रहा। शुरुआत में दोनों जोड़ियां 8-8 के स्कोर पर बराबरी पर थीं। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद 14-11 की बढ़त बनाई लेकिन ताइवानी खिलाड़ियों ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद आक्रामक खेल का सिलसिला जारी रहा, जिसमें दोनों टीमों का पलड़ा बराबर रहा लेकिन आखिर में चियू और वांग ने बढ़त बनाकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

भारत मजबूत स्थिति में

सात्विक और चिराग की युगल जोड़ी ने चियू सियांग चिएह और वांग ची-लिन को एक घंटे और 15 मिनट में 23-21 19-21 21-12 से हराकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। एशियाई चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट आयुष शेट्टी जब दूसरे एकल मुकाबले में विश्व के नंबर आठ और मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी से भिड़ेंगे तो भारत इस मुकाबले को अपने नाम करने की कोशिश करेगा। अन्य मैचों में हरिहरन आमसकारुनन और एमआर अर्जुन की जोड़ी का सामना लियू कुआंग हेंग और यांग पो-ह्सुआन से जबकि किदाम्बी श्रीकांत का सामना ची यू जेन से होगा।

यूरोपा लीग: वुड के गोल से नॉटिंघम फॉरेस्ट ने एस्टन विला पर बढ़त बनाई

इस्तांबुल। क्रिवुड के करियर के 200वें गोल से नॉटिंघम फॉरेस्ट ने यूईएफए यूरोपा लीग के सेमीफाइनल के दूसरे लेग में एस्टन विला के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। इस जीत ने फॉरेस्ट को फाइनल की दौड़ में मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया है। मैच की शुरुआत में दोनों टीमें बेहद रक्षात्मक नजर आईं, लेकिन फॉरेस्ट ने धीरे-धीरे खेल पर पकड़ बनानी शुरू कर दी। मॉर्गन गिब्स-व्हाइट ने दो अच्छे मौके बनाए, हालांकि वह उन्हें गोल में नहीं बदल सके। इलियट एंडरसन ने भी एक कोशिश की, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। दूसरी ओर, एस्टन विला ने भी जवाबी हमला किया। मॉर्गन रोजर्स के शानदार कर्लिंग शॉट को स्टीफन ऑर्टेगा ने बेहतरीन तरीके से रोक लिया। फॉरेस्ट का दबाव लगातार बना रहा। एमिलियानो मार्टिनेज को इगोर जीसस के प्रयास को गोल लाइन पर रोकने के लिए तेज प्रतिक्रिया दिखानी पड़ी। दूसरे हाफ में भी मुकाबला कड़ा रहा, जहां ओली वॉटकिंस को पॉइंट-ब्लैंक रेंज से गोल करने से ऑर्टेगा ने शानदार बचाव कर रोका। मैच के अंतिम पलों में निर्णायक मोड़ आया। ओमारी हचिंसन ने गेंद को खेल में बनाए रखा, जिसके बाद लुकास डिग्ने के हैंडबॉल के चलते पेनल्टी मिल गई। इस मौके पर क्रिस वुड ने कोई गलती नहीं की और दमदार शॉट के साथ गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। मैच के बाद वुड ने कहा कि यह दो लेग की टाई का केवल पहला हिस्सा है और असली चुनौती अभी बाकी है।

महिला वनडे रैंकिंग: आस्ट्रेलिया का दबदबा, भारत दूसरे स्थान पर

नयी दिल्ली, जेएनएन। इंग्लैंड ने ताजा महिला वनडे रैंकिंग में मौजूदा विश्व चैंपियन भारत पर अपनी बढ़त बढ़ा ली है और चार अंक की बढ़त से दूसरे स्थान पर है जबकि हरमनप्रीत कौर की टीम इस सूची में तीसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 163 रैंकिंग अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका पर जीत के साथ अपना पहला वनडे विश्व कप खिताब जीतने वाली भारतीय महिला टीम ने तब से तीन वनडे खेले हैं जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने श्रृंखला 3-0 से क्लीन स्वीप की। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, इंग्लैंड ने भारत पर अपनी बढ़त एक अंक से बढ़ाकर चार अंक कर ली है और वह 128 अंकों पर है। भारत (124), दक्षिण अफ्रीका (100), न्यूजीलैंड (93) और श्रीलंका (89) अन्य टीमें हैं जिन्होंने अपनी स्थिति बरकरार रखी है। पिछली रैंकिंग में भारत के पास 125 अंक थे जो इंग्लैंड के 126 अंक से महज एक कम था। वहीं चार अंकों की गिरावट के बावजूद ऑस्ट्रेलिया रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है। श्रीलंका को अपडेट के बाद छह अंकों का फायदा हुआ है जिससे न्यूजीलैंड के साथ उसका अंतर 13 से घटकर चार हो गया है जबकि बांग्लादेश ने पाकिस्तान को पीछे छोड़कर सातवां स्थान हासिल कर लिया है। विज्ञप्ति के अनुसार, थाईलैंड और नीदरलैंड फिलहाल तालिका से बाहर हो गए हैं, क्योंकि उन्होंने पिछले तीन वर्षों में जरूरी आठ वनडे नहीं खेले हैं।

आईपीएल की सबसे सफल टीमों चेन्नई और मुंबई के बीच होगा करो या मरो का मुकाबला

चेन्नई, जेएनएन। अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस की टीमों के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को यहां करो या मरो का मुकाबला होगा, जिसमें दोनों का लक्ष्य प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने की उम्मीद बनाए रखना होगा। आईपीएल इतिहास की दो सबसे सफल टीम का अब तक का अभियान निराशाजनक रहा है और वे लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। सीएसके के लिए एमए चिदंबरम स्टेडियम की परिस्थितियां अनुकूल रही हैं लेकिन उनके प्रदर्शन में वह प्रभाव देखने को नहीं मिला है जो वर्षों से उसकी पहचान रही है।

सीएसके की बल्लेबाजी गेंदबाजों के दबाव में: सीएसके की बल्लेबाजी में निरंतरता का अभाव रहा है। विशेषकर उसके बल्लेबाज बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसके गेंदबाज भी दबाव वाली परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए जूझ रहे हैं।

मंबई के मध्यक्रम और गेंदबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक: मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन भी इस सत्र में उतार-चढ़ाव वाला रहा है। शीर्षक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के बावजूद, पांच बार की चैंपियन टीम को कमजोर मध्यक्रम और गेंदबाजों ने निराश किया है। उसके गेंदबाज स्कोर का बचाव करने और महत्वपूर्ण मौकों पर विपक्षी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे हैं।

एआई जनरेटेड

दोनों टीमों में अस्तित्व की लड़ाई

सीएसके को उम्मीद होगी कि उसके स्पिनर चेपॉक की धीमी पिच का फायदा उठाने में सफल रहेंगे, जबकि मुंबई की टीम स्पिनरों का मुकाबला करने के लिए अपने पावर हिटर्स पर निर्भर रहेगी। चेन्नई और मुंबई की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए दोनों में से कोई भी टीम इस मैच में स्पष्ट रूप से जीत की हकदार नहीं है, जिससे यह मुकाबला आईपीएल की पारंपरिक रूप से सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता में वर्चस्व की लड़ाई के बजाय अस्तित्व की लड़ाई बन गया है।

मैदान से हटकर

अनुष्का का बर्थडे सेलिब्रेट करने मुंबई पहुंचे विराट

विराट कोहली शुक्रवार को पत्नी अनुष्का शर्मा का 38वां जन्मदिन सेलिब्रेट करने के लिए मुंबई आए। कोहली अहमदाबाद में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स के बीच आईपीएल 2026 का मैच खेलने के बाद मुंबई पहुंचे। वो सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए। एयरपोर्ट पर पैपराजी ने कोहली से अनुष्का को जन्मदिन की बधाई देने के लिए कहा। विराट और अनुष्का की 11 दिसंबर 2017 को इटली में शादी हुई थी। उनके दो बच्चे हैं। बेटी वामिका का जन्म 11 जनवरी 2021 और बेटे अकाय का जन्म 15 फरवरी 2024 को हुआ था। विराट और अनुष्का हाल ही में वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे थे। कपल ने अक्षय तृतीया पर 19 अप्रैल को वृंदावन पहुंचकर संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। दोनों ने प्रेमानंद महाराज का सत्संग भी सुना। दोनों सुबह करीब 10 बजे संत प्रेमानंद महाराज के गुरु संत हित गौरांगी शरण महाराज के वराह घाट स्थित आश्रम पहुंचे थे। यहां दर्शन कर फिर होटल लौटे और करीब 11 बजे रवाना हो गए थे।विराट और अनुष्का ने अब 6 बार संत प्रेमानंद से मुलाकात कर ली है। पहली बार 4 जनवरी, 2023 को दोनों संत प्रेमानंद से मिले थे। बीते 16 महीनों में दोनों की यह 5वीं मुलाकात है। 16 फरवरी को बेटे अकाय के जन्मदिन के बाद भी दोनों यहां आए थे।

अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स: मंत्री सारंग ने शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण कार्य के दिए निर्देश

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बरखेड़ा नाथू स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान कार्यों की गुणवत्ता अपेक्षित स्तर पर नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने एमपीआरडीसी के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि खेल परिसर के सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र पूर्ण किए जाएं। मंत्री सारंग ने निर्देशित किया कि कॉम्पलेक्स के हैण्डओवर और टेकओवर की प्रक्रिया का पूर्ण वेरिफिकेशन किया जाए। बिना तकनीकी सत्यापन के किसी भी संरचना का हैंडओवर न लिया जाए। साथ ही, सभी मरम्मत योग्य कार्यों का विस्तृत फ्लो चार्ट बनाकर चरणबद्ध मरम्मत योजना तैयार की जाए, जिससे कार्यों में पारदर्शिता और गति बनी रहे। परिसर में पानी, बिजली, स्वच्छता, पार्किंग, आईटी सर्वर रूम सहित सभी आवश्यक मूलभूत एवं आधुनिक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कॉम्पलेक्स के सुचारु संचालन के लिए प्रशासनिक भवन, सर्वर रूम, आईटी रूम और आधुनिक ऑडिटोरियम के निर्माण हेतु ठोस कार्य-योजना तैयार की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परिसर में बिजली की आवश्यकता के लिए सोलर एनर्जी के उपयोग पर विशेष जोर दिया जाए। साथ ही, प्रदेश के सभी खेल परिसरों में सोलर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे ऊर्जा संरक्षण के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण संचालक अंशुमान यादव, संयुक्त संचालक बी.एस. यादव, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

55वीं केंद्रीय विद्यालय संगठन संभागीय खेलकूद हुए संपन्न

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। भोपाल संभाग के अंतर्गत बॉक्सिंग, स्केटिंग, बैडमिंटन एवं रोप स्किपिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-3, भोपाल में सफलतापूर्वक किया गया। बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन टी.टी. नगर स्टेडियम में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के अंडर-14 बालक वर्ग में प्रणव मंडलोई (अलीराजपुर), साहित्य सिंह (केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-3 भोपाल, शिफ्ट-2), इब्राहिम शेख (केंद्रीय विद्यालय बीना), विष्णु राय (केंद्रीय विद्यालय बीना), आराध्य रावत (केंद्रीय विद्यालय बीना), कुणाल जाटव (केंद्रीय विद्यालय बीना), प्रणव दुबे (केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 भोपाल), नैतिक (केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-3 भोपाल, शिफ्ट-1), हेमंत कुमार (केंद्रीय विद्यालय बीना) एवं श्लोक शुक्ला (केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 भोपाल) ने अपने-अपने भार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पाकिस्तानी बोले- वैभव के बैट में लगी है एआई चिप

वैभव ने दिया जवाब-भगवान ने लगाकर दी है

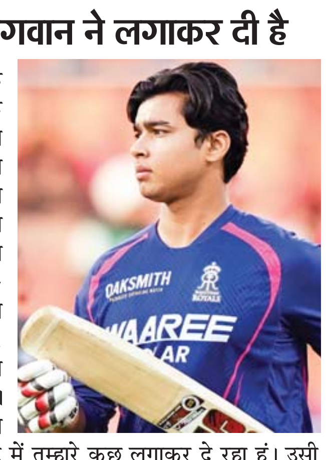

पटना, जेएनएन। बिहार के 15 साल के वैभव सूर्यवंशी अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से आईपीएल 2026 में धूम मचा रहे हैं। उनकी बैटिंग की चर्चा अब पाकिस्तान तक पहुंच गई है। पाकिस्तान के क्रिकेट एक्सपर्ट नौमान नियाज का मानना है कि वैभव के बैट में एआई चिप लगा हुआ है, जिसके कारण वह लंबे-लंबे छक्के लगा रहे हैं। इस पर राजस्थान रॉयल्स ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वैभव से सवाल पूछा गया- क्या आपके बैट में एआई चिप लगा हुआ है। इसपर वैभव ने कहा, भगवान ने लगा कर दिया है। ऊपर ही बोला था कि बैट में तुम्हारे कुछ लगाकर दे रहा हूं। उसी का इस्तेमाल कर रहा हूं। राजस्थान के लिए इस सीजन में वैभव सूर्यवंशी ने 9 मैचों में 400 रन बनाए हैं। जिसमें 1 शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं। खास बात ये है कि उनके 350+ रन सिर्फ चौकों-छक्कों से आए हैं।

ईरान जंग में अमेरिका को हुआ 24 हजार करोड़ रुपये का नुकसान

नई दिल्ली, जेएनएन। ईरान के साथ चल रहे युद्ध में अमेरिका को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अमेरिका स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) के अनुसार, ईरान के मिसाइलों, ड्रोनों और एक दुर्भाग्यपूर्ण 'फ्रेंडली फायर' की वजह से अमेरिकी सैन्य उपकरणों को 2.3 अरब से 2.8 अरब डॉलर (19,400 करोड़ से 23,700 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ है। यह अनुमान हवाई उपकरणों का है। इसमें नौसेना के जहाजों का नुकसान शामिल नहीं है।

रक्षा मंत्री का दावा और अगले दिन ईरान का हमला: 26 मार्च को अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कैबिनेट बैठक में बड़े दावे किए। उन्होंने कहा कि इतिहास में कभी भी किसी देश की सेना को इतनी तेजी और प्रभावी ढंग से कमजोर नहीं किया गया। लेकिन ठीक अगले दिन, 27 मार्च को ईरान ने सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी एयरबेस 'प्रिंस सुल्तान' पर मिसाइल और ड्रोन हमला कर दिया।

छिपा रहा ट्रंप प्रशासन

अमेरिका ने इस युद्ध में पूर्ण पारदर्शिता नहीं दिखाई है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप प्रशासन चुनावी कारणों से नुकसान की पूरी जानकारी छिपा रहा है। ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका ने ऑपरेशनल सफलताएं हासिल कीं, लेकिन रणनीतिक लक्ष्य अभी दूर दिख रहे हैं। 2003 के इराक युद्ध और अफगानिस्तान की तरह यहां भी ऑपरेशनल जीत रणनीतिक हार में बदल सकती है।

थिंक टैंक ने पेश की गणना

सीएसआईएस के सीनियर एडवाइजर मार्क कैनशियन ने विस्तृत गणना की है। उनके अनुसार थाड मिसाइल डिफेंस सिस्टम का एक या दो पावरफुल रडार नष्ट हुए, जिनकी कीमत लगभग 4,100 करोड़ से 8,200 करोड़ रुपये के बीच है। ईरान के हमलों और एक फ्रेंडली फायर घटना में लगभग 19,400 करोड़ से 23,700 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। फ्रेंडली फायर में कुवैत में तीन एफ-15 फाइटर जेट भी नष्ट हो गए। युद्ध की शुरुआत 28 फरवरी को हुई थी। ईरान ने न सिर्फ अमेरिकी ठिकानों पर, बल्कि अमेरिका के सैनिकों वाले खाड़ी देशों के ठिकानों पर भी हमले किए। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को भी प्रभावित किया, जिससे तेल परिवहन प्रभावित हुआ। सीएसआईएस विशेषज्ञ का कहना है कि ईरान का खाड़ी देशों पर हमला करना रणनीतिक गलती साबित हुआ, क्योंकि इससे खाड़ी देश अमेरिका के और करीब आ गए।

ईरान जंग का असर, रोजाना 100 फ्लाइट कम करेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका और ईरान की जंग के बीच क्रूड ऑयल के दाम में आग लगी हुई है। ईंधन की बढ़ती कीमत से एयरलाइंस पर भी दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंड़िया ने बड़ा फैसला किया है। एयरलाइन की तरफ से दी गई जानकारी में बताया गया कि जल्द ही रोजाना 100 फ्लाइट को कम कर दिया जाएगा। यह कटौती डोमेस्टिक और इंटरनेशनल दोनों रूट पर होगी। एयर इंडिया की तरफ से अभी रोजाना करीब 1100 फ्लाइट का संचालन किया जाता है। जून के महीने से सबसे ज्यादा फ्लाइट यूरोप, नॉर्थ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर के लंबे रूट्स पर कम की जाएंगी। इंडियन एयरलाइंस के संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) की तरफ से पिछले दिनों चेतावनी दी गई थी कि यदि सरकार जल्द मदद नहीं करती तो और कई फ्लाइट को बंद करना पड़ सकता है।

यूएई ने ईरान, लेबनान और इराक जाने पर लगाया ट्रैवल बैन

नई दिल्ली, जेएनएन। यूएई सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए अपने नागरिकों के लिए ईरान, इराक और लेबनान की यात्रा पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। मध्य पूर्व में जारी भारी तनाव और युद्ध जैसी स्थितियों को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने यह सख्त कदम उठाया है। मंत्रालय ने इन देशों में पहले से मौजूद अपने नागरिकों को तुरंत घर लौटने का आदेश भी जारी किया है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान क्षेत्रीय घटनाक्रम और सुरक्षा चिंताओं के कारण यह फैसला लिया गया है। मंत्रालय के बयान में साफ कहा गया है कि मौजूदा क्षेत्रीय परिस्थितियों को देखते हुए, यूएई के नागरिकों का ईरान, लेबनान और इराक जाना फिलहाल प्रतिबंधित है।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में 24 दिन से रखे हैं दो बच्चों के शव

इंफाल, जेएनएन। मणिपुर के ट्रोंगलाओबी गांव में 7 अप्रैल को बम धमाके में 5 साल के बच्चे और उसकी 6 महीने की बहन की मौत हो गई थी। दो भाई-बहनों का शव 24 दिन बाद भी इंफाल के रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के मुर्दाघर में रखे हैं। इस हमले का आरोप संदिग्ध कुकी उग्रवादियों पर लगाया गया। इन मासूम मौतों ने मणिपुर हिंसा के दर्द को कई गुना बढ़ा दिया है। बच्चों के 71 साल के दादा, बाबुटन ओइनाम कहते हैं- सरकार 10-10 लाख रुपए लेकर बच्चों का अंतिम संस्कार करने को कह रही है, लेकिन हमें पैसे नहीं हत्यारे चाहिए।

अटारी बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी का समय बदला

अमृतसर, जेएनएन। अमृतसर स्थित भारत-पाकिस्तान अटारी बॉर्डर पर होने वाली प्रसिद्ध रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया गया है। नए निर्णय के अनुसार अब रिट्रीट सेरेमनी शाम 6 बजे से शुरू होकर 6:30 बजे तक चलेगी। इससे पहले रिट्रीट 5:30 बजे शुरू होकर 6 बजे खत्म हो रही थी। मौसम और दिन की घटती-बढ़ती रोशनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि दर्शकों को बेहतर अनुभव देने और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए समय में यह बदलाव जरूरी था। यह नया समय आज यानी 1 मई से लागू कर दिया गया है। अटारी-वाघा बॉर्डर पर हर रोज होने वाली इस सेरेमनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

अमेरिका में भारतीय युवक ने दी जान

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका के शिकागो में रह रहा आंध्र प्रदेश निवासी 26 वर्षीय युवक इरागनाबोयिना चंदू ने बेरोजगारी और आर्थिक तंगी से टूटकर आत्महत्या कर ली। इरागनाबोयिना चंदू आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले का रहने वाला था, जिसने हाल ही में डीपॉल यूनिवर्सिटी से मास्टर्स पूरा किया था। कुरनूल जिले के निवासी चंदू अमेरिका में नौकरी न मिलने और सुरक्षा गार्ड पिता पर आर्थिक बोझ बनने के कारण यह कदम उठाया। अब अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय शव को भारत भेजने और परिवार का कर्ज चुकाने के लिए फंड जुटा रहा है। वहीं, केंद्र और राज्य सरकार की ओर से भी पार्थिव शरीर को जल्द स्वदेश लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

एक्सप्रेस-वे पर 'दो घंटे जाम में फंसी रहीं सुप्रिया

मुंबई, जेएनएन। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार को ऐसा हाल रहा कि लोग अपनी गाड़ियों में कैद होकर रह गए। हुआ ये कि लंबा वीकेंड होने के कारण सड़कों पर पहले से ही दबाव था, वहीं 'मिसिंग लिंक' के उद्घाटन कार्यक्रम के चलते ट्रैफिक और बढ़ गया। इसी भारी जाम के बीच एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले की गाड़ी भी फंस गई और वो करीब दो घंटे तक सड़क पर ही अटकी रहीं। घाट वाले इलाके में तो गाड़ियों की ऐसी लंबी कतारें लगीं। सुप्रिया सुले ने जब देखा कि जाम खुलने का नाम नहीं ले रहा, तो उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर वहां का हाल दिखाया। उन्होंने बताया कि कैमरे से देखने पर घाट की पहाड़ियां भले ही सुंदर लग रही हों, लेकिन सड़क पर फंसे लोगों का बुरा हाल है।

पंजाब में 'आप' फ्लोर टेस्ट में पास पर डोप टेस्ट को लेकर मचा हंगामा

94 में से 88 विधायकों ने आप सरकार के पक्ष में किया मतदान

चंडीगढ़, जेएनएन। पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। 94 में से 88 विधायकों ने सरकार के पक्ष में वोट दिया। वहीं 4 विधायक गैरहाजिर रहे, जबकि 2 विधायक लालजीत सिंह भुल्लर और हरमीत सिंह पठानमाजरा जेल में बंद हैं। इस दौरान कांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के विधायक मौजूद नहीं रहे।

सीएम भगवंत मान ने कहा कि इसकी कॉपी राष्ट्रपति के पास लेकर जाऊंगा। इससे पहले उस वक्त हंगामा हो गया, जब नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने स्पीकर को पत्र देकर सीएम और सभी विधायकों का डोप टेस्ट कराने की मांग की। स्पीकर ने इस मांग को ठुकरा दिया। कार्यवाही के दौरान सीएम ने कांग्रेस विधायकों पर कमेंट किया कि वह सदन में मोबाइल यूज कर रहे हैं। इसके बाद कांग्रेस विधायक सुखपाल खैहरा के बैठने के तरीके पर विवाद हो गया। इस पर बहस होने लगी। इस दौरान खैहरा ने सीएम को लेकर आपत्तिजनक आरोप लगाए। जिसको लेकर हंगामा हो गया। इसके बाद कांग्रेस विधायक वॉकआउट कर गए।

मीटिंग में 65 विधायक ही आए

सांसदों के पार्टी छोड़ने और विधायकों के बगावत के खतरे के बीच आप के पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने जालंधर में विधायक की मीटिंग बुलाई थी। इसमें 94 में से सिर्फ 65 ही विधायक आए। हालांकि 117 विधानसभा सीटों वाले पंजाब में बहुमत का आंकड़ा 59 सीटों का है।

भाजपा-कांग्रेस के नेताओं पर मिलीभगत के आरोप

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के नेता आपस में मिले हुए हैं और केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस तरह की खबरें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी आम लोगों की पार्टी है और यह टूटने वाली नहीं है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने यह भी कहा कि गुजरात में स्थानीय चुनावों में उनकी पार्टी ने सैकड़ों सीटें जीती हैं, जिससे विरोधी दलों में बेचैनी है। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार मजबूत है और बहुमत पूरी तरह सुरक्षित है। विधानसभा में विधायक अनमोल गगन मान ने भी सरकार के समर्थन में बोलते हुए कहा कि वे आखिरी सांस तक पार्टी के साथ रहेंगे और पार्टी ने ही उन्हें यह मुकाम दिया है।

अकाली दल का आरोप- सीएम शराब पीकर आए

शिरोमणि अकाली दल ने पंजाब के मुख्यमंत्री पर विधानसभा में शराब पीकर आने का गंभीर आरोप लगाया है। पंजाब की विपक्षी पार्टी शिरोमणि अकाली दल ने मुख्यमंत्री भंगवत मान का एक्स पर एक वीडियो जारी किया है। अकाली दल ने एक्स पर लिखा है कि, 'बहुत शर्म की बात है कि भगवंत मान आज मजदूर दिवस के मौके पर पवित्र सदन विधानसभा में शराब पीकर पहुंच गए।' अकाली दल ने वीडियो का जिक्र करते हुए कहा है कि, 'आप खुद मुख्यमंत्री का हाल देख लीजिए कि वह विधानसभा में किस तरह व्यवहार कर रहे हैं।' आगे शिरोमणि अकाली दल ने कहा है कि पार्टी मुख्यमंत्री के इस व्यवहार की कड़ी निंदा करती है।

एग्जिट पोल पर बोले दादा

भविष्यवाणी तो मां दुर्गा भी नहीं कर पाएंगी

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों का माहौल अपने चरम पर है। हर तरफ अटकलें, दावे और कयासों का दौर चल रहा है, लेकिन असली तस्वीर क्या होगी? इस पर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है। इसी बीच भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से जब चुनावी नतीजों को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने बेहद सधे हुए अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि नतीजों का अंदाजा लगाना इतना आसान नहीं है कि कोई अभी से कुछ तय कर दे। गांगुली ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'संभावित नतीजों का अंदाजा तो मां दुर्गा भी नहीं लगा सकतीं। मतपेटियां सोमवार को खुलेंगी और तभी वोटों की गिनती के साथ ये भी साफ हो पाएगा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने किसे चुना है। अभी इस पर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।' उनके इस बयान से साफ है कि चुनावी नतीजों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और हर किसी को अंतिम परिणाम का इंतजार करना होगा। फिलहाल, सभी की नजरें 4 मई के दिन पर टिकी हैं, जब मतगणना के बाद पश्चिम बंगाल में सरकार बनने की तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी। दरअसल, सौरव गांगुली लंबे समय से अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं, लेकिन राजनीति के सवालों पर वह अक्सर संतुलित और सतर्क नजर आते है।

एंट्रैकर ने पेश किए आंकड़े

भारतीय स्टार्टअप फंडिंग में 8.7 प्रतिशत की गिरावट

एंट्रैकर द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2026 में स्टार्टअप फंडिंग 865 मिलियन डालर रही, जो मार्च के 948 मिलियन डालर से कम है, क्योंकि बड़े स्तर की डील्स सीमित रहीं। इस महीने में 100 मिलियन डालर से अधिक की केवल एक डील दर्ज की गई, जिसमें क्रेडिटबी ने डालर 280 मिलियन जुटाए। मुख्य आकर्षणों में होम सर्विसेज में स्नैबिट, डेमी-फाइन ज्वेलरी में पाल्मोनास, क्रेडिट साइकिल में उल्का और परफॉरमेंस-ड्रिवन ट्रेडर्स के लिए ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म साही शामिल रहे। 2026 में अब तक कोई आईपीओ नहीं आया है, लेकिन पाइपलाइन सक्रियता दिखा रही है क्योंकि एको, ज़ेप्टो, रेंटोमोजो, गरुड़ा एयरोस्पेस और किश्त सार्वजनिक लिस्टिंग की तैयारी कर रहे हैं। यह 2026 की मजबूत पहली तिमाही के बाद आया है, जब नेयसा के 1.2 बिलियन डालर के राउंड के समर्थन से स्टार्टअप फंडिंग डालर 4 बिलियन तक पहुंच गई थी।

- क्रेडिटबी ने अप्रैल की सबसे बड़ी डील के साथ जुटाए 280 मिलियन
- मार्च के मुकाबले अप्रैल के स्टार्टअप फंडिंग में गिरावट
- अप्रैल में 69 स्टार्टअप्स ने जुटाया 865 मिलियन डालर

टॉप ग्रोथ-स्टेज डील्स

अप्रैल 2026 में, ग्रोथ और लेट-स्टेज डील्स में फिनटेक, मैन्युफैक्चरिंग और कंज्यूमर-फोकस्ड स्टार्टअप्स का मिश्रण दिखा। क्रेडिटबी 280 मिलियन डालर के सीरीज़ ई राउंड के साथ चार्ट में सबसे आगे रहा, उसके बाद स्मार्ट मीटरिंग क्षेत्र में पोलारिस डालर 80 मिलियन पर रहा। स्नैबिट ने डालर 56 मिलियन जुटाए, जबकि पाल्मोनास और साही ने क्रमशः डालर 40 मिलियन और डालर 33 मिलियन सुरक्षित किए। किम्बल टेक्नोलॉजीज ने डालर 22 मिलियन जोड़े।

प्रभास की 'फौजी'... फिल्म की कहानी आगे नहीं, पीछे जाएगी

भारत के सबसे बड़े सुपरस्टार में से एक प्रभास इन दिनों काफी बिजी चल रहे हैं, क्योंकि उनके खाते में कई फिल्में हैं। संदीप रेड्डी वांगा के साथ उनकी 'स्पिरिट' तो सुर्खियों में है ही, लेकिन उनकी 'फौजी' भी चर्चा में बनी हुई है। साल 2026 और 2027 तक ये फिल्में रिलीज होने वाली हैं। फैंस को प्रभास की 'फौजी' का बेसब्री से इंतजार है। ये एक पीरियड वॉर एक्शन ड्रामा, जिसे हनु राघवपुडी डायरेक्ट कर रहे हैं। इस फिल्म में युद्ध के मैदान का धमाकेदार एक्शन और एक इमोशनल रोमांटिक कहानी देखने को मिलने वाली है। प्रभास की इस फिल्म नें इमानवी लीड रोल प्ले करेंगी, जो इस पैन-इंडिया स्टार के साथ अपना डेब्यू कर रही हैं। मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनी 'फौजी' 1940 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित युद्ध-फिल्म है। इस साल कई फिल्मों के सीक्वल आ रहे हैं, जिनका ऑडियंस को बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'फौजी' को भी दो पार्ट में बनाने की बातें हो रही हैं। लेकिन मेकर्स ने सीक्वल को लेकर अपना प्लान पहले ही साफ कर दिया है। मेकर्स 'फौजी' का सीक्वल नहीं, प्रीक्वल बनाने की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में मैत्री मूवी मेकर के प्रोड्यूसर्स ने 'फौजी' की कहानी को लेकर एक दिलचस्प अपडेट शेयर किया। हालांकि, इस फिल्म को एक सीक्वल बेस्ड फ्रैंचाइजी के तौर पर बनाने का प्लान नहीं है। लेकिन मेकर्स का एक प्रीक्वल बनाने का इरादा है। उन्होंने बताया कि कहानी में एक बड़ा ऐसा हिस्सा है जिसे अभी तक दिखाया नहीं गया है, जिससे फिल्म के लीड कैरेक्टर की शुरुआत के बारे में गहराई से जानने का रास्ता खुल जाता है। इसी साइड को दिखाने के लिए फिल्म के प्रीक्वल पर शुरुआती प्री-प्रोडक्शन का काम पहले से ही चल रहा है। अगर ये आइडिया सच होता है, तो ये प्रभास के करियर के लिए एक बड़ा प्रोजेक्ट होगा। ऐसा पहली बार होगा जब हनु राघवपुडी अपनी कहानी को बड़े फ्रैंचाइजी फॉर्मेट में दिखाएंगे। इस फिल्म को मैत्री मूवी मेकर एक बड़े स्केल पर बना रही है, जिसका बजट 700 करोड़ रुपये से ज्यादा बताया जा रहा है। कास्ट की बात करें तो इस फिल्म में अनुपम खेर, जया प्रदा, मिथुन और चैत्रा जे आचार जैसे अनुभवी कलाकार अहम किरदारों में नजर आएंगे।

48 घंटे में दो पायलटों की मौत, एसोसिएशन ने लिखा डीजीसीए को पत्र

नई दिल्ली, जेएनएन। दो पायलट्स की हार्ट अटैक से मौत के बाद देश में कॉमर्शियल पायलट्स की थकान और उनके ड्यूटी के घंटों को लेकर विवाद बढ़ गया है। द एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को पत्र लिखकर फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों को पूरी तरह सख्ती से लागू करने की मांग की है। एसोसिएशन ने बताया कि पायलट्स का कहना है कि एयरलाइंस को नियमों में बार-बार दी जा रही छूट सुरक्षा और क्रू की सेहत के साथ समझौता है। पायलट्स एसोसिएशन ने डीजीसीए प्रमुख वीर विक्रम यादव और नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा को लिखे लेटर में बताया कि, बाली (इंडोनेशिया) में 29 अप्रैल को रेस्ट पीरियड के दौरान एअर इंडिया के एक पायलट की हार्ट अटैक से मौत हो गई। उन्होंने 28 अप्रैल को दिल्ली से बाली की फ्लाइट ऑपरेट की थी। वहीं, 30 अप्रैल को बेंगलुरु में ट्रेनिंग सेशन के दौरान अकासा एयर के एक पायलट (उम्र 40-45 साल) की भी हार्ट अटैक से मौत हो गई। एसोसिएशन का कहना है कि 45 साल से कम उम्र के पायलट्स की ये मौतें काम के बढ़ते दबाव और थकान की ओर इशारा करती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा को दी बेल, सरमा को नसीहत

कहा- आरोप-प्रत्यारोप राजनीति से प्रेरित हैं

नई दिल्ली, जेएनएन। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के खिलाफ आरोप लगाने के चलते एफआईआर झेल रहे कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे राजनैतिक प्रतिद्वंद्विता का केस करार दिया। कोर्ट ने कहा कि इस केस में आरोप-प्रत्यारोप राजनीति से प्रेरित हैं। पवन खेड़ा को हिरासत में लेकर पूछताछ करना जरूरी नहीं है। कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में ऐसा लगता है कि पवन खेड़ा ने अपनी पार्टी को राजनीतिक फायदा पहुंचाने के लिए यह बयान दिया, वहीं मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी ऐसे बयान दिए जो संसदीय मर्यादा के अनुरूप नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में गोहाटी हाई कोर्ट के फैसले पर भी सवाल खड़े किए। कहा कि हाई कोर्ट ने आरोप साबित करने का बोझ पवन खेड़ा पर डाल दिया। कोर्ट ने कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार बेहद महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार है। सिर्फ पुख्ता वजह होने पर ही इसे छीना जा सकता है।

असम सीएम के बयान पर भड़का बांग्लादेश

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को ढाका में भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बाधे को तलब किया और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की टिप्पणियों पर अपनी बात रखी। बांग्लादेश के एक अधिकारी ने बताया कि महानिदेशक (दक्षिण एशिया) इशरत जहां ने दोपहर में भारतीय कार्यवाहक उच्चायुक्त को ढाका का पक्ष बताया। बांग्लादेश ने इन टिप्पणियों को बांग्लादेश-भारत संबंधों के लिए 'अपमानजनक' बताया और भारत के प्रति अपनी नाराज़गी जाहिर की। 15 अप्रैल को प्रसारित एक इंटरव्यू में असम के मुख्यमंत्री ने कहा था, 'मैं हर सुबह भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि यूनुस के समय जैसी स्थिति थी, वैसी ही बनी रहे कि संबंध और बेहतर न हों।'

नेपाल में मंत्री, सांसदों की संपत्ति की जांच शुरू

काठमांडू, जेएनएन। नेपाल की बालेन शाह सरकार भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ा प्रहार करने जा रही है। सरकार ने मौजूदा प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री, सभी मंत्री, सभी सांसद से लेकर सरकारी अधिकारियों और सार्वजनिक पद धारण करने वाले अधिकारियों की संपत्ति की जांच के लिए 'संपत्ति जांच आयोग' को हरी झंडी दे दी है। नेपाल सरकार की ओर से गठित संपत्ति जांच आयोग ने शुक्रवार से काम करना शुरू कर दिया है। कार्यादेश गुरुवार देर रात को राजपत्र में नोटिफाई किया गया। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस राजेन्द्र कुमार भंडारी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है, जिसमें पूर्व न्यायाधीश सदस्य हैं।

नेपाल: पेट्रोल 2 रुपये और डीजल 12 रुपये सस्ता

काठमांडू, जेएनएन। पड़ोसी देश नेपालमें पेट्रोल 2 रुपये और डीजल 12 रुपये प्रति लीटर सस्ता कर दिया है। नेपाल ऑयल कॉरपोरेशन ने नोटिस जारी कर जानकारी दी है कि शुक्रवार दोपहर 12 बजे से पेट्रोल, डीजल और केरोसिन घटा दिए गए। नई कीमतों के अनुसार, पेट्रोल अब 214.50 रुपये प्रति लीटर और डीजल-केरोसिन 222.50 रुपये प्रति लीटर (पहले कैटेगरी एरिया) मिलेगा।

रिपोर्ट

प्रशांत महासागर में मिले धरती की ऊपरी सतह टूटने के साफ सबूत

वैज्ञानिकों ने पहली बार लाइव देखा 'प्लेट का अंत'

नई दिल्ली, जेएनएन। वैज्ञानिकों ने पहली बार समुद्र की गहराई में एक ऐसी घटना देखी है जिसे अब तक केवल थ्योरी में ही माना जाता था। प्रशांत महासागर के नीचे स्थित कैस्केडिया सबडक्शन जोन में पृथ्वी की क्रस्ट (ऊपरी परत) के टूटने के साफ सबूत मिले हैं। यह रिसर्च 'साइंस एडवांसेज' जर्नल में पब्लिश हुई है। इसमें बताया गया है कि जुआन डी फूका प्लेट, जो उत्तर अमेरिकी प्लेट के नीचे दब रही है, अब टुकड़ों में बिखर रही है। इस खोज ने जियोलॉजिस्ट्स के बीच खलबली मचा दी है क्योंकि यह प्रक्रिया लाखों सालों में एक बार होती है। वैज्ञानिकों ने इसे 'एक मरते हुए सबडक्शन जोन की पहली तस्वीर' करार दिया है। एडवांस सिस्मिक इमेजिंग तकनीक की मदद से इस पूरे मंजर को करीब से देखा गया है।

क्या जुआन डी फूका प्लेट का अंत करीब आ गया है?: रिसर्च के मुताबिक जुआन डी फूका प्लेट अब एक ठोस स्लैब की तरह व्यवहार नहीं कर रही है। लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर ब्रैंडन शक का कहना है कि यह प्लेट धीरे-धीरे छोटे टुकड़ों में रिप हो रही है। इन छोटे टुकड़ों को माइक्रोप्लेट्स कहा जाता है। आमतौर पर सबडक्शन जोन वह इलाका होता है जहां एक प्लेट दूसरी के नीचे धंसती है। यह प्रक्रिया ही बड़े भूकंप और सुनामी का कारण बनती है। जुआन डी फूका प्लेट के टूटने का मतलब है कि यह विशाल सिस्टम अब अपनी आखिरी सांसे ले रहा है। यह बदलाव प्रशांत उत्तर-पश्चिमी इलाके के सिस्मिक मैप को पूरी तरह बदल सकता है।

इसे 'ट्रेन एक्सीडेंट' जैसा बताया?

ब्रैंडन शक ने इस प्रक्रिया को समझाने के लिए एक बहुत ही दिलचस्प उदाहरण दिया है। उन्होंने कहा, 'किसी सबडक्शन जोन को शुरू करना पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाने जैसा है जिसमें बहुत ताकत लगती है। लेकिन एक बार यह शुरू हो जाए तो यह ढलान पर दौड़ती ट्रेन जैसी हो जाती है जिसे रोकना नामुमकिन है।' उन्होंने आगे बताया कि इसे खत्म करने के लिए किसी बड़े हादसे की जरूरत होती है। कैस्केडिया में ठीक ऐसा ही हो रहा है। प्लेट एक साथ रुकने के बजाय एक-एक डिब्बे की तरह पटरी से उतर रही है। यह धीरे-धीरे हो रहा डैमेज बताता है कि पृथ्वी की मशीनरी कैसे काम करना बंद करती है।

दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी ऐसे संकेत

वैज्ञानिकों का मानना है कि बाजा कैलिफोर्निया के पास मिले प्राचीन प्लेटों के अवशेष भी इसी तरह बने होंगे। कैस्केडिया में जो हम आज देख रहे हैं, वह धरती के इतिहास की एक सामान्य प्रक्रिया है। बस फर्क यह है कि इंसानों ने इसे पहली बार अपनी आंखों से लाइव देखा है। इससे यह भी पता चलता है कि सबडक्शन जोन अचानक बंद नहीं होते बल्कि चरणों में दम तोड़ते हैं। जब एक बड़ा टुकड़ा अलग होता है, तो पूरी प्लेट की रफ्तार कम हो जाती है और अंत में पूरा सिस्टम थम जाता है। यह खोज भूगोल की किताबों को अपडेट करने और धरती के विकास को समझने के लिए एक मील का पत्थर है।

अब ओवरसीज नागरिकता प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने नागरिकता से जुड़े नियमों में अहम बदलाव करते हुए सिटिजनशिप (संशोधन) नियम, 2026 लागू कर दिए हैं। गृह मंत्रालय के अनुसार अब ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) के लिए आवेदन की पूरी प्रक्रिया डिजिटल कर दी गई है। यानी अब आवेदन से लेकर दस्तावेज तक सब कुछ ऑनलाइन माध्यम से ही होगा। नए नियमों के तहत पारंपरिक फिजिकल ओसीआई कार्ड के साथ अब ई-ओसीआई दस्तावेज भी जारी किया जाएगा। इससे दस्तावेजों का इस्तेमाल भी अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित हो जाएगा। सरकार ने नए नियमों में यह भी साफ किया है कि कोई नाबालिग एक साथ भारतीय और विदेशी पासपोर्ट नहीं रख सकता। यह प्रावधान दोहरी नागरिकता से जुड़े विवादों को रोकने और प्रक्रिया में स्पष्टता लाने के लिए जोड़ा गया है। सरकार ने दो टूक कहा है कि ओसीआई स्टेटस कोई मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेषाधिकार है। यदि कोई कानूनों का उल्लंघन करता है, तो उसका पंजीकरण रद्द किया जा सकता है।

वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
₹50/-

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 515/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

नरवाई की आग से किसान को 2 लाख का नुकसान

जागरण, रायसेन। जिले के सांची विकासखंड के ग्राम बनखेड़ी में नरवाई की आग ने एक किसान को भारी नुकसान पहुंचाया है। रात को नरवाई में लगी आग से किसान अजीज मंसूरी के लगभग 200 सिंचाई पाइप, स्टार डोरी और अन्य कृषि सामग्री जलकर खाक हो गई। इस घटना में करीब 2 लाख रुपए का नुकसान बताया जा रहा है। नरवाई में लगी आग ने विकराल रूप ले लिया और धीरे-धीरे खेत में बने एक मकान तक पहुंच गई।

मंदसौर में एंबुलेंस से चार क्विंटल डोडाचूरा जब्त

जागरण, मंदसौर। जिले की सीतामऊ पुलिस ने एंबुलेंस के रूप में इस्तेमाल की जा रही इनोवा कार से लगभग 4 क्विंटल डोडाचूरा बरामद किया है। कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। रात को सीतामऊ थाना पुलिस ने पंचमुखी बालाजी फैमिली रेस्टोरेंट के सामने मंदसौर-सीतामऊ रोड पर पुलिस ने घेराबंदी की। इसी दौरान कच्चे रास्ते से एंबुलेंस आती देख कार्रवाई की।

Dr. Juneja's EYE Mantra ®
दीजिए अपनी आँखों को कुदरती आई मंत्रा

प्रयोग विधि: 2 से 3 ड्रॉप्स दिन में तीन बार या चिकित्सकीय परामर्शानुसार इस्तेमाल करें।
12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।
24x7 Helpline: 8196822222 • www.eyemantra.com

"ट्वीट ऑफ द डे"

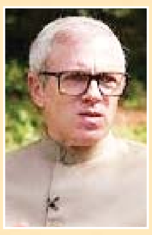

उमर अब्दुल्ला
सीएम जेके

मुझे नहीं लगता कि ईवीएम के जरिए कुछ किया जा सकता है। आज चोरी ईवीएम के जरिए नहीं हो रही है। आज चोरी चुनाव आयोग के जरिए, एसआईआर की आड़ में की जा रही है। उन्होंने बंगाल के चुनाव ने एक नई चुनौती पेश की है और अगर एसआईआर चुनाव परिणाम को प्रभावित करता है तो यह हम सभी के लिए खतरनाक होगा। मतदाता सूचियों से मतदाताओं को हटाकर चुनावों में धांधली करने की कोशिश की है और हमें इससे सावधान रहना होगा।

बगरौदा और जगदीशपुर एमडी फैक्ट्री केस में वांटेड सलीम डोला को भोपाल लाने की तैयारी

तुर्किए से हुआ प्रत्यर्पण, फिलहाल मुंबई एनसीबी को रिमांड पर सौंपा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। दाऊद इब्राहिम के बेहद करीबी और डी-कंपनी के ड्रग स्मगलिंग जैसे धंधों को संभालने वाले सलीम डोला को भोपाल लाने की तैयारी है। अक्टूबर 2024 में राजधानी के बगरौदा इंडस्ट्रियल एरिया और पिछले साल अगस्त में जगदीशपुर इलाके में पकड़ी गई एमडी ड्रग्स फैक्ट्रियों में वही मास्टरमाइंड है। छापा मारने वाली केंद्रीय एजेंसियों नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के वांटेड अभियुक्तों में उसका भी नाम है। उसे तुर्किए से ऑपरेशन ग्लोबल के जरिए तीन दिन पहले भारत लाया जा चुका है और फिलहाल मुंबई कोर्ट के निर्देश पर उसे फिलहाल नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को रिमांड पर सौंपा गया है। अब एनसीबी के साथ डीआरआई की भोपाल विंग भी तैयारी कर रही है कि उसे मुंबई से भोपाल लाकर कोर्ट में पेश किया जाए। साथ ही रिमांड पर लेकर बगरौदा एवं जगदीशपुर में लगाई गईं एमडी फैक्ट्रियों के बारे में अहम जानकारियां हासिल की जा सकें।

डोला ही था दोनों फैक्ट्रियों का फाइनेंसर, हवाला के जरिए भेजी थी रकम

बगरौदा में गुजरात एटीएस और एनसीबी की टीम ने अक्टूबर 2024 में भोपाल के बगरौदा इंडस्ट्रियल एरिया में रेड मारी थी। इस दौरान फैक्ट्री से 1800 करोड़ की एमडी ड्रग्स बरामद की गई थी। इस मामले में अमित चतुर्वेदी, सान्याल बानर और हरीश अंजाना समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, । छानबीन में सामने आया कि इस फैक्ट्री का कर्ताधर्ता डोला ही था, जो गुर्गों की मदद से इसे ऑपरेट कर रहा था। एनसीबी ने भोपाल की स्पेशल कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में सलीम डोला के फरार और वांटेड होने का जिक्र करते हुए उसे ही इस काले कारोबार का मास्टरमाइंड बताया था। इसके बाद डीआरआई ने पिछले साल अगस्त में जगदीशपुर में एमडी फैक्ट्री पर छापा मारकर 92 करोड़ की एमडी ड्रग्स पकड़ी, तो उसमें भी अहम किरदार सलीम डोला ही निकला। पड़ताल में डीआरआई को पता चला कि अशोकनगर निवासी फैसल कुरैशी को सलीम के गुर्गों ने ही गुजरात में एमडी बनाने की ट्रेनिंग दी थी। इसके बाद फैसल ने गंजबासौदा निवासी रज्जाक खान के साथ मिलकर फैक्ट्री बनाई। इस मामले में एक महिला रेसलर समेत कुल सात आरोपी गिरफ्तार हैं, जबकि डोला फरार था। हैरानी की बात यह है कि बगरौदा और जगदीशपुर में मिले कच्चे माल से लेकर तैयार ड्रग्स की क्वालिटी बिल्कुल एक समान थी।

एनआईए के रडार पर भी है डोला

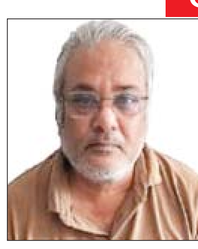

एनसीबी और डीआरआई द्वारा भोपाल की दो मादक पदार्थों की फैक्ट्रियों के मामले का सीधा कनेक्शन देशद्रोही दाऊद इब्राहिम की गैंग से जुड़े होने के बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) भी इस मामले पर नजर रखे हुए थी। जगदीशपुर और बगरौदा की जांच में खुलासा हुआ है कि इस फैक्ट्री का मास्टरमाइंड सलीम उर्फ डोला तुर्किए में बैठकर इसका संचालन कर रहा था। सलीम, मुंबई के भगोड़े डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी इकबाल मिर्ची का सहयोगी रहा है, जिससे मामले के डी-कंपनी से जुड़े होने की पुष्टि हुई है। इस ड्रग्स नेटवर्क के तार अंतरराष्ट्रीय तस्करों से जुड़े थे, इसलिए एनआईए भी इस केस पर नजर बनाए हुए थी। डीआरआई ने जगदीशपुर में रेड के दौरान लगभग 61.2 किलोग्राम एमडी ड्रग्स और 541 किलोग्राम कच्चा माल बरामद किया था। जांच में यह भी उजागर हुआ था कि इस फैक्ट्री के लिए पैसा दुबई से हवाला के जरिए भोपाल भेजा जा रहा था। ड्रग्स का अवैध उत्पादन, हवाला के जरिए फंडिंग और अंडरवर्ल्ड से संबंध के कारण सलीम डोला एनआईए के रडार पर भी था।

इंटरनेशनल माफियाओं से संबंध दुबई से थाईलैंड तक फैला कारोबार

सलीम डोला मूल रूप से मुंबई का ही रहने वाला है, लेकिन वह पिछले डेढ़ दशक से डी-कंपनी के लिए काम कर रहा था। लगभग 15 साल पहले गांजे की तस्करी में नाम आने के बाद उसे पहली बार गिरफ्तार किया गया था। जमानत पर बाहर आने के बाद वह डी-कंपनी के संपर्क में आ गया। इकबाल मिर्ची के जरिए वह डी-कंपनी के मादक पदार्थों की तस्करी के धंधे में उतरा और देखते ही देखते वह अवैध कारोबार का मुखिया बन बैठा। जानकारी के अनुसार, डोला पहले भारत से दुबई और अन्य खाड़ी देशों में शिफ्ट हुआ और उसके बाद उसने तुर्किए के इस्तांबुल को अपना ठिकाना बनाया। वहीं बैठकर अपने गिरोह की मदद से वह इंटरनेशनल स्मगलर्स के साथ डील करता था। उसका नेटवर्क यूएई, कतर, थाईलैंड के साथ ही मैक्सिको और कोलंबिया तक फैला हुआ है। वह विदेशी मादक पदार्थों को भारत में सप्लाई करने और भारत में बनी ड्रग्स को विदेश भेजने के काले कारोबार में एक दशक से एक्टिव है। देश की जांच एजेंसियों को लंबे समय से उसकी तलाश थी, लेकिन वह लगातार अपने ठिकाने बदल लेता था।

वायरल गर्ल ने फिल्म डायरेक्टर पर लगवाया पॉक्सो, एक्टिंग के बहाने शोषण का आरोप

जागरण, भोपाल। महाकुंभ में माला बेचते हुए वायरल गर्ल बनी मोनालिसा ने फिल्म डायरेक्टर पर पॉक्सो के तहत केस दर्ज कराया है। केरल के एर्नाकुलम सेंट्रल पुलिस ने फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा सहित चार के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। यह प्रकरण 29 अप्रैल को दर्ज किया गया है। चूंकि घटना मध्यप्रदेश की बताई गई है, इसलिए जल्द ही एर्नाकुलम से फाइल डायरी मध्यप्रदेश भेजी जाएगी। केरल में फरमान खान नामक युवक से मंदिर में शादी के बाद विवादों में आई वायरल गर्ल ने एर्नाकुलम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि जब वह नाबालिग थी, तब डायरेक्टर मिश्रा ने फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर की शूटिंग के दौरान उसके साथ दुर्व्यवहार किया था। इतना ही नहीं, मिश्रा ने एक्टिंग के आगे भी मौके देने का झांसा देकर मिश्रा ने उसका शोषण किया। वायरल गर्ल ने मजिस्ट्रेट के सामने भी बयान दर्ज कराए हैं। घटना केरल की नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की है। इसलिए जल्द ही यह मामला यहां भेज दिया जाएगा। आगे की जांच मध्यप्रदेश की पुलिस ही करेगी। डायरेक्टर मिश्रा के अलावा केरल के विहिप नेता और वकील अनिल विलायल भी शामिल हैं। पीड़िता ने उन पर सोशल मीडिया पर बदनामी करने का आरोप लगाया है।

डायरेक्टर ने पीएम से लगाई गुहार: मोनालिसा को सड़कों से उठाकर फिल्म जगत में जगह दिलाने वाले डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने सारे आरोपों को सोची-समझी साजिश बताया है। उनका कहना है कि लव जिहाद जैसे मुद्दों पर आवाज उठाने के कारण उनके खिलाफ साजिशन यह रिपोर्ट कराई गई है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगाई है।

संक्षिप्त खबरें

हिजबुल आतंकी संगठन के 3 संदिग्ध आतंकियों को हाईकोर्ट से जमानत

जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने हिजबुल आतंकी संगठन के 3 संदिग्ध आतंकियों को जमानत दे दी है। कोर्ट ने माना कि सेमिनार में भागीदारी या इस्लामिक साहित्य की फोटोकॉपी मिलने से किसी को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल नहीं माना जा सकता। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन की डिवीजन बेंच ने कहा कि केवल 'माइंडसेट', सेमिनार में भागीदारी या इस्लामिक साहित्य की फोटोकॉपी मिलने से किसी को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल नहीं माना जा सकता। एनआईए कोर्ट में ऐसा कोई सबूत पेश नहीं कर सकी, जिससे यह साबित हो कि वह आतंकी गतिविधियों में शामिल थे।कोर्ट ने माना कि ट्रॉयल लंबा चलेगा और इतने समय तक उन्हें जेल में नहीं रखा जा सकता है। एनआईए और एटीएस ने हिजबुल तहरीर आतंकी संगठन के पूरे देश से कुल 17 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इनके मोहम्मद जुनैद, मोहम्मद वसीम और मोहम्मद करीम शामिल थे। एनआईए ने जब इन संदिग्ध को गिरफ्तार किया था, तो उनके पास से संदिग्ध आतंकी दस्तावेज और इस्लामिक साहित्य मिला था, जो कट्टर मानसिकता को दर्शाता था. उनके फोन भी जब्त किए थे।

प्रधानमंत्री का काफिला रोकने में सुनवाई बढ़ी

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की एकलपीठ ने प्रधानमंत्री व उप राष्ट्रपति का काफिला रोकने वाट्सएप पोस्ट के आरोप पर पुलिस द्वारा 24 घंटे तक लाकअप में बंधक बनाकर रखे जाने को चुनौती संबंधी मामले की सुनवाई एक जुलाई के लिए बढ़ा दी है। याचिका की सुनवाई के दौरान पुलिस की ओर से बताया गया कि याचिकाकर्ता ने नगर प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री व उपराष्ट्रपति के काफिले को बाधित करने का वाट्सअप पोस्ट की थी। याचिकाकर्ता की ओर से मैसेज करने के इंकार कर दिया गया था। इस संबंध में तत्कालीन थाना प्रभारी के द्वारा दस्तावेज हाई कोर्ट में पेश किए गए। पेश किए गए दस्तावेज रिकार्ड में नही आने के सुनवाई बढ़ा दी गई। नर्मदा रोड, गौरीघाट निवासी अजीत सिंह आनंद की ओर से दायर की गयी याचिका में कहा गया है कि गोरखपुर पुलिस ने 20 जून, 2022 की सुबह लगभग आठ बजे घर से अभिरक्षा में लिया था। इसके बाद पुलिस कर्मी उसे गोरखपुर थाने ले गए और 21 जून, 2022 की सुबह 9.30 बजे तक लाकअप में बंद रखा था।

चयन प्रकिया निरस्त तो चुनौती देना औचित्य नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने कहा कि जब दूषित होने के कारण पूरी चयन प्रक्रिया ही निरस्त हो गई और कोई भी उम्मीदवार प्रभावित नहीं हुआ, तो उसे चुनौती देने का कोई औचित्य नहीं है। इस मत के साथ जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने उम्मीदवारों की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें चयन प्रक्रिया को निरस्त करने को चुनौती दी गई थी। मामला सहायक प्रबंधक से समिति प्रबंधक के पद पर चयन से जुड़ा है। दरअसल, शहडोल जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में उक्त पद पर पदस्थापना के लिए चयन सूची जारी की गई थी।

इंदौर के बहुचर्चित राजा हत्याकांड मामले में नया मोड

सोनम की जमानत रद्द कराने हाईकोर्ट जाएगी शिलांग पुलिस

एक अन्य आरोपी राज की जमानत अर्जी खारिज

जागरण, इंदौर। प्रदेश के इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी के चर्चित हत्याकांड में मुख्य आरोपी सोनम को मिली जमानत के बाद अब इस कानूनी लड़ाई में नया मोड़ आ गया है। शिलॉन्ग पुलिस सोनम की जमानत को चुनौती देने मेघालय हाई कोर्ट का रुख करेगी, इसे लेकर तैयारी चल रही है। पुलिस का मानना है कि सोनम इस हत्याकांड की मास्टरमाइंड है और उसकी रिहाई से केस के गवाहों को प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है। जमानत मिलने से वह गवाहों को प्रभावित कर सकती है। दूसरी ओर शुक्रवार को राज कुशवाहा की जमानत याचिका को शिलॉन्ग कोर्ट ने खारिज कर दिया है। शिलॉन्ग एसपी विवेक सियेम ने बताया कि हम जरूरी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन कर रहे हैं और कानून के मुताबिक इस मामले को आगे बढ़ाते रहेंगे। कोर्ट ने अपने अधिकारों का उपयोग किया है। हमारी जांच नियमों के अनुसार आगे बढ़ेगी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस उन बिंदुओं को ही आधार बनाएगी, जिन बिंदुओं पर शिलॉन्ग की सत्र न्यायालय ने सोनम को जमानत दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शिलॉन्ग पुलिस अब इस मामले से जुड़े साक्ष्यों और तथ्यों को और मजबूती से प्रस्तुत करने की रणनीति बना रही है, ताकि हाईकोर्ट में जमानत आदेश को चुनौती दी जा सके।

एक और अर्जी दायर करने की तैयारी में सोनम

जमानत के बाद सोनम को वकील की मदद से शिलॉन्ग में किसी सुरक्षित जगह पर रखा है। सोनम कोर्ट की अनुमति के बगैर शिलॉन्ग नहीं छोड़ सकती है। वहीं, सूत्रों के अनुसार सोनम खुद शिलॉन्ग से बाहर जाने के लिए कोर्ट में अर्जी दायर कर सकती है। इसके लिए वह स्वयं पर हमले का खतरा होने का तर्क दे सकती है। बताया जा रहा है कि उसके वकील की तरफ से इस मामले में तैयारी की जा रही है। कोर्ट ने केस के एक अन्य आरोपी राज कुशवाहा की जमानत को खारिज कर दिया है। राज के बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई थी कि अंडर ट्रायल मामलों में आरोपियों को लंबे समय तक जेल में रखना उनके अधिकारों का उल्लंघन है। आमतौर पर एक साल से अधिक समय तक जेल में रहने के आधार पर आरोपी जमानत का प्रयास करते हैं, लेकिन कोर्ट ने अपराध की गंभीरता और मामले के तथ्यों को देखते हुए राज को राहत देना उचित नहीं समझा।

जनगणना में लगे शिक्षकों को एमपी में भी दिल्ली की तरह अर्न लीव

जागरण, भोपाल। जनगणना कार्य में तैनात किए गए मध्यप्रदेश के शिक्षकों की गर्मियों की छुट्टियां बेकार नहीं जाएंगी, बल्कि दिल्ली की तरह उनके रिकॉर्ड में भी इस कार्य के दिनों के बराबर अर्न लीव (ईएल) जोड़ दी जाएंगी। राज्य शासन जनगणना में तैनात किए गए शिक्षकों को राहत देते हुए इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। मगर जनगणना कार्य में घर-घर पहुंच रहे शिक्षकों को प्रतिदिन ऑनलाइन अटेंडेंस लगाना अनिवार्य होगा। दिल्ली राज्य शासन ने जनगणना और चुनाव कार्यों के ग्रीष्मावकाश को देखते हुए ईएल देने का निर्णय लिया था। वहां के आदेश का हवाला देते हुए मध्यप्रदेश के शिक्षक संगठनों ने भी इस तरह की व्यवस्था करने की मांग की थी। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। कहा गया है कि शिक्षक संवर्ग के लोक सेवकों को विश्राम अवकाश के दौरान ड्यूटी के लिए बुलाए जाने पर अर्जित अवकाश की सुविधा दी जाएगी। निर्देश में कहा गया है कि विश्राम अवधि के दौरान शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्य जैसे जनगणना, निर्वाचन आदि कामों के लिए समय समय पर कार्यभार सौंपा जाकर ड्यूटी के लिए बुलाया जाता है। ऐसी स्थिति में हमारे शिक्षक एप के माध्यम से ड्यूटी स्थल पर ई-अटेंडेंस के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराया जाना जरूरी होगा। ई-अटेंडेंस लगाने वाले ऐसे शिक्षकों को अर्जित अवकाश संचित करने पर सरकार विचार करेगी।

जहां हैं वहीं से लगाना होगी ई-अटेंडेंस

स्वगणना: रायसेन टॉप पर, निवाड़ी सबसे नीचे भोपाल समेत पांचों महानगर टॉप पांच में नहीं

मुख्य संवाददाता, भोपाल। जनगणना निदेशालय ने गुरुवार देर रात 12 बजे तक मकानों की स्वगणना का दौर खत्म होने के बाद मध्यप्रदेश में सेल्फ एनुमरेशन के फाइनल आंकड़े जारी कर दिए हैं। 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रदेश के नागरिकों को मकानों की स्वगणना का डेटा ऑनलाइन देने की सुविधा जनगणना निदेशालय ने प्रदान की थी। अंतिम आंकड़ों के हिसाब से प्रदेश में कुल 7 लाख 46 हजार 157 लोगों ने अपने मकानों की जानकारी ऑनलाइन जनगणना निदेशालय को दी है। इस लिस्ट में रायसेन पहले और मंदसौर दूसरे स्थान पर है। रायसेन और मंदसौर में एक-एक लाख से अधिक लोगों ने ऑनलाइन जानकारी दी है, जबकि सबसे पिछड़े जिलों में आगर-मालवा और निवाड़ी शामिल हैं, जहाँ केवल 1198 और 658 लोगों ने ही इस सुविधा का लाभ लिया है।

छोटे जिलों ने महानगरों को पीछे छोड़ा

इस लिस्ट में पहले छह स्थानों पर रायसेन, मंदसौर, राजगढ़, छिंदवाड़ा, नीमच और सिवनी हैं, जबकि सातवें नंबर पर प्रदेश का पांचवां महानगर उज्जैन है। राजधानी भोपाल इस लिस्ट में नौवें नंबर पर है और जिले के केवल 19,411 लोगों ने अपने मकानों की ऑनलाइन जानकारी साझा की है। इसके बाद अन्य महानगरों की बारी है। सूची में 13वें नंबर पर जबलपुर, 17वें नंबर पर इंदौर और 22वें नंबर पर ग्वालियर है। हैरानी की बात है कि इन चारों महानगरों को जागरूकता के नजरिए से प्रदेश के अन्य जिलों से बेहतर माना जाता है, फिर भी वे पिछड़ गए।

कई जिलों में ट्रेनिंग के बाद शुरूआत

जनगणना के पहले चरण के अंतर्गत शुक्रवार से प्रगणक और सुपरवाइजर घर-घर जाकर मकानों की सूची तैयार करने और उनके सारणीयन में जुट गए हैं। 30 मई तक चलने वाले इस अभियान के पहले चरण में सरकारी अमला हर परिवार से मकान की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी लेगा। इस गणना के दौरान मकान का उपयोग (आवासीय या अन्य), निर्माण सामग्री, पीने के पानी का स्रोत, बिजली, शौचालय की सुविधा और परिवार के पास उपलब्ध संपत्तियों का डेटा लिया जा रहा है। यह प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल है।

स्वगणना के टॉप 5 जिले

नंबर	जिला	संख्या
1	रायसेन	125143
2	मंदसौर	105207
3	राजगढ़	47184
4	छिंदवाड़ा	28184
5	नीमच	27116

स्वगणना में बॉटम 5 जिले

नंबर	जिला	संख्या
51	मऊगंज	1384
52	श्योपुर	1341
53	टीकमगढ़	1338
54	आगर-मालवा	1198
55	निवाड़ी	658

महानगर अन्य जिलों से पिछड़े

नंबर	जिला	संख्या
7	उज्जैन	21049
9	भोपाल	19411
13	जबलपुर	16813
17	इंदौर	13778
22	ग्वालियर	9976

मौसम मौसम विभाग ने जारी किया पूरे महीने का चार्ट, तापमान में देखने मिलेगा उतार-चढ़ाव

मई में तेज गर्मी के आसार कम, सक्रिय रहेगा सिस्टम

नगर संवाददाता, भोपाल। अप्रैल के आखिरी सप्ताह में जितनी तेज गर्मी पड़ी है, शायद मई के पूरे महीने में दोबारा ऐसी गर्मी न पड़े। यह भविष्यवाणी मौसम केंद्र भोपाल ने जारी की है। इसके अनुसार मई के महीने में इस बार औसत तापमान सामान्य से कम रहने की उम्मीद है। भोपाल का मई महीने का सामान्य तापमान 41.1 डिग्री है, इस बार यह इसके बराबर या इससे कम रहने की संभावना जताई गई है। हालांकि मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि महीने में कुछ दिन ऐसे हो सकते हैं, जब तेज गर्मी पड़ेगी, लेकिन ऐसे दिनों की निरंतरता बहुत ज्यादा रहने की संभावना कम है।

ऐसा रहेगा मई का महीना

पहला सप्ताह: शहर का अधिकतम तापमान 38 से 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 से 26 डिग्री के बीच रह सकता है। 4 मई के आसपास बादल छाने और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

दूसरा सप्ताह: शहर का अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 से 29 डिग्री के बीच रह सकता है। धूप काफी तीखी होगी और दिन के समय लू जैसी स्थिति बन सकती है।

तीसरा सप्ताह: शहर का अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 से 30 डिग्री के बीच रह सकता है। यह महीने का सबसे गर्म समय हो सकता है। 21 मई के आसपास तापमान 43 डिग्री के पार जा सकता है। रातें भी काफी गर्म रहेंगी।

चौथा सप्ताह: महीने के अंत में बादलों की आवाजाही बढ़ेगी। उमस में वृद्धि होगी और शाम के समय प्री-मानसून बौछारों की संभावना बढ़ जाएगी।

बारिश की संभावना: मौसम विभाग के अनुसार के अनुसार इस साल मई में सामान्य से अधिक बारिश (110 प्रतिशत से ज्यादा) होने का अनुमान है, जिससे बीच-बीच में भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है।

रायसेन सबसे गर्म, बाकी जगह गर्मी से राहत

शुक्रवार को प्रदेश में सबसे अधिक गर्मी या तापमान रायसेन में रहा। यहां दिन का अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा प्रदेश के ज्यादातर जिलों में तापमान सामान्य से कम रहे। भोपाल की बात करें तो शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री रहा। जो कि सामान्य से 1.3 कम है। तापमान में कमी और बादलों के कारण लोगों को गर्मी से राहत रही। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए जबलपुर और कटनी में आकाशीय बिजली चमकने-गिरने के साथ 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट जारी किया है। वहीं, रात में दमोह, उमरिया, डिंडौरी, मंडला, नीमच, नरसिंहपुर और सीहोर में बारिश होने के आसार है। यहां भी तेज आंधी चल सकती है।

रीना बोरासी को मैं पवनखेड़ा बनाकर छोड़ूंगा: मालवीय

विधायक का महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पर पलटवार

जागरण, रतलाम। महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी के आरोपों के बाद आलोट विधायक चिंतामणि मालवीय ने उन पर पलटवार किया है। विधायक ने एक वीडियो जारी कर सभी आरोपों को झूठा बताया और कहा कि वे इस मामले में कोर्ट में आपराधिक और मानहानि का केस करेंगे। विधायक ने यहां तक कहा कि मै उन्हें (रीना बौरासी) को पवन खेड़ा बनाकर छोड़ूंगा। मालूम हो कि विगत दिवस भोपाल में महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी ने आलोट विधायक मालवीय के खिलाफ राज्यपाल को शिकायत की थी, जिसमें विधायक के खिलाफ यौन शोषण, संपत्ति हड़पने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद से ही मामला गरमा गया है। विधायक ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि 'रीना बोरासी के आरोप लगाए नितांत असत्य, तथ्यविहिन और प्रमाणविहिन हैं। मुझ पर कोई आरोप, कोई जांच, कोई, कोई प्रकरण लंबित नहीं है। ना ही मैने किसी की जमीन हड़पी है। इस तरह के स्तरहीन और झूठे आरोप लगाना निश्चित रूप से अपराध है। मालवीय ने कहा कि वह इस मामले में रीना पर आपराधिक और मानहानि का केस करेंगे। अपने डूबे हुए अस्तितत्व को तलाशने के लिए उनको स्तरहीन आरोप नहीं लगाना चाहिए थे।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।